हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

एम्स ओवरलोड

राज्य की बड़ी आबादी ऐसी नहीं है कि प्राइवेट अस्पतालों में महंगा इलाज करवा पाए, इसलिए उसकी सेहत सरकारी अस्पताल के ही हवाले है, पर आम शिकायत यह है कि इन अस्पतालों में इलाज की सुविधा तो है, पर इसके लिए उनको खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, खास तौर पर रिस्पांस टाइम को लेकर समस्या आती है और इसकी वजह से कई बार इलाज अधूरा छोड़ना पड़ता है। हरिभूमि ने उनकी शिकायतों को गंभीरता से लिया। चार संवाददाताओं को इन चारों अस्पतालों का रिस्पांस टाइम चेक करने भेजा गया। मरीज बनकर एम्स, आंबेडकर अस्पताल, डीकेएस और डेंटल अस्पताल पहुंचे रिपोर्टर्स को रियलटी चेक में काफी वक्त लगा, खासकर एम्स अस्पताल में। राज्य के इकलौते एम्स की टाइमिंग बेहद खराब है। यहां रजिस्ट्रेशन से लेकर संबंधित विभाग के डॉक्टर तक पहुंचने में ही पूरा दिन लग गया। तिल निकालने महज छोटी सर्जरी के लिए भी चार माह बाद का समय दिया गया। आंबेडकर में इलाज तो है, पर जांच में वेटिंग ने हलाकान कर रखा है। डेंटल और डीके सुपरस्लेश्यलिटी में स्थिति थोड़ी बेहतर थी। दोनों अस्पताल ओवरलोड नहीं हैं, इसलिए यहां झंझट कम है। ***किस अस्पताल में क्या हुआ, देखिए रिपोर्ट-***

छोटी सर्जरी के लिए भी चार माह बाद का समय

आंबेडकर में इलाज तो है, पर जांच में वेटिंग

राजधानी के चार बड़े अस्पतालों में मरीज बनकर पहुंचे हरिभूमि के चार रिपोर्टर, रिस्पांस टाइम मिला गड़बड़

सबसे खराब एम्स, रजिस्ट्रेशन से लेकर डॉक्टर तक पहुंचने में लग गए 48 घंटे, आंबेडकर में जांच कराने माथापच्ची, डेंटल-डीकेएस में थोड़ी राहत

रुचि वर्मा

एम्स: लाइव-1

दो दिन में चेकअप सर्जरी 4 माह बाद!

प्रथम दिवस :- शुक्रवार सुबह 9.45 बजे : मरीज बनकर (रिपोर्टर) ने गेट नंबर पर बैठे गार्ड से टोकन लिया। किस विभाग में जाना है, यह पूछा गया। इसके आधार पर स्किन डिपार्टमेंट के लिए टोकन क्रमांक 279 आवंटित किया गया। सुबह करीब 10 बजे रिपोर्टर पंजीयन के लिए लाइन में खड़ी हुई। महिला गार्ड ने पूछने पर बताया कि उनके टोकन नंबर की बारी में अभी वक्त है। पंजीयन कक्ष में जितनी कुर्सियां लगाई गई थीं, वह भरी हुई थी, कई मरीज जमीन पर ही बैठे नजर आए। लगभग सवा दो घंटे इंतजार के बाद टोकन नंबर के आधार पर 12 बजकर 18 मिनट को पंजीयन काउंटर पर स्किन डिपार्टमेंट का सील लगाकर तारीख डाली गई। विभाग जाने का रास्ता बताया गया।

रिपोर्टर डी ब्लॉक के प्रथम तल में स्थित स्किन विभाग पहुंचीं। यहां काउंटर पर बैठे स्टाफ ने पंजीयन कार्ड ही लेने से इनकार कर दिया। कारण पूछने पर कहा कि पहले से ही पर्याप्त मरीज हो गए हैं। पहले उन्हें भेजा जाएगा। नए मरीज ले पाना संभव नहीं है। रिपोर्टर ने कहा कि इमरजेंसी है, बारिश के कारण त्वचा में रैशेज हो गए हैं। बहुत ज्यादा परेशानी हो रही है। इसके बाद भी पंजीयन कार्ड नहीं लिया गया। अगले दिन बगैर नया पंजीयन कराए करीब 9 बजे आने कहा गया।

द्वितीय दिवस: शनिवार को 10 बजे रिपोर्टर त्वचा रोग विभाग पहुंची जहां काउंटर पर पंजीयन कार्ड जमा कर लिया गया। रिपोर्टर द्वारा बताया गया कि वे कल भी आ चुकी हैं, लेकिन उन्हें वापस भेज दिया गया था। इसलिए आज पहले भेज दिया जाए। इस पर पहले से अन्य कार्ड जमा होने के तर्क के बाद करीब दो घंटे बाद नाम पुकारा गया। चिकित्सक कक्ष के बाहर खड़े गार्ड ने कार्ड लिया। महिला डॉक्टर को ही दिखाने की बात पर पुनः कुछ देर तक इंतजार करने कहा गया। तत्पश्चात लगभग 12.30 बजे महिला चिकित्सक ने जांच की। त्वचा पर अत्यधिक तिल की दिक्कत बताए जाने पर कक्ष क्रमांक-4 में जाकर तारीख लेने कहा गया। यहां चार माह पश्चात नवंबर की तारीख तिल हटाने के ट्रीटमेंट के लिए दी गई।

राजधानी के चार बड़े अस्पताल इलाज में देरी के साथ भटक रहे

विकास शर्मा

दंत चिकित्सालय: लाइव-2

दांतों की सफाई के लिए तीन माह बाद का समय

दांतों की सड़न और पीड़ा लेकर सुबह 8.23 बजे शासकीय दंत चिकित्सालय पहुंचे रिपोर्टर (मरीज) को वहां कुछ मरीजों के अलावा वीरानी नजर आई। कर्मचारी सफाई में जुटे रहे और काउंटर स्टाफ के आने का इंतजार करने लगे। ठीक 9 बजे पंजीयन की प्रक्रिया शुरू और 5 रुपए के शुल्क पर रिपोर्टर की रजिस्ट्रेशन बुक प्राप्त हो गया। ओपीडी रूम के बाहर खड़ी महिला गार्ड ने पंजीयन पुस्तिका लेकर बाहर बैठने की सलाह दी। आधे घंटे बाद करीब 10 बजे बारी आने पर डाक्टरों ने डेंटल चेयर पर बिठाकर हिस्ट्री पूछी और विभिन्न सलाह देकर 10 बजकर 10 बजे रूम नंबर मसूड़े से लगे स्किन की जांच के लिए ▶▶| शेष पेज 6 पर

दांतों की सफाई 19 दिन बाद

रिपोर्टर के दांतों की जांच के बाद सफाई करने की सलाह दी गई। दोपहर बारह बजे जब रिपोर्टर ने इसका समय पूछा तो बताया कि 31 जुलाई को सुबह 9 से 10 के बीच आकर वे सफाई करवा ले। इतनी लंबी तारीख के बारे में लेडी डाक्टर ने बताया कि वहां मशीन की संख्या सीमित है और मरीजों की संख्या ज्यादा। इस प्रक्रिया में वक्त लगता है इसलिए रोजाना आठ से दस मरीजों की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। तब तक पर्ची पर लिखी दवा ▶▶| शेष पेज 6 पर

इलाज वक्त पर लेकिन जांच के लिए लंबा इंतजार

ललित राठोड़

आंबेडकर अस्पताल लाइव-3

सामान्य सर्दी और एलर्जी के लिए पहुंचे मरीज (रिपोर्टर) को ओपीडी पंजीयन की लाइन में डेढ़ घंटे का समय लगा। सुबह 9:04 बजे अस्पताल में प्रवेश के साथ सबसे पहले प्राथमिक पंजीयन कराया, जिसमें 3 मिनट लगे।

डाक्टर ने रुटीन पूछताछ में बीमारी के बारे में जानकर मरीज को ओपीडी, वार्ड नंबर 140 दूसरी मंजिल जाकर जांच कराने की सलाह दी। 9 बजकर 10 बजे वार्ड में पहुंचने पर डॉक्टर से मिलने के लिए दोबारा पंजीयन कराना पड़ा। इस प्रक्रिया में करीब बीस मिनट का वक्त लगा। पंजीयन काउंटर पर आधा दर्जन मरीज पहले से लाइन में थे इसलिए रिपोर्टर को अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ा। डॉक्टर की टेबल पर पहले से 14 पर्चियां रखी थीं और दर्जनों मरीज ▶▶| शेष पेज 6 पर

एक्स-रे की खातिर 3 घंटे इंतजार

दवा मिलने के बाद जब रिपोर्टर एक्स-रे कराने पहुंचा, तो वहां लंबी कतार थी और लोग सिस्टम की कमी को कहीं ना कहीं कोस रहे थे। इनके बीच रिपोर्टर का नंबर 40 वां था और एक मरीज का एक्स-रे कराने में लगभग 15 मिनट का समय लग रहा था। इस हिसाब से आम मरीज बने रिपोर्टर को 2 से 3 घंटे इंतजार पीड़ा सहनी पड़ी। डॉक्टरों ने बताया कि एक्स-रे रिपोर्ट अगले दिन मिलेगी यानी दूसरे दिन भी अस्पताल जाना होगा।

डीके अस्पताल: लाइव-4

संजय जोशी

डीके से आंबेडकर में जहां रेफर, वहां रूम बंद

सिरदर्द और पैरों के सुन्न होने की शिकायत लेकर सुबह 8 बजकर 33 बजे रिपोर्टर (मरीज) डीके सुपरस्पेशलिटी हास्पिटल पहुंचा। रिस्पेशन काउंटर पर दो कर्मचारी मौजूद थे। रिपोर्टर ने अपनी समस्या बताई, इस बीच सर्वर डाउन डाउन हो गया। काउंटर पर खड़े रिपोर्टर के हाथों में सुबह 8 बजकर 40 बजे ओपीडी की पर्ची आई। उसे ▶▶| शेष पेज 6 पर

आंबेडकर अस्पताल की ट्रेजडी:- रिपोर्टर के साथ ट्रेजडी तब होती है जब डाक्टर के बताए पते यानी आंबेडकर अस्पताल के कक्ष क्रमांक 150 में मेडिसिन विभाग के लैब में करीब 11 बजे रिपोर्टर पहुंचता ▶▶| शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर आत्म सर्मपण

कलेक्टर मेनन के अपहरण में शामिल लोकेश ने पत्नी के साथ किया समर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

सुकमा जिला मुख्यालय में शनिवार को 11 हार्डकोर नक्सली समेत 23 ने समर्पण किया जिन पर 1.18 करोड़ रुपए का ईनाम घोषित था। समर्पण करने वाले नक्सलियों में सबसे उपर दक्षिण सब जोनल ब्यूरो सप्लाई टीम कमाण्डर डीवीसीएम लोकेश उर्फ पोड़ियाम भीमा का नाम आता है, जिसने अपनी एसीएम पत्नी हिड़मे के साथ समर्पण किया है। लोकेश नौ ऐसी संगीन घटनाओं में शामिल था जिसमें 46 जवानों की शहादत हुई थी, इसके अलावा वह 12 मार्च 2012 को ग्राम स्वराज अभियान के दौरान तत्कालीन कलेक्टर एलेक्स पॉल मेनन के अपहरण की वारदात में भी शामिल था। जिनका केरलापाल के माझीपारा से अगवा किया गया था।

छग शासन की नक्सलवाद आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति व नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर एसपी दफ्तर में डीआईजी सुकमा आनंद सिंह राजपूत, सैयद मोहम्मद हबीब असगर व एसपी किरण चव्हाण व अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में बिना हथियार के समर्पण ▶▶| शेष पेज 6 पर

- 1.18 करोड़ के ईनामी तीन नक्सली दंपति समेत 23 ने सुकमा में किया समर्पण
- नक्सल संगठन में सक्रिय 11 हार्डकोर नक्सलियों पर 8-8 लाख का था ईनाम

11 हार्डकोर नक्सलियों पर 8-8 लाख का था ईनाम

समर्पण करने वाले 11 नक्सलियों पर 8-8 लाख, 4 पर 5-5 लाख 1 पर तीन लाख तथा शेष सात पर 1-1 लाख कुल 1 करोड़ 18 लाख का ईनाम घोषित था। समर्पित नक्सिलयों में 8-8 लाख के ईनामी दक्षिण सब जोनल ब्यूरो सप्लाई टीम कमांडर डीव्हीसीएम लोकेश उर्फ पोड़ियाम भीमा के अलावा सीसीएम माड़वी हिड़मा का गार्ड कमाण्डर पीपीसीएम ▶▶| शेष पेज 6 पर

बंदूक की गोली नहीं, अब विकास की बोली गूंज रही : साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुदूर अंचलों में बदलाव की बयार बह रही है। बस्तर बदल रहा है, बंदूकें थम रही हैं और लोकतंत्र की लौ अब हर कोने में जल रही है। इसी परिवर्तनशील वातावरण में आज सुकमा जिले में 1.18 करोड़ के इनामी 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इन्हें मिलाकर पिछले 24 घंटों में कुल 45 नक्सलियों ने हिंसा का मार्ग त्यागकर लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास जताया है। ▶▶| शेष पेज 6 पर

मृतकों में तीन लड़कियां और एक लड़का

खेलते-खेलते तालाब में उतर गए मासूम, डूबने से चार की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर चांपा

बलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम भैंसतरा में तालाब में डूबने से चार मासूम बच्चों की मौत हो गई। मृतकों में तीन लड़कियां व एक लड़का है। बताया जाता है कि ये सभी स्कूल से छुट्टी होने के बाद घर लौटते वक्त खेलते खेलते तालाब में नहाने उतर गए। जानकारी के अनुसार शनिवार 12 जुलाई को भैंसतरा के चार बच्चे पुष्पांजलि श्रीवास पिता भागीरथी श्रीवास 9 वर्ष, तुषार श्रीवास पिता भागीरथी श्रीवास 5 वर्ष, ख्याति केवट पिता जीवधन केवल 4 वर्ष और अंशिका यादव पिता दुर्गेश यादव 8 वर्ष स्कूल से छुट्टी होने के बाद घर लौट रहे थे। इस दौरान चारों बच्चे गांव के घटोली डबरी की तरफ खेलने गए, जहां दोपहर 3 बजे के आस पास गांव के किसी ने घटोली डबरी में एक बच्चे का शव तैरते देखा,तो उसके परिजनों को सूचित किया। जैसे ही ये बात गांव में फैली बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और घटना की सूचना पुलिस को दी गई। इस दौरान लोगों की मदद से शव को बाहर निकालकर बाकी बच्चों की भी तलाश की तो सभी बच्चे डबरी के अंदर पानी में ही मिले।

नहीं बची जान

परिजनों के साथ ग्रामीण सभी बच्चों को लेकर सीएचसी बलौदा पहुंचे, जहां डाक्टरों ने चारों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। इससे वहां का माहौल बेहद गमगीन हो गया। सूचना पर थाना प्रभारी राजीव श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार भागीरथी कश्यप अपने स्टाफ के साथ सीएचसी पहुंचे। उन्होंने पंचनामा की कार्यवाही के बाद शव को पीएम के लिए रवाना किया।

आयुष विवि ने बीएससी नर्सिंग का परीक्षा शुल्क दोगुना कर दिया है। इस संदर्भ में छात्रों को कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई थी। विद्यार्थियों ने जब सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए आवेदन भरा, तब उन्हें पता चला की इस बार उन्हें एग्जाम फीस दोगुनी देनी होगी। पिछले शैक्षणिक सत्र तक बीएससी नर्सिंग के लिए 1500 रुपए परीक्षा फीस देनी होती थी, लेकिन इस बार छात्रों को 3 हजार रूपए देने पड़ रहे हैं। बीएससी नर्सिंग के सभी सेमेस्टर में बढ़ी हुई परीक्षा फीस लागू की गई है।

आयुष विवि ने दोगुनी की बीएससी नर्सिंग फीस बगैर वैकल्पिक व्यवस्था पैनल सिस्टम भी बंद

परीक्षा शुल्क के रूप में अब विद्यार्थियों को देने होंगे 1500 की जगह 3000 रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए विवि द्वारा सामान्य फीस के साथ 1 से 7 जुलाई तक आवेदन मांगे गए थे। इसके बाद परीक्षा फीस के 10 प्रतिशत हिस्से को विलंब शुल्क के रूप में मान्य करते हुए 10 जुलाई तक फॉर्म भरने की छूट छात्रों को प्रदान की गई। महाविद्यालयों को 14 जुलाई तक छात्रों के आवेदन विवि को प्रेषित करने होंगे। नर्सिंग की पढ़ाई करने वाले अधिकतर विद्यार्थी आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं। इन स्थितियों में उनके लिए बढ़ी हुई फीस आर्थिक बोझ साबित हो रही है।

खास खबर

इधर, छात्रों ने जताई नाराजगी

परीक्षा शुल्क को बिना पूर्व सूचना के एकमुश्त दोगुना किए जाने से छात्रों में आक्रोश है। कई छात्रसंगठनों ने इसे लेकर नाराजगी जताई है। छात्रों का कहना है कि यह नीति एवं नैतिकता दोनों के विरुद्ध है। इससे हम पर आर्थिक भार बढ़ा है और उनकी पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने विवि प्रबंधन से फीस वृद्धि वापस लेने की मांग की है। एबीवीपी के महानगर मंत्री प्रथम राव फूटाने ने कहा, छात्रों के साथ आर्थिक और मानसिक अन्याय हो रहा है। इसके अलावा पुनर्मूल्यांकन-पुनर्गणना परिणामों में लगने वाले अधिक समय को लेकर भी छात्रों ने रोष जताया है। छात्रों का कहना है कि यदि किसी छात्र को पूरक की पात्रता मिलती है और वह पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करता है, तो उसका परिणाम इतना विलंब से आता है कि वह अगले सेमेस्टर का परीक्षा फॉर्म ही नहीं भर पाता है।

ऑनलाइन ही होगी पूरी व्यवस्था

फीस के अतिरिक्त एक अन्य दिक्कत छात्रों के समक्ष वन वे विंडो पैनल सिस्टम को विश्वविद्यालय द्वारा बंद कर दिए जाने के कारण उत्पन्न हो गई है। माइग्रेशन, अंकसूची, पुनर्गणना-पुनर्मूल्यांकन सहित सभी तरह की समस्याओं के लिए विवि द्वारा एक सिंगल विंडो सिस्टम संचालित था। इसके माध्यम से विद्यार्थी किसी भी तरह की समस्या दर्ज करा सकते थे। विश्वविद्यालय द्वारा उक्त व्यवस्था को ऑनलाइन किए जाने की तैयारी है, ताकि प्रत्येक तरह की शिकायत छात्र ऑनलाइन ही दर्ज कर सकें। विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन सिस्टम प्रारंभ किए बगैर ही सिंगल विंडो को बंद किए जाने के कारण यहां-वहां भटक रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, विद्यार्थियों की शिकायत के बाद अब विवि ऑनलाइन सुविधा प्रारंभ होने तक इसे पुनः प्रारंभ करने की तैयारी है।

खबर संक्षेप

हिस्ट्रीशीटर बदमाश 16 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर को पुलिस ने गांजा तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक लाख 66 हजार रुपए कीमत का 16 किलो गांजा जब्त किया है। गिरफ्तार बदमाश के खिलाफ हत्या, मारपीट, लूट, एनडीपीएस सहित कई गंभीर धाराओं के खिलाफ टिकरापारा तथा अन्य थाना क्षेत्रों में अपराध दर्ज है। मोहम्मद राशिद अली उर्फ राजा बैझड़ को पुलिस ने गांजा तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। राजा बैझड़ कुछ दिन पूर्व ही जेल जमानत पर छूट कर आया था। पुलिस के अनुसार कमल विहार सेक्टर-4 के एक निर्माणाधीन मकान में राजा बैझड़ ने अपने साथियों के साथ गांजा छिपाकर रखा था। राजा उसी निर्माणाधीन मकान से चोरी छिपे पान ठेला तथा अपने गुर्गों के माध्यम से गांजा बेचने का काम कर रहा था।

मामूली विवाद पर पत्नी का गला घोंटकर हत्या

रायपुर। तिल्दा-नेवरा पुलिस ने मामूली विवाद पर गर्भवती पत्नी की हत्या करने के आरोप में उसके पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सुरूज की हत्या करने के आरोप में पदुम निर्मलकर को गिरफ्तार किया है। सुरूज की बड़ी बहन ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन का पदुम के साथ एक वर्ष पूर्व विवाह हुआ था।

राज्य स्तरीय जांच समिति ने सौंपी जांच रिपोर्ट, गुणवत्ताहीन सामान बदलवाए गए

आंगनबाड़ी केंद्रों में घटिया सामान की आपूर्ति, छह सप्लाई एजेंसियां ब्लैक लिस्टेड

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने राज्य स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया था

आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों और महिलाओं के लिए भेजी गई घटिया सामान की सप्लाई करने वाली एजेंसियों को ब्लैक लिस्टेड किया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने राज्य स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया था। समिति ने सभी जिलों में सामग्री की गुणवत्ता का भौतिक परीक्षण कर अपनी रिपोर्ट संचालनालय को सौंपी थी। रिपोर्ट के आधार पर दोषी प्रदायकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए छह सप्लायरों का ब्लैक लिस्ट कर दिया गया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

महिला एवं बाल विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि वर्ष 2024-25 में कुल 23.44 करोड़ रुपये की सामग्री जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदी गई थी। विभाग ने बताया कि पूरी क्रय प्रक्रिया पारदर्शी रही और सभी सामग्रियों की सप्लाई से पहले और सप्लाई के बाद गुणवत्ता जांच कराई गई। राज्य स्तरीय जांच समिति द्वारा रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जशपुर, सरगुजा और जांजगीर-चांपा जिलों में जाकर प्रदाय की गई सामग्रियों का गहन निरीक्षण किया गया।

खास खबर

टेबल, तवा, कढाई, स्टील ट्रे घटिया

समिति की रिपोर्ट में सामने आया कि कुछ टेबल स्थानों पर असेंबल नहीं हुए थे, जिन्हें बाद में सही कराया गया। अनाज कोठी भारतीय मानक के अनुरूप नहीं मिलने पर मेसर्स नमो इंटरप्राइजेस और आयुष मेटल से सामग्री बदली गई और दोनों को जेम से प्रतिबंधित किया गया। स्टील ट्रे की साइज और वजन में भिन्नता पर मेसर्स अर्बन सप्लायर्स, मनीधारी सेल्स व ओरिएंटल सेल्स से रिप्लेसमेंट कराया गया। तवा की गुणवत्ता कम मिलने पर मेसर्स सोनचिरैया कॉर्पोरेशन को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। कढाई हल्की वजन भिन्नता को छोड़कर अधिकांश मापदंडों पर ठीक पाई गई। अन्य सामग्रियां जैसे अलमारी, कुकर, चम्मच व गिलास अधिकतर स्थानों पर मानकों के अनुरूप पाई गईं।

गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं: राजवाड़े

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने इस पूरे मामले पर कहा, बच्चों और महिलाओं से जुड़ी सेवाओं में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हमने तत्परता और पारदर्शिता के साथ जांच पूरी कर दोषियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की है। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि आंगनबाड़ी केन्द्रों तक केवल सुरक्षित, मजबूत और गुणवत्तापूर्ण सामग्री ही पहुंचे।

इन कंपनियों को किया ब्लैक

मेसर्स नमो इंटरप्राईजेस, मेसर्स आयुष मेटल, मेसर्स अर्बन सप्लायर्स, मेसर्स मनीधारी सेल्स, मेसर्स ओरिएंटल सेल्स, मेसर्स और सोनचिरिया कॉर्पोरेशन एजेंसियों को जेम पोर्टल से ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है, भविष्य में ये एजेंसिया किसी भी प्रकार की सामग्रियों की शासकीय सप्लाई भी नहीं कर पाएगी। विभाग द्वारा इन सभी से घटिया सामग्रियों को वापस मंगाकर मानकों के अनुरूप सामग्री की आपूर्ति कराई गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी खराब सामग्री के लिए ऐजेंसियों को कोई भुगतान नहीं किया गया है। सभी दोषपूर्ण सामग्रियों को वापस लेकर मानक सामग्री दी जा चुकी है।

छग विधानसभा मानसून सत्र

विपक्ष को जवाब देने की रणनीति बनेगी, भाजपा विधायक दल की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विधानसभा के मॉनसून सत्र के लिए भाजपा विधायक दल की बैठक रविवार को मुख्यमंत्री निवास नया रायपुर में रात को 7.30 बजे रखी गई है। इस बैठक में विपक्ष के सवालों का करारा जवाब देने की रणनीति बनेगी। भाजपा के मैनपाट में हुए प्रशिक्षण वर्ग का सदन में असर दिख सकता है। नए विधायकों को भी अपने तेवर दिखाने के लिए विपक्ष के सवालों का जवाब देने वालों की सूची में शामिल किया जा सकता है। इसी के साथ नए विधायकों को भी सवाल करने के लिए कहा जा सकता है। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से प्रारंभ हो रहा है। सत्र के प्रारंभ होने से पहले भाजपा ने विधायक दल की बैठक रखी है। इस बैठक में मुख्य रूप से इस बात पर चर्चा होगी कि विपक्ष किस तरह के सवाल कर सकता है और किन मुद्दों पर स्थगन प्रस्ताव ला सकता है।

प्रशिक्षण वर्ग का दिखेगा असर

भाजपा ने अपने विधायकों को मैनपाट में तीन दिनों तक प्रशिक्षण दिया है। इस प्रशिक्षण का मकसद विधायकों का परफॉर्मेंस अच्छा करना है। भाजपा के कई नए विधायक ऐसे हैं जो कभी सदन में सवाल नहीं करते हैं। इसी के साथ विपक्ष के सवालों का जवाब देने वालों में भी शामिल नहीं रहते हैं। लेकिन इस बार मानसून सत्र में सदन में भाजपा के कुछ नए विधायकों को भी सवाल-जवाबों के बीच देखने का अवसर मिल सकता है। किन नए विधायकों को बोलने का मौका दिया जाए, यह विधायक दल की बैठक में तय होगा।

तरकश

संजय के दीक्षित

कमीशनखोरी का चिप्स

छत्तीसगढ़ बनने के दो साल बाद सीएम अजीत जोगी ने स्टेट में आईटी के बेहतर इस्तेमाल के लिए छत्तीसगढ़ इंफोटेक प्रमोशन सोसाईटी याने 'चिप्स' का गठन किया था। आईएएस अमित अग्रवाल इसके फर्स्ट सीईओ बनाए गए। बाद में रमन सिंह के कार्यकाल में रायपुर के सिविल लाईन में चार मंजिला भव्य ऑफिस बनाया गया। मगर पिछले कुछ सालों में स्थिति यह है कि चिप्स अब सफेद हाथी बनकर रह गया है। इस संस्था का रिकार्ड इतना खराब हो चुका है कि अब उस पर मंत्रालय के सिकरेट्री भी भरोसा नहीं कर रहे...कोई अहम काम चिप्स को नहीं सौंपा जा रहा। क्योंकि, एक तो अनाप-शनाप चार्ज बता दिया जाएगा, फिर टाईम पर होगा नहीं और हुआ तो कब तक काम करेगा, कहा नहीं जा सकता। जाहिर है, भारत सरकार का साफ्टवेयर नहीं होता तो सूबे में मंत्रालय से लेकर जिलों तक ई-ऑफिस लागू नहीं हो पाता। चिप्स के चलते ही पुलिस इंस्पेक्टरों की भर्ती व्यापम में लटकी रही। थक-हारकर गृह विभाग को पीएससी से बात करनी पड़ी। दरअसल, चिप्स भाई-भतीजावाद और कमीशनखोरी का अड्डा बनकर रह गया है। साफ्टवेयर तैयार करने में अपनों को उपकृत करना या फिर भारी कमीशन की डिमांड...ऐसे में चिप्स से क्वालिटी वर्क की अपेक्षा कैसे की जा सकती है। हालांकि, सरकार ने एक आईएफएस अधिकारी मयंक अग्रवाल को चिप्स का सीओओ बनाया है। मगर यह भी सही है कि चिप्स के वर्तमान सीईओ प्रभात मलिक के पास तीन-तीन एडिशनल चार्ज है। चिप्स के सीईओ के अतिरिक्त ज्वाइंट सिकरेट्री आईटी, ज्वाइंट सिकरेट्री गुड गवर्नेंस और डायरेक्टर इंडस्ट्री। बहरहाल, आईटी के दौर में अब वक्त आ गया है कि चिप्स को पटरी पर लाया जाए।

खजाने को करोड़ों की बचत

जाहिर है, टेक्नोलॉजी में दुनिया कहां से कहां जा रही है...ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने अपने देश में बैठे-बैठे पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को सटिक निशाना लगाते हुए उन्हें उड़ा दिया था। और छत्तीसगढ़ में ये हाल है कि धान के लिए पटवारी से रिपोर्ट मांगी जाती है। और पटवारी पैसे लेकर बंजर और परती जमीन में भी 21 क्विंटल धान उपजा देते हैं। चिप्स अगर साफ्टवेयर तैयार कर दे तो रायपुर में बैठे-बैठे बताया जा सकेगा कि किस किसान के खेत में कितना बोया गया है और कहां नहीं। चिप्स चाहे तो ये भी पता चल सकता है कि कितना धान दूसरे राज्यों से आ रहा तो कितना धान बिचौलिये और राईस मिलर अलटी-पलटी कर सरकार के खजाने को चूना लगा दे रहे हैं। एक मोटे अनुमान के तहत मॉनिटरिंग सिस्टम नहीं होने की वजह से सरकार को 30 परसेंट एक्स्ट्रा धान खरीदना पड़ता है। 2024-25 में 149 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया, ये सब कलाबाजियां नहीं होती तो सरकार को कम-से-कम 40 से 50 मीट्रिक टन कम परचेज करना पड़ता। याने चार से पांच करोड़ क्विंटल। पांच करोड़ क्विंटल से अगर 3100 से गुणा करें तो 1.55 खरब रुपए होता है। इससे समझा जा सकता है कि खजाने का कितना पैसा बचता। यह पैसा स्कूल, कॉलेज, अस्पताल पर व्यय होता, जो माफियाओं की जेब में जा रहा है। टेक्नोलॉजी की मदद से राईस मिलरों के झोल का पता लगाया जा सकता है कि कितने वॉट बिजली का उपयोग किया गया। अधिकांश राईस मिलों की जितनी कैपिसिटी नहीं होती, उससे अधिक मिलिंग दिखा दिया जाता है। कहने का आशय यह है कि चिप्स को अगर स्ट्रांग कर दिया जाए तो पारदर्शिता के साथ भ्रष्टाचार को रोकने में भारी मदद मिल सकती है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी चोट

भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार ने इस हफ्ते एक प्रेस नोट जारी किया, उसके मजमूं से लगता है कि सरकार अब जीरो टॉलरेंस को लेकर काफी अग्रेसिव मोड में आ गई है। प्रेस नोट के कंटेंट और भाषा से प्रतीत हो ही रहा...सरकार के करीबी लोगों का भी मानना है कि विधानसभा सत्र के बाद सरकार करप्शन पर प्रभावी चोट करेगी। 22 एक्साइज अफसरों का निलंबन इसी का हिस्सा था। एसीबी को भी सरकार ने फ्री हैंड दिया है। राज्य बनने के बाद यह पहली बार हुआ कि चार-चार आईएएस अधिकारी को पूछताछ के लिए एसीबी मुख्यालय बुलाया जा चुका है। सीजीएमएससी घोटाले में सीजीएमएससी की वर्तमान और पूर्व एमडी, पूर्व हेल्थ डायरेक्टर और एनएचएम की पूर्व एमडी से एसीबी हेडक्वार्टर में घंटों की पूछताछ की गई। इनमें सिर्फ एक प्रमोटी आईएएस है। बाकी तीन आरआर आईएएस अफसर हैं। सरकार के रणनीतिकारों का मानना है कि जिस तरह 2023 के विधानसभा चुनाव में करप्शन सबसे बड़ा मुद्दा रहा, उसी तरह 2028 के चुनाव में करप्शन पर जीरो टॉलरेंस को मुद्दा बनाया जाएगा। अनेक स्टडी में ये बात सामने आई भी है कि विकास कार्य एक बार ना भी हो तो चलेगा मगर करप्शन पर प्रहार जनता को प्रभावित करता है। पड़ोसी राज्य ओड़िसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक हर साल कुछ अफसरों को कौवा मारकर लटका देते थे...और चुनाव जीतते रहे। छत्तीसगढ़ में भी अब जीरो टॉलरेंस को टॉप प्रायरिटी बनाया जाएगा।

डीजीपी को भरोसा?

छत्तीसगढ़ में पूर्णकालिक डीजीपी न होने से परेशानियां अब परिलक्षित होने लगी है। जिला पुलिस को पेटी कंट्रक्शन रिपेयरिंग के नाम पर हर साल पांच से 10 लाख रुपए का बजट जारी किया जाता था, अभी तक वह नहीं हो पाया है। इस पैसे से थानों या पुलिस के भवनों की मरम्मत के छोटे-मोटे काम होते थे। वैसे प्रभारी डीजीपी अरुणदेव के फ्रंट फुट पर नहीं खेलने की जायज वजहें भी हैं। आखिर, दूध का जला...मुहावरा है ही। सितंबर 2024 में गौतम को प्रभारी डीजीपी बनाने प्रॉसेस प्रारंभ होने वाला था कि दिल्ली से फोन आ गया...अशोक जुनेजा को एक्सटेंशन के लिए प्रस्ताव भेजिए। एसीएस होम मनोज पिंगुआ ने प्रस्ताव भेजा और 15 घंटे के भीतर दिल्ली से ओके होकर आ गया। फिर, 30 जून को चीफ सिकरेट्री नियुक्ति एपिसोड में जो हुआ, उससे गौतम क्या...प्रदेश की जनता अनभिज्ञ नहीं है। ऐसे में, कोई यह समझे कि गौतम देश के बाकी प्रभारी डीजीपी की तरह छत्तीसगढ़ की पोलिसिंग में जान लगा दें तो यह भला कैसे संभव है। यद्यपि, यूपी ऐसा स्टेट है कि पिछले तीन बार से वहां प्रभारी डीजीपी अपाइंट हो रहे और वे अपना कार्यकाल पूरा कर रिटायर हो रहे। बहरहाल, छत्तीसगढ़ की बात करें तो सिस्टम को दो काम करना होगा। या तो पूर्णकालिक डीजीपी की नियुक्ति की जाए या फिर गौतम को कोई खतरा नहीं का भरोसा दिया जाए।

5 विभागों के लिए एक बिल

विधानसभा के मानसून सत्र में इस बार अब तक का सबसे महत्वपूर्ण विधेयक आने वाला है, वह है जनविश्वास अधिनियम विधेयक। यह पहला बिल है, जिसमें एक साथ पांच विभागों के नियम बदलेंगे। इनमें नगरीय प्रशासन, पंचायत, गृह और सहकारिता जैसे विभाग शामिल हैं। यह बिल अलग इस मायने में भी है अलग है कि इसे तैयार करने का दायित्व इन पांचों से अलग किसी तीसरे विभाग को सौंपा गया है। राज्य सरकार ने उद्योग विभाग को इसका नोडल डिपार्टमेंट बनाया है। विभाग के सिकरेट्री रजत कुमार ने पखवाड़े भर के भीतर इस बिल को तैयार कर डाला। बता दें, भारत सरकार के कंसेप्ट पर राज्यों में अंग्रेजों के टाईम के नियम बदले जा रहे हैं।

पेनाल्टी नहीं, अब अर्थदंड

जनविश्वास बिल के पारित होने के बाद छत्तीसगढ़ में छोटे-छोटे मामलों में अब पेनाल्टी या जुर्माना शब्द का उपयोग हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। मसलन, अभी तक वाहन चालक अगर चौक पर जेब्रा लाइन को क्रॉस कर गया, या गाड़ी में लायसेंस नहीं है या फिर सड़क पर पंडाल बना दिया, नाली पर स्लैब डालने पर उसे फाईन करने का अधिकार संबंधित संस्थाओं को दिया गया था। आश्चर्य की बात ये कि इन विभाग ने नियम बना दिया था कि फलां नियम को ओवरलुक करने पर इतने साल की सजा और इतने का जुर्माना किया जाएगा। मगर भारतीय दंड विधान में उसका प्रावधान नहीं था। लिहाजा, इस तरह की स्थिति अगर निर्मित हुई तो पहले परिवाद दायर करना होगा। सीजेएम के आदेश पर फिर एफआईआर किया जाएगा। जनविश्वास अधिनियम में इन पेचीदगियों को खतम कर दिया गया है। एक तो अब जुर्माना या पेनाल्टी की बजाए अब अर्थदंड किया जाएगा। इसके पीछे मंशा यह है कि छोटे-छोटे ये मामले अपराध की श्रेणी में नहीं आते और फिर यह भी कि जुर्माना या पेनाल्टी लगाने का अधिकार सिर्फ कोर्ट को है, विभागों को नहीं। जनविश्वास अधिनियम में 50 से लेकर 200, 300 के जुर्माने को हटाकर राशि को बढा दी गई है। पहले निगम कमिश्नरों को जुर्माना करने का अधिकार दिया गया था, उसमें लिखा था कि 5000 रुपए तक निगम आयुक्त या सीएमओ पेनाल्टी कर सकते हैं। इससे प्रभावशाली लोग घोखे से फंस भी गए तो मामूली पेनाल्टी कराकर बच जाते थे। मगर अब इसे 5 हजार फिक्स कर दिया गया है। याने सबके उपर यह लागू होगा। इससे सरकार का राजस्व भी बढ़ेगा। फिर 100 साल पुराने हिसाब से 50 से 100 रुपए पेनाल्टी की नोटिस भेजने में भी अफसरों को हिचक आती थी...उससे अधिक नोटिस पहुंचाने में कर्मचारियों का पेट्रोल जल जाता था। ऐसे में, इसे बड़ा रिफार्म समझा जाना चाहिए।

आखिरी सत्र

विधानसभा का पांच दिन का मानसून सत्र कल 14 जुलाई से प्रारंभ हो जाएगा। विधानसभा के इस टेम्पोरेरी बिल्डिंग का यह आखिरी सेशन होगा। इसके बाद अब 25 साल की यादें शेष रह जाएंगी। अगला शीतकालीन सत्र नवा रायपुर के नवा विधानसभा भवन में होगा। नई एसेंबली को अंतिम रूप देने जोर-शोर से तैयारी शुरू हो गई है। राज्योत्सव के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नए विधानसभा भवन का लोकार्पण कराने की तैयारी चल रही है। विस अध्यक्ष डॉ0 रमन सिंह इसके लिए पीएम मोदी को आमंत्रण देकर आ चुके हैं।

एकमात्र विधायक

छत्तीसगढ़ बनने के बाद प्रथम विधानसभा सत्र से लेकर छठवे तक सिर्फ एक नेता हमेशा विधानसभा में पहुंचता रहा, वो रहे रायपुर के विधायक बृजमोहन अग्रवाल। 1889 में बृजमोहन पहली बार विधायक बनकर एमपी विधानसभा में पहुंचे थे। फिर नवंबर 2000 में छत्तीसगढ़ बनने के बाद राजकुमार कॉलेज में पहला सत्र हुआ था, उसमें भी वे मौजूद रहे और जनवरी 2024 के छठवें सत्र में भी। ये अलग बात है कि उनकी इच्छा के विरूद्ध उन्हें प्रमोशन देकर अब लोकसभा भेज दिया गया है। मगर यह कीर्तिमान उनके नाम दर्ज रहेगा कि पहले से लेकर छठवी विधानसभा तक पहुंचते-पहुंचते कई बड़े दिग्गज चुनाव हारे मगर बृजमोहन अजातशत्रु बने रहे। अलबत्ता, रविंद्र चौबे अगर 2013 का चुनाव नहीं हारे होते तो वे बृजमोहन अग्रवाल के समकक्ष होते।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. क्या चिप्स का उद्धार अब अमित अग्रवाल के सेंट्रल डेपुटेशन से लौटने के बाद ही होगा?
2. मंत्रिमंडल विस्तार, डीजीपी, न्यू चीफ सिकरेट्री की पेंच फंसते क्यों जा रहे हैं?

हरिभूमि

बिलासपुर
रविवार 13 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्थी
वर्ष : 25, अंक : 112
पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 5 .00***

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

मौसम
अधि. 33.6
न्यून. 25.7

7 भारत 2 रन से पीछे:इंग्लैंड 2/0; ...

आजकल
2 बिहार के रण में त्रिकोणीय बिसात

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला- जब अपराध साझा आशय के तहत किया जाता है तो समूह के सभी सदस्य जिम्मेदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

खास खबर

हाईकोर्ट दो नाबालिग अनुसूचित जाति बहनों के सामूहिक बलात्कार मामले में नौ दोषियों की अपीलों को खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट के निर्णय के निर्णय को बरकरार रखा है। सभी आरोपियों को विशेष न्यायालय ने नाबालिगों का अपहरण, बालात्कार, धमकी और पास्कों एक्ट के तहत दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति विभु दत्ता गुरु की पीठ ने स्पष्ट किया कि जब अपराध साझा आशय के तहत किया जाता है, तो समूह के सभी सदस्य भारतीय दंड संहिता की धारा 34 के तहत समान रूप से जिम्मेदार होते हैं, चाहे सभी ने प्रत्यक्ष रूप से मुख्य कृत्य किया हो या नहीं।

याचिकाकर्ता अजय वर्मा उर्फ छोटू, शिवम वर्मा उर्फ मोनू, सोहन ध्रुव, राजेंद्र कुमार डहरिया उर्फ लाला डहरिया, राजेंद्र डायमंड, उकेश उर्फ राकेश डहरिया, कमलेश उर्फ रॉकी घृतलहरे, गोपी साहू, पीयूष वर्मा उर्फ मिंटू और जगन्नाथ यादव उर्फ मोलू ने विशेष न्यायाधीश (अत्याचार निवारण), बलौदाबाजार द्वारा 10 मार्च 2021 को दिए गए फैसले के खिलाफ अपील की थी। प्रकरण के मुताबिक 30 मई 2020 को दो नाबालिग बहनों को आरोपी कमलेश घृतलहरे और गोपी साहू ने उनके ▶▶ शेष पेज 6 पर

- धारा 34 के तहत दोषी माने जाएंगे चाहे सभी ने प्रत्यक्ष रूप से मुख्य कृत्य किया हो या नहीं
- दो नाबालिग बहनों के सामूहिक बलात्कार मामले में नौ दोषियों की उम्रकैद की सजा बरकरार

स्कूल रजिस्टर से जन्मतिथि स्पष्ट

मामले में 29 जुलाई 2020 को एफआईआर दर्ज कराई गई। जांच के दौरान पुलिस ने मोबाइल फोन, वीडियो साक्ष्य, मेडिकल परीक्षण और गवाहों के बयान एकत्र किए। सभी आरोपी अपीलकर्ताओं की ओर से कहा गया कि प्राथमिकी दर्ज करने में दो महीने से अधिक की देरी हुई। इसके साथ ही चिकित्सकीय रिपोर्ट अभियोजन की कहानी का समर्थन नहीं करती। साथ ही गवाहों के बयानों में विरोधाभास ▶▶ शेष पेज 6 पर

इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, कॉल डिटेल रिकॉर्ड सही

अभियोजन पक्ष ने इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, पीड़िताओं और उनके पिता सहित गवाहों के बयानों पर भरोसा किया। साझा आशय और अपहरण पर, कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 361 का उल्लेख करते हुए कहा कि भले ही दोनों आरोपी कमलेश और गोपी के साथ जाने के लिए बहनें सहमत हो गई हों, फिर भी इन आरोपियों को उनके वैध अभिभावक की अनुमति के बिना रात में इस तरह ले जाने का कोई अधिकार नहीं था। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को भी कोर्ट ने सही माना। सभी पक्षों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों का सही मूल्यांकन किया है और सभी अपीलकर्ताओं की दोषसिद्धि और सजा उचित रूप से निर्धारित की।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कुनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता की मौत

श्योपुर। नामीबिया से कुनो राष्ट्रीय उद्यान में स्थानांतरित आठ वर्षीय नाभा नामक चीता की चोटों के कारण मौत हो गई। नाभा एक सप्ताह पहले, संभवतः अपने बाड़े के अंदर शिकार के प्रयास के दौरान बुरी तरह घायल हो गई थी। उसको 'फ्रैक्चर' के साथ-साथ अन्य चोटें भी थीं। उसका एक सप्ताह तक इलाज चला, लेकिन चोटों के कारण उसकी मृत्यु हो गई। पोस्टमॉर्टम के बाद विस्तृत जानकारी सामने आएगी।

असम में 112 करोड़ की 'मेथ' गोलियां जब्त

आइजोल। असम राइफल्स के जवानों ने 112.40 करोड़ रुपए मूल्य की 'मेथ' गोलियों की एक बड़ी खेप जब्त की है। 'मेथाम्फेटामाइन' एक प्रकार की उत्तेजक दवा है, जिसका दुरुपयोग अक्सर नशा करने के लिए किया जाता है। गश्त के दौरान असम राइफल्स के जवानों ने दो व्यक्तियों को म्यांमा सीमा के निकट जोखावथर गांव में एक थैला ले जाते हुए देखा।

एअर इंडिया विमान हादसे की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे

टेकऑफ के तुरंत बाद दोनों इंजन हो गए बंद, इसलिए गई 241 की जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

एअर इंडिया की उड़ान एआई-171 हादसे की पंद्रह पन्नों वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि 'कॉकपिट वॉयस रिकार्डिंग' में सुना गया कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने ईंधन क्यों बंद किया, तो जवाब मिला कि उसने ऐसा नहीं किया। लंदन जाने वाले बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान ने 12 जून को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद ही गति खोनी शुरू कर दी। वह एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

इस दुर्घटना में विमान में सवार 242 लोगों में से एक को छोड़कर बाकी सभी की मौत हो गई थी। इस विमान दुर्घटना में यात्री और चालक दल के सदस्यों के अलावा 19 और लोग मारे गए थे। यह एक दशक में सबसे घातक विमान दुर्घटना थी। विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की रिपोर्ट में दिए गए घटनाक्रम के अनुसार, दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच (जिनका उपयोग इंजनों को बंद करने के लिए किया जाता है) उड़ान भरने ▶▶ शेष पेज 6 पर

अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया के विमान हादसे को लेकर भारतीय विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इसमें पता चला है कि टेकऑफ के कुछ सेकंड ही बाद विमान के दोनों इंजन अचानक अपने-आप बंद हो गए थे, जिससे विमान गिरने की नौबत आ गई।

हादसे की जांच में कौन-कौन शामिल?

भारत की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने जांच शुरू की। कई देशों के एक्सपर्ट भी मदद कर रहे हैं – जैसे अमेरिका (एनटीएसबी), ब्रिटेन (एएआईबी-यूके), पुर्तगाल और कनाडा।

रिपोर्ट में क्या?

- टेकऑफ के कुछ सेकंड ही बाद विमान के दोनों इंजन अचानक अपने-आप बंद हो गए थे।
- इंजन 'एन1' और 'एन2' की ईंधन आपूर्ति बंद होने के कारण उनकी क्षमता में गिरावट आनी शुरू हो गई।
- एक पायलट ने दूसरे से पूछा कि उसने ईंधन 'स्विच ऑफ' क्यों किया, तो उसने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया।
- 'रैम एयर टर्बाइन' नामक 'बैकअप' ऊर्जा स्रोत सक्रिय हो गया था, जो इंजन में ऊर्जा की कमी का संकेत देता है।

यह स्पष्ट नहीं हो पाया : रिपोर्ट ने कॉकपिट में दोनों पायलटों के बीच हुई बातचीत का केवल सीमित विवरण प्रदान किया। यह स्पष्ट नहीं किया कि उड़ान के दौरान स्विच 'कटऑफ' स्थिति में कैसे आ गए। 'कटऑफ' की स्थिति में ईंधन की आपूर्ति बंद हो जाती है।

ईंधन के नमूने संतोषजनक : ईंधन के नमूनों का परीक्षण नागर विमानन महानिदेशालय की प्रयोगशाला में किया गया। वे संतोषजनक पाए गए। दुर्घटनास्थल पर सभी जरूरी औपचारिकताएं, जिनमें ड्रोन फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी शामिल थीं, पूरी कर ली गई हैं।

केंद्रीय मंत्री बोले- यह प्रारंभिक रिपोर्ट निष्कर्ष न निकालें

केंद्रीय मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता क्योंकि पायलटों के बीच बातचीत बहुत संक्षिप्त थी। नागर विमानन राज्य मंत्री 12 जून को हुए विमान हादसे की जांच के बारे में यहां पत्रकारों के साथ बातचीत कर रहे थे। लंदन के लिए रवाना हुआ बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास से टकराकर दुर्घटगनाग्रस्त हो गया था। विमान में सवार 242 लोगों में से एक यात्री को छोड़कर सभी की मौत हो गई थी।

कोलकाता में फिर दरिंदगी

सोशल मीडिया से दोस्ती फिर हॉस्टल बुलाकर रेप

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम)-कलकत्ता में अध्ययनरत छात्रा से बॉयज हॉस्टल में दुष्कर्म की घटना सामने आई है। आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 19 जुलाई तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक, सोशल मीडिया पर दोनों की जान-पहचान हुई थी। छात्रा किसी निजी मामले में सलाह के लिए आरोपी से मिलने आईआईएम आई थी। इसके बाद उसे बॉयज हॉस्टल ले जाया गया, जहां उससे रेप हुआ। आरोपी को छात्रा की ओर से हरिदेवपुर थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार किया गया था।

काउंसलिंग सेशन में मदद के बहाने बुलाया

आरोपी ने युवती को कैंपस में बुलाया, यह कहकर कि वह उसे एक काउंसलिंग सेशन में मदद करेगा। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जब वह संस्थान में पहुंची तो उसे विजिटर रजिस्टर में नाम दर्ज करने से मना कर दिया गया। इसके बावजूद, आरोपी पर भरोसा कर वह परिसर के अंदर चली गई। आरोपी ने लड़की को काम का बहाना बनाकर लड़कों के हॉस्टल ले गया, जहां उसने उसे पिज्जा और एक पेय पदार्थ दिया।

पीड़िता के दावे को पिता ने नकारा

इस मामले में पीड़िता के पिता और आरोपी छात्र की मां का बयान सामने आया है। पीड़िता के पिता ने खुद अपनी बेटी के आरोपों से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि बेटी के साथ कुछ भी गलत नहीं हुआ, न बलात्कार हुआ, न किसी ने बदसलूकी की।

वीडियो कॉल से वारदात

'डिजिटल अरेस्ट' कर पूर्व जस्टिस से मांगे दो करोड़

एजेंसी ▶▶ नागपुर

मुंबई हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश विजय डागा को 'डिजिटल अरेस्ट' कर ठगों ने दो करोड़ रुपए ऐंठने की कोशिश की। स्वयं सेवानिवृत्त न्यायाधीश ने शनिवार को यह जानकारी दी। न्यायमूर्ति डागा ने बताया कि जालसाजों ने वीडियो कॉल के जरिए उन पर गलत काम करने का आरोप लगाया और पैसे की मांग की। उन्होंने यहां संवाददाताओं को बताया कि ठगों की कोशिश नाकाम रही, क्योंकि उन्होंने उनकी धमकियों पर ध्यान नहीं दिया और पुलिस को सूचित कर दिया। नागपुर निवासी ▶▶ शेष पेज 6 पर

पैसे न देने पर गिरफ्तारी की धमकी

पूर्व न्यायाधीश के मुताबिक, जब उन्होंने किसी भी गलत कृत्य में संलिप्त होने से इंकार किया, तो कॉल एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में सामने आई एक महिला को स्थानांतरित कर दी गई, जिसने धमकी दी कि अगर दो करोड़ रुपए तुरंत नहीं दिए गए तो वह उन्हें गिरफ्तार कर लेगी। फोन करने वाली महिला ने कहा कि यदि धनराशि दोपहर 2:30 बजे से पहले ऑनलाइन तरीके से नहीं भेजी गई, तो उन्हें बिना जमानत के जेल भेज दिया जाएगा।

राजस्थान-गुजरात सीमा से आई थी कॉल

न्यायमूर्ति डागा ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने तुरंत नागपुर पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ और मुंबई हाईकोर्ट के प्रोटोकॉल अधिकारी से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि जांच में खुलासा हुआ कि कॉल राजस्थान-गुजरात सीमा पर से की गई थी। न्यायमूर्ति डागा ने ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा, कोई भी आम आदमी इन ठगों की बात पर यकीन कर सकता था। एक अधिकारी ने बताया कि नागपुर साइबर पुलिस इस प्रकरण की जांच कर रही है।

बिहार में इस वर्ष नवंबर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। अभी चुनाव आयोग ने डेट का ऐलान नहीं किया है, लेकिन बिहार में रैलियों, जनसभाओं और बयानों से चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। मतदाता सूची का पुनरीक्षण चल रहा है, जो अभी हॉट मुद्दा है। इस मुद्दे पर विपक्ष सरकार पर हमलावर है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), महागठबंधन (इंडि गठबंधन) और प्रशांत किशोर की जन सुराज ने कमर कस ली है। एनडीए की ओर से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, जबकि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव और जन सुराज ने प्रशांत किशोर पर दांव लगाया है। एनडीए केवल संगठन ही नहीं, सरकारी योजनाओं के जरिए भी जनता तक पहुंच बढ़ा रहा है। नीतीश सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 400 से बढ़ा कर 1100 रुपये प्रतिमाह किया है, राजद ने 1500 करने का वादा किया है। नीतीश सरकार ने राज्य के 16 नगर निकायों में 100 पिंक टॉयलेट बनाने का ऐलान किया है, रोजगार पर ध्यान देने के लिए बिहार राज्य युवा आयोग का बठन किया है, बिहार निवासी महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला लागू किया है। इस बार का चुनाव एनडीए की स्थिरता, महागठबंधन के लोकलुभावन वादे और जन सुराज के सुधारवादी दृष्टिकोण के बीच त्रिकोणीय है। आजकल के ताजा अंक में पेश है एक विश्लेषण...

बिहार के रण में त्रिकोणीय बिसात

विश्लेषण

विनोद पाठक

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में इसी वर्ष नवंबर में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), महागठबंधन (इंडी गठबंधन) और प्रशांत किशोर की जन सुराज ने कमर कस ली है। यह स्पष्ट है कि एनडीए की ओर से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, जबकि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव और जन सुराज ने प्रशांत किशोर पर दांव लगाया है। अभी एनडीए में शामिल जद (यू), भाजपा, लोजपा (रामविलास), हम (सेकुलर) और राष्ट्रीय लोकमत पार्टी ने स्पष्ट किया कि सीट बंटवारे को लेकर कोई भ्रम नहीं है। साफ है कि जातीय समीकरणों में उलझे बिहार में इस बार त्रिकोणीय और दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलने वाला है।

बिहार की सियासी सरगर्मी धीरे-धीरे तेज होने लगी है। इसी वर्ष नवंबर में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), महागठबंधन (इंडि गठबंधन) और प्रशांत किशोर की जन सुराज ने कमर कस ली है। यह स्पष्ट है कि एनडीए की ओर से नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री का चेहरा होंगे, जबकि महागठबंधन ने तेजस्वी यादव और जन सुराज ने प्रशांत किशोर पर दांव लगाया है। अभी एनडीए में शामिल जद (यू), भाजपा, लोजपा (रामविलास), हम (सेकुलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने स्पष्ट किया कि सीट बंटवारे को लेकर कोई भ्रम नहीं है। हालांकि, जब तक चिराग पासवान अपना रुख स्पष्ट नहीं करते, तब तक कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। दूसरी ओर, महागठबंधन में सीटों को लेकर चर्चा होनी बाकी है। कुल मिलाकर बिहार में इस बार बेहद रोचक मुकाबला दिखने की उम्मीद है। बात की शुरुआत एनडीए से करते हैं। एनडीए के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे का जो प्रारूप सामने आया है, उसके अनुसार जद (यू) को 102–103, भाजपा को 101–102, लोजपा (रामविलास) को 25–28, हम (से.) को 6–7 और आरएलएम को 4–5 सीटें मिल सकती हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि एनडीए 220 से ज्यादा सीटों के साथ सरकार बनाएगा। जद (यू) और भाजपा, दोनों ने बूथ से लेकर जिला स्तर तक समन्वय समितियां बनाने का निर्देश जारी किया है। सत्ताधारी एनडीए पर अधिक दबाव है।

महिला वोटरों को लुभाने में जुटे नीतीश

एनडीए केवल संगठन नहीं, सरकारी योजनाओं के जरिए भी जनता तक पहुंचने की तैयारी में है। नीतीश सरकार ने बीते कुछ सप्ताहों में एक के बाद एक कई घोषणाएं कर वोटरों को सीधे साधने का प्रयास किया है। उनकी नजर विशेष रूप से महिला वोटरों पर है। योजनाओं में सबसे प्रमुख 1.11 करोड़ बुजुर्ग, विधवा और दिव्यांग लाभार्थियों को 1100 रुपये की सामाजिक सुरक्षा पेंशन सीधे बैंक खाते में भेजना है। यह पहले मात्र 400 रुपये थी। महिला वोटरों को लुभाने के लिए राज्य के 16 नगर निकायों में 100 पिंक टॉयलेट बनाने की योजना को हरी झंडी मिल चुकी है। युवाओं के लिए सरकार ने 'बिहार राज्य युवा आयोग' का गठन किया है, जो 18–45 वर्ष के आयु वर्ग के लिए नीतिगत सलाह, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर काम करेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोई अवसर छोड़ना नहीं चाहते हैं।

यही कारण है कि उन्होंने बिहार निवासी महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला लागू कर दिया है। नीतीश सरकार ने स्पष्ट किया है कि गैर-बिहारी महिलाएं सामान्य श्रेणी में आवेदन करेंगी। इस निर्णय से 53 हजार से अधिक महिलाओं को स्थायी सरकारी नौकरी मिलेगी। एनडीए पूरी तरह चुनावी मोड में आ चुका है। सरकार की कल्याण योजनाओं को प्रचारित करने के लिए हर पंचायत स्तर पर बूथ प्रभारी नियुक्त किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री स्वयं योजनाओं की निगरानी कर रहे हैं और हर कार्यक्रम में विकास कार्यों को सामने रख रहे हैं। बिहार में लड़ाई अब घोषणाओं बनाम भरोसे की लड़ाई बनने जा रही है।

महागठबंधन ने भी कसी कमर

जहां तक महागठबंधन की बात है, तेजस्वी यादव के नेतृत्व में विपक्ष ने कमर कस ली है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस, वामदल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) सहित सात दलों के इस महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को अपना समन्वयक घोषित कर दिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री पद का चेहरा अभी औपचारिक रूप से तय नहीं किया गया, लेकिन अधिकांश घटक दलों की सहमति तेजस्वी यादव के नाम पर दिख रही है। चर्चा यही है कि चुनाव में महागठबंधन, एनडीए के खिलाफ 'तेजस्वी क्रांति 2025–30' नारे के साथ मैदान में उतरेगा। महागठबंधन की रणनीति सामाजिक न्याय, क्षेत्रीय स्वाभिमान और जनकल्याणकारी वादों के सहारे सत्ता में वापसी की है। हालांकि, महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर अब भी मनमुटाव की स्थिति है।

जहां कांग्रेस 40–45 सीटें मांग रही है, वहीं वीआईपी के मुकेश सहनी ने 60 सीटों की जोरदार दावेदारी कर दी है। इससे सीटों के संतुलन को साधने में राजद की भूमिका चुनौतीपूर्ण बन गई है। वैसे, राजद नेताओं का कहना है कि महागठबंधन में कोई दरार नहीं है। जल्द ही सभी मुद्दों पर सहमति बना ली जाएगी। महागठबंधन ने भी जनता को लुभाने के लिए कई बड़े वादे किए हैं। तेजस्वी यादव ने पिछले दिनों घोषणा की कि महागठबंधन सरकार बनने पर हर परिवार को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी। कांग्रेस ने घोषणा की कि महागठबंधन सत्ता में आता है तो राज्य की महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

वृद्धावस्था पेंशन बढ़ाने की घोषणा

महागठबंधन ने वृद्धावस्था पेंशन को 400 से बढ़ाकर 1,500 करने की बात कही है। हालांकि, नीतीश कुमार ने पहले ही इसमें वृद्धि कर दी है। मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने के लिए तेजस्वी यादव वक्फ कानून को बिहार में समाप्त करने की घोषणा कर चुके हैं। महागठबंधन नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी पर एकसाथ निशाना साध रहा है। तेजस्वी यादव और राहुल गांधी ने अपने चुनावी अभियान को 'बिहारी स्वाभिमान बनाम दिल्ली का दबाव' बनाने की कोशिश की है। दोनों नेताओं ने हाल में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए पटना में 'चक्का जाम' व सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया था। राजद की यह रणनीति केंद्र के खिलाफ राज्यीय अधिकारों की बहस को पुनर्जीवित करने का प्रयास भी है।

चिराग पासवान की असमंजस वाली स्थिति

केंद्र की मोदी सरकार में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान को लेकर एनडीए में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। एक ओर चिराग स्वयं को मोदी का हनुमान कहते हैं तो दूसरी ओर बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ने की घोषणा कर देते हैं। इससे लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने एनडीए के भीतर नया सियासी दबाव खड़ा कर दिया है। हालांकि, चिराग पासवान सफाई देते हैं कि यह निर्णय 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' अभियान के तहत लिया गया है, जो उनकी पार्टी का वैचारिक और विकासोन्मुख एजेंडा है। वो यह कहकर एनडीए में दबाव बना रहे हैं कि यदि उन्हें एनडीए में सम्मानजनक हिस्सेदारी नहीं मिली तो अकेले चुनाव लड़ने से पीछे नहीं हटेंगे। पिछले चुनाव की बात की जाए तो चिराग पासवान ने ऐसी ही रणनीति अपनाई थी। तब भी वो एनडीए का हिस्सा थे, लेकिन जद (यू) के खिलाफ प्रत्याशी उतार दिए थे। परिणामस्वरूप नीतीश कुमार की जद (यू) को भारी नुकसान उठाना पड़ा था और उसकी सीटें घटकर 43 रह गई थीं। संभवतः चिराग पासवान उसी 'दबाव नीति' को दोहरा रहे हैं। चिराग पासवान की रणनीति को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तंज कसते हुए कह चुके हैं कि जो लोग केंद्र में मंत्री हैं, उन्हें अब विधानसभा की राजनीति में कूदने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, भाजपा डैमेज कंट्रोल में लगी है। पार्टी मुद्दे को यह कहकर साध रही है कि सभी सहयोगी दलों से बातचीत कर समाधान निकाला जाएगा। अब आने वाले समय में पता चलेगा कि नीतीश व चिराग के बीच धुरी बनी भाजपा एनडीए में सीटों का तालमेल कैसे बिठाती है, जिससे सभी घटक संतुष्ट हों।

प्रशांत किशोर की सियासी एंट्री

एनडीए और महागठबंधन से हटकर बिहार चुनाव में प्रशांत किशोर की जन सुराज तीसरी ताकत बनती दिख रही है। प्रशांत किशोर पहले ही सभी 243 सीटों पर लड़ने की घोषणा कर चुके हैं, यानी बिहार की राजनीति में अब दो ध्रुव नहीं रहे हैं। नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार से लेकर ममता बनर्जी और कांग्रेस के चुनावी रणनीतिकार रह चुके प्रशांत किशोर लंबे समय से बिहार में सक्रियता बनाए हुए हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के संगठन को गांव-गांव तक फैलाया है। 'बिहार बदलाव यात्रा' के जरिए जनता से सीधे जुड़ाव कायम किया है। उनकी पार्टी न केवल चर्चा में है, बल्कि युवाओं, मध्यवर्ग और शिक्षित मतदाताओं के बीच एक संभावित विकल्प के रूप में उभर रही है। प्रशांत किशोर की रणनीति स्पष्ट है, जातिवाद और वंशवाद के खिलाफ खड़ा होना, बिहार को एक नई राजनीतिक दिशा देना। जन सुराज की बढ़ती लोकप्रियता से महागठबंधन और एनडीए, दोनों में हलचल दिखाई देती है। प्रशांत किशोर नरेंद्र मोदी से लेकर लालू प्रसाद यादव व नीतीश कुमार तक निशाना साध रहे हैं। कांग्रेस को तो उन्होंने लालू यादव की पिछलग्गू तक करार दिया है। बिहार की राजनीति पर नजर रख रहे राजनीतिक जानकारों का कहना है कि जन सुराज चुनाव को त्रिकोणीय बना सकता है, जिससे कई सीटों पर समीकरण बदलेंगे। यदि जन सुराज 5 से 10 प्रतिशत वोट शेयर प्राप्त कर लेती है तो वह 60–80 सीटों के परिणामों को प्रभावित कर सकता है। वैसे, जन सुराज के लिए यह पहला विधानसभा चुनाव है, लेकिन पिछले दिनों हुए उप चुनावों में उसने अपनी झलक दिखलाई थी। जन सुराज को उप चुनाव में इमामगंज सीट पर 37 हजार और बेलागंज सीट पर 17 हजार से अधिक वोट मिले थे। स्पष्ट है कि पार्टी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। पार्टी सोशल मीडिया और ग्राउंड वर्क के जरिए तेजी से युवाओं को जोड़ रही है। यह स्पष्ट है कि जन सुराज का मुख्यमंत्री चेहरा प्रशांत किशोर ही होंगे।

जनाधार के समीकरण भी महत्वपूर्ण

एनडीए मोदी-नीतीश की जोड़ी को विकास से जोड़ती है और डबल इंजन सरकार में राज्य के बहुमुखी विकास का दावा करती है। नीतीश कुमार विगत 20 वर्षों से मुख्यमंत्री हैं। मतदाताओं पर इस जोड़ी का असर दिखता भी है। जहां भाजपा की अच्छी पकड़ सवर्ण मतदाताओं के साथ मध्यवर्ग पर है, वहीं नीतीश कुमार पिछड़ों और अति पिछड़ों का साधते हैं। यदि चिराग एनडीए का हिस्सा बने रहते हैं तो दलित वोटों का बड़ा हिस्सा उनके पक्ष में आ जाएगा। हालांकि, तेजस्वी यादव के यादव-मुस्लिम समीकरण को नकारा नहीं जा सकता है। वैसे, राजद को असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम से असुरक्षा भी महसूस हो रही है। यदि ओवैसी बिहार के रण में उतरते हैं तो वो महागठबंधन को कई सीटों पर नुकसान पहुंचा सकते हैं। जातीय समीकरणों में उलझे बिहार में इस बार त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिलने वाला है।

मुद्दों के साथ समीकरण को धार दे रहा राजग

विस चुनाव

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार चुनाव के लिए तारीखों का अभी ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन सूबे में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। बिहार में इस साल के अंत में चुनाव है। सियासी दांव और जनता की उम्मीदें टकराने वाली हैं। 13.07 करोड़ की आबादी और जातिगत समीकरणों की गहरी जड़ों के साथ, बिहार राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के लिए एक अहम रणक्षेत्र बना हुआ है। नीतीश कुमार की अगुवाई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), जिसमें जनता दल (यूनाइटेड) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) शामिल हैं, उसे तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले महागठबंधन और प्रशांत किशोर की नई जन सुराज पार्टी से कड़ा मुकाबला मिल रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहला बड़ा चुनाव होने के नाते, यह मतदान बिहार की सियासत और इसके लोगों के भविष्य को नई दिशा दे सकता है। बहरहाल,चुनावी मौसम को देखते हुए सभी दल और गठबंधन तैयारी में जुट गए हैं। इसी कड़ी में महागठबंधन में सीटों के बंटवारे और गठबंधन के चेहरे को लेकर बैठक हुई। बैठक के बाद कहा जा रहा है कि कुछ फॉर्मूले तय भी हो गए हैं। वहीं सूबे में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की अगुवाई कर रहा जनता दल भी एक्टिव मोड में है। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के साथ गठबंधन में बीजेपी बिहार में सत्ता बरकरार रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। बीजेपी ने एक बार फिर से स्पष्ट किया है कि 2025 का चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

सीट बंटवारे को लेकर चर्चा गर्म

बीजेपी पहले ही कह चुकी है कि एनडीए के पांच दल (बीजेपी, जेडीयू, लोजपा (रामविलास), हम और राष्ट्रीय लोक मोर्चा) एकजुट होकर 'चुनाव लड़ेंगे। इन सबके बीच बात सीट बंटवारे को लेकर भी हो रही है। एनडीए में शामिल करीब-करीब सभी पार्टियों ने अपनी डिमांड बीजेपी और जेडीयू जैसे बड़े दलों को बता दी है। हालांकि, सीट शेयरिंग को लेकर आधिकारिक बातचीत अभी शुरू नहीं हुई है। लेकिन एनडीए में इस बार सीट शेयरिंग की गुत्थी कुछ ज्यादा पेचीदा है क्योंकि चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी भी इस बार एनडीए का हिस्सा है, जबकि पिछले विधानसभा में उसने अलग चुनाव लड़ा था। हालांकि, पिछले विधानसभा चुनाव से इस बार में एनडीए का स्वरूप बदला है। वीआईपी अब एनडीए की जगह महागठबंधन का हिस्सा है और चिराग पासवान की पार्टी एनडीए में है। जाहिर तौर पर सीट शेयरिंग में बीजेपी और जेडीयू दोनों की सीटें कम होंगी। इसे लेकर खींचतान है कि किस पार्टी की कितनी सीटें कम होंगी।

चिराग पासवान बड़ा पेंच

जीतन मांझी 35 सीटों की मांग कर रहे हैं, हालांकि उन्हें भी मालूम है कि इतनी सीटें उन्हें नहीं मिलनी। लेकिन यह अपनी पहले की सीटें बचाने की कवायद है ताकि उनके कोटे की सीटें कम ना हों। वहीं दूसरी तरफ एनडीए में चिराग पासवान की वजह से बहुत बड़ा पेंच फंसा हुआ है। क्योंकि उन्होंने सभी 243 सीटों पर तैयारी करने की बात कही है। चिराग पासवान को जो सीटें दी जाएंगी तो वो किसके कोटे से जाएंगी। इस पर भी कोई

कुछ नहीं कह रहा है। बहरहाल, चिराग पासवान एक तरफ चुनाव लड़ने का ऐलान कर रहे हैं। दूसरी तरफ, वे उन जगहों पर जा रहे हैं जहां बीजेपी मजबूत है। लेकिन उनकी अपनी पार्टी का कोई खास जनाधार नहीं है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि चिराग पासवान आखिर चाहते क्या हैं? बिहार की राजनीति में जाति एक महत्वपूर्ण कारक है और बीजेपी ने इसे ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीति तैयार की है। यदि देखा जाए तो जातीय जनगणना को लेकर भी बीजेपी ने बड़ा दांव खेला है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना के फैसले को बीजेपी अपनी रणनीति का हिस्सा मान रही है। यह कदम विपक्ष के 'संविधान विरोधी' नैरेटिव को कमजोर करने और नए जातीय समूहों को अपने पक्ष में लाने के लिए उठाया गया है। इसके अलावा बीजेपी अपनी परंपरागत हिंदुत्व की विचारधारा को भी मजबूत कर रही है। 'ऑपरेशन सिंदूर'जैसे अभियानों के जरिए पार्टी ने हिंदू मतदाताओं में सकारात्मक माहौल बनाया है। इसके साथ ही, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वैचारिक मशीनरी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का लाभ उठाने की रणनीति बनाई गई है। संघ प्रमुख लगातार बिहार में कई बार प्रवास कर चुके हैं। साफ है कि बिहार का चुनाव बीजेपी हर हाल में जितना चाहती है क्योंकि बिहार के चुनाव का असर उसके बाद होने वाले बंगाल और उत्तर प्रदेश पर भी पड़ेगा। खैर,अब विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और बीजेपी के सामने एक सवाल यह भी है कि वह नीतीश के साथ कैसे आगे बढ़ेगी। नीतीश की उम्र और सेहत को लेकर अटकलें लग रही हैं, लेकिन उनकी सियासी चालबाजी अभी भी उन्हें बिहार का किंगमेकर बनाए हुए है। बीजेपी ने हाल ही में नीतीश के नेतृत्व में चुनाव लड़ने का ऐलान किया है, मगर पार्टी के भीतर कुछ नेता बिहार में अपनी सरकार चाहते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयानों से भी संकेत मिले हैं कि बीजेपी नीतीश पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहना चाहती। लेकिन नीतीश की सियासी चालें अभी खत्म नहीं हुई हैं। अगर बीजेपी उन पर दबाव बनाती है तो वे फिर से महागठबंधन की ओर जा सकते हैं। लालू यादव ने हाल ही में कहा था कि नीतीश के लिए दरवाजे खुले हैं। दूसरी ओर, बीजेपी नीतीश को साथ रखकर 2025 में जीत की राह आसान करना चाहती है, लेकिन बाद में अपनी शर्तों पर सत्ता चलाने की कोशिश कर सकती है। बिहार की जनता भी नीतीश के इस 'पलटीमार' रवैये से परिचित है, मगर उनकी लोकप्रियता अभी बरकरार है। ऐसे में बीजेपी को नीतीश के साथ संतुलन बनाना होगा वरना 2020 का 'धोखा' इस बार भारी पड़ सकता है।

दोधारी तलवार बने नीतीश

यूं कहें कि नीतीश कुमार बीजेपी के लिए एक दोधारी तलवार बन गए हैं। उनके पास 14-15 फीसदी वोट बैंक है, जो बिहार में किसी भी गठबंधन के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। बीजेपी भले ही अकेले 160-170 सीटों पर चुनाव लड़ने का सपना देखे, लेकिन नीतीश का साथ छोड़ना आसान नहीं। केंद्र में नीतीश की पार्टी के 12 सांसद मोदी सरकार के लिए बैसाखी का काम कर रहे हैं। ऐसे में बीजेपी न तो नीतीश को नाराज करना चाहती है और न ही उनकी बीमारी को नजरअंदाज कर सकती है।

बहरहाल, 2025 का चुनाव बिहार के भविष्य की परीक्षा है। एनडीए की स्थिरता, महागठबंधन के लोकलुभावन वादे और जन सुराज का सुधारवादी दृष्टिकोण टकराएंगे। एनडीए की जीत बीजेपी और नीतीश की प्रासंगिकता को मजबूत करेगी,जबकि महागठबंधन की जीत इंडिया गठबंधन को बल देगी। जन सुराज,भले ही सीमित सफलता पाए,भविष्य की राजनीति को प्रभावित कर सकती है। बिहार के 13.07 करोड़ लोग इस मतपत्र से तय करेंगे कि वे स्थिरता चाहते हैं, या रेवड़ियां चाहते हैं या नई दिशा।

'दम' दिखाने को तैयार महागठबंधन

बिहार का रण

सुशील देव

वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर दो प्रमुख घटक में इस बार कड़ी टक्कर होने वाली है। यह घटक दल हैं- महागठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन। महागठबंधन 2.0 एक विपक्षी गठबंधन है जो भारतीय जनता पार्टी और राजग के खिलाफ खड़ा है। दोनों गठबंधन में कई प्रमुख क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय दल शामिल हैं, इसलिए अबकी बार मुकाबला दिलचस्प होने वाला है। दिलचस्प इसलिए भी कि भाजपा समर्थित नीतीश कुमार सरकार की पुनर्वापसी पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेताओं की रणनीति अपना रंग दिखाने लगी है। परंतु यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि सरकार के नेतृत्व के सवाल पर राजग गठबंधन में भी बहुत बखेड़ा खड़ा होने वाला है। राजनीतिक पंडित उनके दावेदारों की वजह से यह गुना-गणित समझा रहे हैं।

मगर महागठबंधन की बात करें तो उनके सभी दल ताल ठोक कर मैदान में दो-दो हाथ करने को तैयार हैं। रही बात महागठबंधन की ताकत की तो उसके पास अभी प्रमुख दलों में राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस, सीपीआई-एमएल, सीपीआई, सीपीएम और वीआईपी प्रमुख दल हैं। हालांकि आम आदमी पार्टी बिहार के लिए अभी नई है। यह संभावित सहयोगी हो सकती है, मगर अभी तक कुछ स्पष्ट नहीं है।

एम-वाई समीकरण मजबूत

अगर हम ताकत की बात करें तो राजद का एम-वाई समीकरण काफी मजबूत नजर आ रहा है यानी मुस्लिम और यादवों का वोट बैंक फिलहाल किसी अन्य समीकरणों के झांसे में नहीं आने वाला है। वीआईपी और वाम दलों के समर्थनों से पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित वर्गों को जोड़ने की लगातार कोशिशें भी जारी हैं, जबकि कांग्रेस के कारण सवर्ण और अल्पसंख्यक वर्गों में भी खासा प्रभाव देखा जा रहा है। महागठबंधन की ताकत और कमजोरी को समझने के लिए राजनीतिक, सामाजिक और संगठनात्मक, तीनों स्तरों पर विश्लेषण जरूरी है।

इस गठबंधन का नेतृत्व निश्चित तौर पर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता एवं पूर्व डिप्टी सीएम, युवा एवं आक्रामक नेता तेजस्वी यादव की तरफ आ जाता है, जो न केवल युवाओं के रोजगार बल्कि जनता के मुद्दों, महंगाई और भ्रष्टाचार पर लगातार चोट करके मतदाताओं के दिलों में अपनी जगह बना रहे हैं। वहीं, अपने पिता लालू यादव के सामाजिक न्याय वाली विचारधाराओं से भी ओतप्रोत दिखाई देते हैं। तेजस्वी की ज़मीनी पकड़ और सोशल मीडिया में उपस्थिति भी अच्छी है।

तेजस्वी की लोकप्रियता बढ़ी

इन तमाम वजहों से तेजस्वी की लोकप्रियता भावी मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में भी बढ़ी है। हालिया सर्वे में तेजस्वी नीतीश कुमार से भी आगे बताए जा रहे हैं। जहां तक बात सहयोगी दलों की एकजुटता और उनकी अपनी ताकत का सवाल है, महागठबंधन हाल ही में बिहार बंद प्रदर्शन और वोटर लिस्ट के मुद्दे पर जनता को यह मैसेज देने

में सफल रहा है कि सरकार या सरकार से जुड़े सहयोगी दलों ने मिलकर कुछ असामान्य करने की कोशिश की है। बड़ी बात तो यह है कि राजद ने प्रमुख दल होने और बिहार विधानसभा में विपक्ष में होने के कारण नीतीश सरकार के खिलाफ जनता में असंतोष को हवा देने का सफल प्रयास किया है। उनके साथ स्थानीय स्तर पर वामदलों की स्थिति भी काफी मजबूत दिखाई दे रही है। खासकर, ग्रामीण क्षेत्रों में किसान और मजदूरों के बीच वामपंथी दल खासा पकड़ रखते हैं। साथ ही, इनके कैडर कार्यकर्ता चुनाव में अपनी मजबूत भूमिकाएं निभाते हैं। जहां तक महागठबंधन की चुनावी तैयारियों का सवाल है, वह अभी तक बिल्कुल सही दिशा में जा रही है। बीते 9 जुलाई को महागठबंधन ने बिहार बंद और चक्काजाम का आयोजन किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद के तेजस्वी यादव ने मिलकर व्यापक रूप से वोटर लिस्ट के विशेष पुनरीक्षण को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया, विरोध जताया। इस बंद को महागठबंधन की एकता और जन जागरण की ताकत के संकेत के तौर पर देखा गया। मगर, वहीं महागठबंधन के अंदर सीटों के बंटवारे को लेकर नाराजगी अभी थमी नहीं है। सीटों के अंतिम बंटवारे को लेकर गठबंधन के अंदर सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। ज्ञात हो कि राजद को पूर्वी चंपारण से लगभग 200 मुस्लिम कार्यकर्ता जदयू में चले जाने से गहरा धक्का लगा है, जिससे महागठबंधन की एकता पर भी सवाल खड़ा हो गया है। राजग के कार्यकर्ता की जदयू में पलायन से संगठन की आंतरिक मजबूती प्रभावित हो सकती है। यहां यह भी बता दें कि सीटों के बंटवारे को लेकर पहले भी विवाद रहा है।

2020 में कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन को लेकर यह विवाद रहा था। आज भी कांग्रेस का ज़मीनी ढांचा कमजोर है। कांग्रेस की अंतर्कलह की वजह से महागठबंधन की रणनीति प्रभावित हो सकती है। यह भी डर है कि राजद के पुराने कार्यकर्ता पार्टी छोड़ रहे हैं या निष्क्रिय हो रहे हैं। मुकेश सहनी का दल वीआईपी का इधर-उधर जाना, भरोसे को कमजोर करता है। कुछ अन्य पार्टियां यदि अकेले चुनाव लड़ती हैं तो महागठबंधन के लिए यह वोटकटवा फैक्टर साबित होगा। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भाजपा या राजग गठबंधन की तुलना में राजद गठबंधन आर्थिक रूप से कमजोर है। मीडिया में भी महागठबंधन की पकड़ ज्यादा मजबूत नहीं है। ऐसे में महागठबंधन के प्रमुख घटक दल कितना कुछ कर पाएंगे, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। मगर महागठबंधन चुनावी तैयारी में सक्रिय है। लगातार बैठकें, आंदोलन और प्रचार दर प्रचार के दौर चल रहे हैं। असली स्थिति महागठबंधन के घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

घटक दल रणनीति बनाने में जुटे

कुल मिलाकर बिहार की राजनीति में महागठबंधन एक बार फिर पूरे तेवर में नजर आ रहा है। तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर चुनावी समर में कमर कसकर उतर चुका है। घटक दल रणनीति बनाने में जुट गए हैं। महंगाई, बेरोजगारी, और शिक्षा जैसे मुद्दों को केंद्र में रखकर महागठबंधन सरकार पर हमलावर है। हाल ही में हुए बिहार बंद और प्रदर्शन से गठबंधन ने सड़क से सदन तक अपनी मौजूदगी का एहसास कराया है। मुस्लिम, यादव, दलित और अति पिछड़ा वर्ग में गठबंधन की पकड़ मजबूत मानी जा रही है। इसी समीकरण से सबको साधने में लगा है। वहीं सीपीआई-एमएल जैसे वामदल ग्रामीण क्षेत्रों में कैडर आधारित समर्थन जुटा रहे हैं। हालांकि, सीटों के बंटवारे को लेकर मतभेद सामने आ रहे हैं, फिर भी जनता से जुड़े मुद्दों और तेजस्वी की लोकप्रियता के बल पर महागठबंधन ताल ठोक कर मैदान में उतरने को तैयार है और सत्ता की कुंजी पाने के लिए बेताब है। हालांकि सत्ता का फैसला बिहार की जनता के हाथ में है।

हैरतअंगेज मामला... कर्नाटक की गोकर्ण गुफा से रूसी महिला का रेस्क्यू

एजेंसी ▶▶| कारवार (कर्नाटक)

कर्नाटक के गोकर्ण में एक बड़ा ही अजीब मामला देखने को मिला है। यहां पर एक हैरान कर देने वाले सर्च ऑपरेशन मिशन में एक रूसी महिला और उसकी दो छोटी बेटियों को रामतीर्थ पहाड़ी की चोटी पर एक दुर्गम और खतरनाक गुफा में पाई गईं। पेट्रोलिंग के दौरान गोकर्ण पुलिस को जंगल के अंदर एक अस्थायी घर में तीनों मिलीं।

घटना 9 जुलाई की शाम पांच बजे की बताई जा रही है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी और कहा कि रूसी महिला आध्यात्मिक शांति की तलाश में वहां रह रही थी। उन्होंने बताया कि महिला की पहचान 40 वर्षीय नीना कुटीना उर्फ मोही के रूप में हुई है। वह 'बिजनेस वीजा' पर रूस से भारत आई थी। वह हिंदू धर्म तथा भारत की आध्यात्मिक परंपराओं से बहुत ज्यादा प्रभावित हुई, इसलिए वह गोवा के रास्ते पवित्र तटीय शहर गोकर्ण पहुंची थी।

- आध्यात्मिक साधना के लिए जंगल में घर बनाकर रही रही थी
- 'बिजनेस वीजा' पर आई थी भारत, 2017 में खत्म हो गया था भारत
- गोवा के रास्ते पहुंची थी पवित्र तटीय शहर गोकर्ण

ऐसे पता चला उनका

हाल ही में हुए भूस्खलन के बाद शुक्रवार को नियमित गश्त के दौरान पुलिस निरीक्षक श्रीधर और उनकी टीम ने गुफा के बाहर कपड़े लटके हुए देखे थे। उत्तर कन्नड़ के पुलिस अधीक्षक एम नारायण ने शनिवार को बात करते हुए कहा, 'हमारी गश्त टीम ने रामतीर्थ पहाड़ी में गुफा के बाहर सूखने के लिए साड़ी और अन्य कपड़े लटके हुए देखे थे। जब वे वहां गए तो उन्होंने मोही को उसके बच्चों प्रेया और अमा के साथ देखा।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत ही हैरानी की बात है कि वह और उसके बच्चे जंगल में कैसे जीवित रहे और क्या खाते-पीते रहे। शुक्र है कि जंगल में रहने के दौरान उनके या उनके बच्चों के साथ कोई अनहोनी नहीं हुई।' उनके अनुसार, महिला संभवतः गोवा से यहां पहुंची है।

जंगल के बीच पूरी तरह से एकांत

अधिकारी ने बताया कि मोही के दो बच्चे भी हैं, जिनका नाम प्रेया (6) और अमा (4) है। ये सभी लगभग दो सप्ताह से जंगल के बीचोंबीच और पूरी तरह से एकांत में रह रहे थे। उन्होंने बताया कि इस छोटे से परिवार ने घने जंगल और खड़ी ढलानों से घिरी एक प्राकृतिक गुफा के अंदर एक साधारण सा घर बना लिया था। अधिकारी ने बताया कि मोही ने वहां रुद्र की प्रतिमा स्थापित की हुई थी। उन्होंने कहा कि वह प्रकृति के बीच आध्यात्मिक शांति की तलाश में पूजा और ध्यान में अपना दिन बिताया करती थी। उसके साथ केवल उसके दो छोटे बच्चे रहे।

वापस भेजा जाएगा रूस

अधिकारी ने बताया कि यह भी पता चला कि महिला का वीजा 2017 में ही समाप्त हो गया था। वह कितने समय से भारत में रह रही है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। नारायण ने कहा, 'हमने एक साध्वी द्वारा संचालित आश्रम में उसके रहने की व्यवस्था की है। हमने उसे गोकर्ण से बेंगलुरु ले जाने और निर्वासन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।' एक स्थानीय एनजीओ की मदद से रूसी दूतावास से संपर्क किया गया और उसे निर्वासित करने की औपचारिकताएं शुरू की गईं।

खबर संक्षेप

बलोच अटैक : पाक के 50 जवान, 9 आईएसआई ढेर

नई दिल्ली। बलोच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान की नाक में दम कर रखा है। बलोच आर्मी बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना पर पिछले तीन दिन से लगातार हमले कर रही है। इन हमलों में पाकिस्तानी सेना के 50 जवान और खुफिया एजेंसियों के 9 एजेंट मारे गए हैं। इसके अलावा 51 के करीब जवान घायल हुए हैं। बलोच आर्मी ने दावा किया कि 9 जुलाई से 11 जुलाई तक पाक सेना के 84 ठिकानों पर हमला किया गया। रिपोर्ट के अनुसार बलोच आर्मी ने पाकिस्तान की मिलिट्री इंटेलीजेंस और आईएसआई के 9 एजेंटों को मार गिराया है। बलोच आर्मी ने इस ऑपरेशन को बीएएम नाम दिया है। जानकारी के अनुसार बलोच आर्मी ने 72 घंटों तक चले ऑपरेशन में कई खनिज और गैस टैंकरों को भी निशाना बनाया। इसके अलावा पाकिस्तान की सेना के 5 ड्रोन भी बलोच आर्मी ने नष्ट किए हैं।

एयर इंडिया हादसे की रिपोर्ट पर भड़का पायलट्स एसोसिएशन

'जांच का लहजा और दिशा पायलट की गलती की ओर झुकाव का संकेत देती है'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एयर इंडिया विमान हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट पर एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया भड़क गया है। उसने कहा है कि जांच का लहजा और दिशा पायलट की गलती की ओर झुकाव का संकेत देती है। एसोसिएशन ने रिपोर्ट में इस धारणा को खारिज करते हुए 'निष्पक्ष, तथ्य आधारित जांच' की मांग की है।

एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा, 'रिपोर्ट बिना किसी जिम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर या जानकारी के मीडिया में लीक कर दी गई। जांच में पारदर्शिता का अभाव है क्योंकि जांच गोपनीयता में लिपटी हुई है, जिससे विश्वसनीयता और जनता का विश्वास कम हो रहा है। योग्य, अनुभवी कर्मियों, खासकर लाइन पायलटों को अभी भी जांच दल में शामिल नहीं किया जा रहा है।'

पिछले महीने 12 जून को हुए विमान हादसे में 260 लोगों की मौत हो गई थी। एयर इंडिया एआई 171 विमान अहमदाबाद से ब्रिटेन के गैटिवक एयरपोर्ट जा रहा था। टेकऑफ करते ही विमान हादसे का शिकार हो गया था। शुरुआती रिपोर्ट में सामने आया है कि विमान के दोनों ईंधन स्विच एक साथ ही कटऑफ हो गए थे, जिसकी वजह से इंजन को ईंधन मिलना बंद हो गया था। उड़ान के अंतिम क्षणों में, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर पर एक पायलट को दूसरे से यह पूछते हुए सुना गया कि उसने ईंधन क्यों बंद कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है, 'दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया।'

- फ्यूल स्विच कंट्रोल की जानकारी मीडिया तक कैसे पहुंची?
- 12 जून को हुए विमान हादसे में हो गई थी 260 लोगों की मौत

यह कहा एयर इंडिया ने

एयर इंडिया ने एक बयान में इस रिपोर्ट को स्वीकार किया। एयरलाइन ने कहा कि वह भारतीय अधिकारियों के साथ सहयोग कर रही है, लेकिन आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

पायलटों ने की स्थिति संभालने की कोशिश

उनकी यह टिप्पणी विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की एक रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें खुलासा हुआ है कि उड़ान भरने के तुरंत बाद एआई171 विमान के दोनों ईंधन कट-ऑफ स्विच एक-दूसरे के कुछ सेकंड के अंतराल पर 'रन' से 'कट-ऑफ' में बदल गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि पायलटों ने ईंधन स्विच को फिर से जोड़ने की कोशिश की थी ताकि इंजन को फिर से चालू किया जा सके।

पायलट 100 प्रतिशत सही थे : आईएएफ के पूर्व कैप्टन

अहमदाबाद एयर इंडिया विमान दुर्घटना की प्रारंभिक रिपोर्ट पर भारतीय वायुसेना के पूर्व पायलट कैप्टन एहसान खालिद ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पायलट की कार्रवाई सौ प्रतिशत सही थी। उन्होंने इंजन को फिर से चालू करने की कोशिश की। इसकी पुष्टि इस तथ्य से होती है कि ईंधन कट-ऑफ स्विच में कुछ हलचल हुई थी। गौरतलब है कि एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई171 को कैप्टन सुमीत सभरवाल और फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर उड़ा रहे थे।

'हादसे की रिपोर्ट जवाबों से ज्यादा सवाल खड़े करती है'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पिछले महीने हुए एयर इंडिया विमान हादसे की शुरुआती रिपोर्ट सामने आ गई है। इससे पता चला है कि टेकऑफ के तुरंत बाद विमान के दोनों फ्यूल स्विच कटऑफ हो गए थे। इसकी वजह से इंजन को ईंधन पहुंचना बंद हो गया था। शुरुआती रिपोर्ट पर विभिन्न एक्सपर्ट्स की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस रिपोर्ट पर एविएशन एक्सपर्ट संजय लाजर ने कुछ सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने पूछा है कि आखिर कैसे इस रिपोर्ट के तीन दिन पहले ही अमेरिकी मीडिया को अलर्ट कर दिया गया था।

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरुआती रिपोर्ट पर एक्सपर्ट लाजर ने कहा, 'यह रिपोर्ट जवाबों से ज्यादा सवाल खड़े करती है। इसमें कई खामियां हैं, जो जांच आगे बढ़ने पर शायद भर जाएं। हालांकि, मुझे कुछ समस्याएं हैं। अमेरिकी मीडिया को तीन दिन पहले कैसे सतर्क कर दिया गया। एएआईबी को कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर की पूरी ट्रांसक्रिप्ट सार्वजनिक करनी चाहिए थी। सिर्फ एक लाइन के बारे में जनता को जानकारी देने से कई सवाल खड़े हो जाते हैं।

एयर इंडिया हादसे की रिपोर्ट
विशेषज्ञों ने भी किए सवाल

देखे जाएंगे कई कारक

वहीं, डीजीसीए के पूर्व फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर कैप्टन प्रशांत ढल्ला ने रिपोर्ट पर कहा, 'ऐसे कई पहलू हैं जिन पर सरकार और एजेंसियां गौर कर रही हैं। रिपोर्ट कई चरणों में विभाजित होगी। अगर हम बारीक विवरणों पर गौर करें, तो पायलटों की बातचीत, उनके उड़ान के घंटे, इंजन के बारे में क्या बताया गया और उन्होंने क्या प्रक्रिया अपनाई। यह एक प्रारंभिक रिपोर्ट है और इसमें कई कारकों को देखा जाएगा। ईंधन कटऑफ को फिर से शुरू करने की प्रणाली एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें पायलट इंजन में शक्ति वापस लाने की कोशिश करता है। वह समय भी बहुत महत्वपूर्ण था, उस समय उन्होंने एटीसी से भी संपर्क करने की कोशिश की। वे बहुत अनुभवी पायलट थे।'

51,000 युवाओं को प्रधानमंत्री मोदी ने बांटे नियुक्ति पत्र

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देशभर के 47 शहरों में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं को एक बड़ी सौगात देते हुए 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संबोधित भी किया।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है.. 'बिना पर्ची, बिना खर्ची'। युवाओं के संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अलग-अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ देश की रक्षा करेंगे, कुछ 'सबका साथ, सबका विकास' के सच्चे सिपाही बनेंगे। कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे, तो कुछ उद्योगों के विकास में योगदान देंगे।

बोले- बिना पर्ची, बिना खर्ची हो रही भर्ती

रोजगार मेले के आयोजन का लक्ष्य

गौरतलब है कि केंद्र सरकार की तरफ से आयोजित रोजगार मेला एक विशेष अभियान है, जिसका उद्देश्य युवाओं को तेज और पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियों में नियुक्त करना है। इसके तहत अब तक लाखों युवाओं को केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में रोजगार मिल चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, इस अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर।

'कनाडा तुम्हारे खेल का मैदान नहीं, वापस हिन्दुस्तान जाओ'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा के सरे शहर में खुले कैफे पर हुई फायरिंग की जांच में चौंकाने वाले मोड़ आ रहे हैं। हमले के पीछे खालिस्तानी संगठन का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है। इसी बीच, सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख और वांछित खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो संदेश जारी कर कपिल को खुली धमकी दी है। वीडियो में पन्नू ने कहा, कनाडा तुम्हारा खेल का मैदान नहीं है। अपनी कमाई वापस भारत ले जाओ। उसने कपिल पर कनाडा में हिन्दुत्व एजेंडा फैलाने का आरोप लगाया और पूछा कि Kap's Cafe कॉमेडी के लिए है या फिर किसी वैचारिक प्रचार का केंद्र।

आतंकी पन्नू ने दी कपिल को धमकी

पन्नू और एसएफजे पर भारत की कड़ी नजर

गुरपतवंत सिंह पन्नू को भारत सरकार ने 2019 में आतंकवादी घोषित किया था और उसका संगठन एसएफजे देश में प्रतिबंधित है। भारत सरकार का कहना है कि यह संगठन भारत की एकता और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

कॉमेडियन के कैफे पर हुई थी फायरिंग

कामेडियन कपिल ने 4 जुलाई को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में कैप्स कैफे की शुरुआत की थी। लेकिन 10 जुलाई की रात अज्ञात हमलावरों ने कैफे पर फायरिंग की। बाद में इस हमले की जिम्मेदारी दो आतंकी, हरजीत सिंह लड्डी और तूफान सिंह ने ली। दोनों का संबंध प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से है। जिसे भारत और कनाडा दोनों सरकारें आतंकी संगठन मान चुकी हैं। हरजीत लड्डी, भारत की एनआईए की मोस्ट वांटेड लिस्ट में भी शामिल है।

पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना(RWBCIS)
www.pmfby.gov.in
UIN: IRDAN126RP0002V02200708

"किसान भाई-बहनों के लिए आवश्यक सूचना" खरीफ-2025 फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ

भारत सरकार की इस योजना को छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से भारतीय कृषि बीमा कंपनी® (AIC) द्वारा खरीफ 2025 में छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में संचालित की जा रही है।

अधिसूचित फसलें : खरीफ राजस्व निरीक्षक मंडल स्तर पर - टमाटर, बैगन, मिर्च, अदरक, केला, पपीता एवं अमरुद

योजना की विशेषताएँ

- आवरण किये जाने वाले किसान : अधिसूचित क्षेत्र में अधिसूचित फसल उगाने वाले सभी किसान - ऋणी एवं अऋणी किसान।
- ऋणी किसान : ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हे भारत सरकार द्वारा जारी चयन प्रपत्र (Opting-out form) के अनुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र दोनो खरीफ एवं रबी मौसम के लिये पूरे वर्ष के दौरान किसी भी समय लेकिन किसानों के नामांकन के लिए तय की गई तिथि खरीफ के लिए 31 जुलाई 2025 से कम से कम 7 दिन पहले तक, संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा, अन्यथा संबंधित बैंक द्वारा संबंधित मौसम के लिए स्वीकृत/नवीनीकृत की गई अल्पकालीन कृषि ऋण को अनिवार्य रूप से बीमाकृत किया जायेगा।
- अऋणी किसान : अऋणी किसान इस योजना के तहत निकटतम बैंक शाखा/समिति, CSC, डॉकघर और राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल (NCIP) के माध्यम से अपना नामांकन करा सकते हैं। साथ ही अऋणी किसान को प्रस्ताव पत्र के साथ निम्न दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा :-
- जरूरी दस्तावेज : 1) नवीनतम आधार कार्ड की कॉपी, 2) नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र (बी-1, पी-2) की कॉपी, 3) बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर/आईएफएससी कोड/बैंक का पता साफ दिख रहा हो, 4) फसल बुवाई प्रमाण-पत्र अथवा प्रस्तावित फसल बोने के आशय का स्वघोषणा पत्र, 5) किसान का वैध मोबाईल नंबर, 6) बटाईदार/कास्तकार/साझेदार किसानों के लिए- फसल साझा/कास्तकार का घोषणा पत्र।
- बीमित फसलों में परिवर्तन : ऋणी किसान अपने बीमित फसलों में परिवर्तन करा सकते हैं इसके लिये खरीफ मौसम में नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 से दो कार्य दिवस पूर्व इस बात की सूचना संबंधित बैंक शाखा में दे सकते हैं।

आधार अनिवार्य
किसान भाइयों से अनुरोध है की वो अपना आधार खरीफ के लिए 31.07.2025 से पूर्व, बैंक में अपडेट करालें।
फसल बीमा पोर्टल पर बिना आधार प्रमाणीकरण के बीमा मान्य नहीं होगा।

अधिसूचित क्षेत्र आधार पर आवरित जोखिम स्थानीय आपदा एवं फसल विशेष के आधार पर

1) तापमान (कम, अधिक) 2) वर्षा (कम, अधिक, बेमौसम वर्षा) 3) वायु गति 4) कीट एवं व्याधि प्रकोप के अनुकूल मौसम

1) ओलावृष्टि 2) चक्रवाती हवाएँ

क्र.सं	मौसम	अधिसूचित फसलें	स्थानीय आपदा हेतु जोखिम
1.	खरीफ	मिर्च, केला एवं पपीता	ओलावृष्टि
1.	खरीफ	केला एवं पपीता	चक्रवाती हवाएँ

हानि का मूल्यांकन (दावा भुगतान)

- अधिसूचित क्षेत्र में स्थापित "स्वाचालित मौसमी केन्द्र" (AWS) से प्राप्त उपरोक्त लिखित सभी 4 अवरित जोखिमों के प्रमाणित आंकडों एवं अधिसूचित टर्मशीट के अनुसार दावा गणना की जायेगी।
- दावा राशि का भुगतान सीधे किसानों के खाते में किया जावेगा।
- किसानों को फसल क्षति से संबंधित सूचना बीमा कम्पनी को देने की आवश्यकता नही है।

हानि का मूल्यांकन (दावा भुगतान)

स्थानीय आपदाएँ से फसलों में नुकसान होने पर 72 घंटो के भीतर बीमित फसलों के ब्यौरे, क्षति की मात्रा, क्षति का कारण, फोटो इत्यादि के साथ यहाँ सूचित करें :-
राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रिय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ। लोक सेवा केन्द्र (CSC)। भारत सरकार की क्रॉप इंश्योरेंस ऐप। जिला/तहसील स्तर के उद्यानिकी/कृषि/राजस्व कार्यालय। बीमा कंपनी एवं भारत सरकार के टोल फ्री नम्बर।
नोट :- हानि का मूल्यांकन व्यक्तिगत खेत सर्वे या सेम्पल सर्वे द्वारा किया जाएगा।

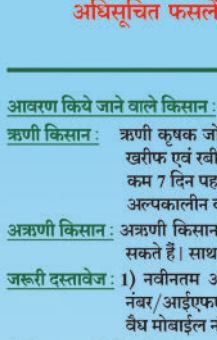

खरीफ

1. किसान द्वारा देय प्रीमियम दर (बीमित राशि का)	खरीफ - 5%
2. बैंक/प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समिति/लोक सेवा केन्द्र/ऑनलाईन पंजीकरण/बीमा अभिकर्ता/डॉक विभाग इत्यादि द्वारा सभी ऋणी कृषकों तथा अऋणी कृषकों (प्रस्ताव पत्र के साथ) बीमा कराने/प्रीमियम जमा/खाते से प्रीमियम कटौती/बीमा कराने की अंतिम तिथि	31/07/2025

- किसान भाईयों से आग्रह है कि फसल बीमा की खरीफ मौसम के लिए अंतिम तिथि 31-07-2025 से पूर्व निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक शाखा/क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक/जिला सहकारी बैंक/प्राथमिक सहकारी समितियाँ/लोक सेवा केन्द्र (CSC)/भारत सरकार की बीमा पोर्टल/डॉक विभाग के माध्यम से फसल का बीमा करा सकते हैं।
- योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए राज्य सरकार की अधिसूचना देखे एवं उद्यानिकी/कृषि/राजस्व अधिकारी/बैंक/CSC एवं ए.आई.सी क्षेत्रीय/जिला/तहसील कार्यालय से संपर्क करें

HO/25-26/1A/12

भारतीय कृषि बीमा कंपनी® | AGRICULTURE INSURANCE COMPANY OF INDIA LTD.
क्षेत्रीय कार्यालय: एल.आई.सी. इनवेस्टमेंट बिल्डिंग, फेस-2, द्वितीय तल, पंडरी, रायपुर- 492004 (छ.ग.)
फोन/फैक्स:0771-4306605 ई-मेल: ro.raipur@aicofindia.com Website : www.aicofindia.com
पंजीकृत कार्यालय: प्लेट बी और सी, 5वीं मंज़िल, ब्लॉक 1, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली-110023.
सीआईएन: U74999DL2002PLC118123, आईआरडीएआई पंजीकरण सं. 126
aicofindialtd aicofindia aicofindia
कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन 14447
फसल हो या कृषि संपदा। बीमा सुरक्षा हमारा वादा ॥

एक्सियॉम-4 मिशन : दो दिन बाद धरती पर होंगे एस्ट्रोनॉट

14 को अंतरिक्ष स्टेशन से अनडॉक होगा अंतरिक्ष यात्रियों का दल

7 दिन तक रिहैब में रखा जाएगा इन्हें

घर वापसी के पहले स्पेस में शुभांशु एंड कंपनी ने की पार्टी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से 14 जुलाई को अपनी वापसी की यात्रा शुरू करने वाले हैं। घर वापसी से कुछ दिन पहले वो और अन्य क्रू सदस्य दावत करते दिखे. नई तस्वीरों में शुक्ला और उनके साथी शून्य गुरुत्वाकर्षण में तैरते हुए दिखाई दे रहे हैं और भोजन का आनंद लेते हुए मुस्कुरा रहे हैं। नासा ने घोषणा की कि अंतरिक्ष यात्री 14 जुलाई को भारतीय समयानुसार शाम 4:35 बजे आईएसएस से अलग होंगे और 15 जुलाई को भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे कैलिफोर्निया तट पर स्प्लैशडाउन करेंगे।

18 दिन रहे अंतरिक्ष में

अंतरिक्ष यात्रियों को स्प्लैशडाउन के बाद 7 दिन तक अंतरिक्ष यात्रियों को रिहैब में रखा जाएगा। वे 18 दिन तक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर रहने के बाद पृथ्वी पर लौट रहे हैं। शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों (कमांडर पैगी व्हिटसन, स्लावोस उजनान्स्की-विस्निव्स्की और हंगरी के तिबोर कपु) के वापसी की तैयारी है। चारों 26 जून को कमर्शियल एक्सियॉम-4 मिशन के तहत आईएसएस पर पहुंचे थे। इसरो ने शुक्ला की आईएसएस यात्रा के लिए लगभग 550 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

रिसर्च से भविष्य में मिलेगी काफी मदद

शुभांशु शुक्ला ने मिशन के दौरान माइक्रोएल्गी प्रयोग पर काम किया। उन्होंने पेट्री डिश में मूंग और मेथी उगाई है। यह भविष्य में गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए भोजन, ऑक्सीजन और बायोफ्यूल प्रदान कर सकता है। इसके अलावा, उन्होंने अंतरिक्ष में आंखों की गति, समन्वय और मस्तिष्क की गतिविधियों से संबंधित कई अध्ययनों में हिस्सा लिया। इन अध्ययनों में अंतरिक्ष यात्रियों के बदले पर्यावरण के साथ तालमेल, मस्तिष्क रक्त प्रवाह और विकिरण जोखिम की निगरानी शामिल थी। यह रिसर्च भविष्य के मिशनों के लिए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिहाज से काफी अहम होगी।

एआई अब केवल विशिष्ट ही नहीं लगभग हर क्षेत्र में अपनी पैठ बढ़ा रहा है। लेकिन इसके पॉजिटिव के बजाय मिसयूज होने की आशंका से पूरी दुनिया के लोग चिंतित हैं। यही वजह है कि एआई यूज करने को लेकर कुछ ग्लोबल रूल्स-रेग्यूलेशंस डिसाइड करने के उद्देश्य से जापान में सम्मेलन होने जा रहा है। इस सम्मेलन के मुख्य उद्देश्य और चुनौतियों पर एक नजर।

अब जल्द डिसाइड होंगे एआई यूज करने के रूल्स

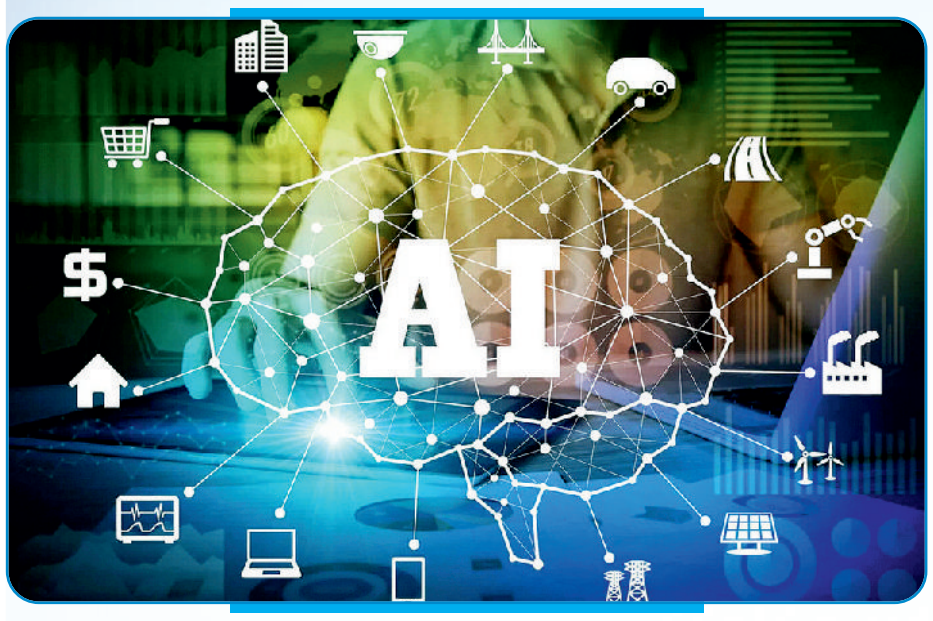

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

आगामी 27 से 29 जुलाई 2025 तक टोक्यो (जापान) में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को लेकर तीन दिवसीय सम्मेलन होने जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि इस सम्मेलन में मानव समाज के लिए एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय होगी।

पहले भी होते रहे हैं प्रयास

साल 2010 से ही पश्चिमी दुनिया में एआई के मानव जीवन में इस्तेमाल को लेकर जबर्दस्त नैतिक दुविधा का वातावरण रहा है। इसलिए सन 2010 में दुनिया भर की सरकारें, अंतरराष्ट्रीय संगठन और शोध संस्थान मानव केंद्रित एआई के इस्तेमाल के बीच सिद्धांतों की दिशा तय करने के लिए लगातार विचार और विमर्श की एक श्रंखला प्रसारित करते रहे हैं। साल 2010 से शुरू हुए इस व्यापक विचार-विमर्श ने 2021 में यूरोपीय आयोग के उस आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एक्ट का मसौदा प्रकाशित करने तक के सफर को पूरा किया, जहां से यह तय होना शुरू हुआ कि अंततः एआई को मानव समाज के लिए वर्गीकृत कर लिया जाए और इसकी सुरक्षा, पारदर्शिता तथा जवाबदेही को अलग-अलग दायित्वों के साथ जोड़ा जाए। अमेरिका में 2022 का एल्गोरिद्म जवाबदेही अधिनियम, फरवरी 2022 में कांग्रेस के दोनों सदनों में पेश किया गया था। इसके बाद जून 2022 में कनाडा ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा एक्ट का प्रस्ताव रखा, जिसमें उच्च प्रभाव वाली एआई प्रणालियों के बारे में जोखिम प्रबंधन और सूचना प्रकटीकरण अनिवार्य कर दिया गया। जापान ने 2023 के जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एआई के लिए मानव केंद्रित दृष्टिकोण पर चर्चा करने की उम्मीद की और अब अंततः जापान में ही आगामी जुलाई माह में तीन दिनों तक एआई को लेकर जो एक विशद सम्मेलन आयोजित हो रहा है, उसका उद्देश्य एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करना है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा

वास्तव में यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई सिद्धांतों की समीक्षा करेगा- मसलन वैश्विक एआई नीति ढांचों में गहराई से विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि मानव गरिमा, विविधता, समावेश और पारदर्शिता मुख्य मुद्दे के रूप में गहन विचार-विमर्श के केंद्र में रहें। यूरोप, जापान, ओईसीडी तथा जी-7 जैसे संगठनों के बीच विचारों के आदान-प्रदान पर जोर होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि एआई वैश्विक रूप से अनुकूल और एकीकृत दिशा ले सके। इस सम्मेलन में सिर्फ सिद्धांतों तक बात सीमित नहीं रहेगी बल्कि तकनीकी सुरक्षा पर भी फोकस होगा। तकनीकी जोखिम जैसे बायस, एलाइनमेंट, आउटपुट के स्पष्टीकरण इत्यादि की भी केंद्रीय चर्चा होगी। सबसे ज्यादा इस बात पर जोर दिया जाएगा कि इंसानी समाज के नजदीकी नैतिक मुद्दों के साथ-साथ भविष्य की चिंताओं जैसे मानव-समान बुद्धिमत्ता और चेतना जैसी जटिल स्थितियां भी विचार में रहेंगी। अगर यह कहा जाए कि अंततः यह सम्मेलन एआई के इस्तेमाल की निर्णायक दिशा तय करेगा या उस दिशा की ओर आगे बढ़ेगा, तो गलत नहीं होगा।

कुछ नियम होंगे निर्धारित

यह जरूरी नहीं है कि इस सम्मेलन के बाद एआई से संबंधित कोई वैश्विक नियम लागू हो ही जाए कि एआई का इस्तेमाल इस नियम के तहत किया जाएगा। हो सकता है अभी यहां तक बात न पहुंचे, लेकिन इस सम्मेलन से यह तय होगा कि एआई किन क्षेत्रों को प्रोत्साहित करेगी। मसलन स्वास्थ्य, शिक्षा, सतत विकास, जैसे मानव हितैषी क्षेत्रों में एआई का किस तरह ज्यादा से ज्यादा सकारात्मक इस्तेमाल करके मानव समाज को बेहतर बनाया जाए। इस सम्मेलन में यह भी तय होगा कि एआई का उपयोग हथियारों को घातक बनाने, इंसान की सूक्ष्म निगरानी करने या उसके विरुद्ध अमानवीय प्रयोगों में न किया जाए। इसके लिए सिर्फ रोक-टोक भर काफी नहीं होगी बल्कि स्पष्ट रूप से नियम बनाए जाएंगे और कड़े से कड़े नैतिक सवालों से उन्हें घेरा जाएगा।

एआई विकास की दिशा तय होगी

सवाल है आखिर किन मूल्यों के आधार पर भविष्य में एआई का विकास हो और उसके इस्तेमाल की दिशा तय हो? सुनिश्चित रूप से अभी तक इस सम्मेलन की जो विमर्शगत थीम तैयार हुई है, उसके मुताबिक इस सम्मेलन में एआई की पारदर्शिता, उसकी जवाबदेही, मानव गरिमा और अधिकारों का सम्मान तथा विविधता व समावेशिता के नियमों पर कड़ाई से एआई को खरा उतरना पड़ेगा। इस बात पर पूरी दुनिया के बीच एक निर्णायक समझ बनेगी। यह सम्मेलन एआई तकनीकी विकास की भी दिशा तय करेगा। मसलन, ऐसी तकनीक विकसित होगी, जिसका उद्देश्य मानव समाज के व्यापक हित में हो और जिसके विकास का निर्णय समझाया जा सके। इस सम्मेलन में बायस फ्री एआई यानी ऐसी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के प्रति सहमति बनेगी, जिसमें पहले से कोई पूर्वग्रह न हो और हां, अंतिम रूप से यह तय किया जाएगा कि एआई का अंतिम नियंत्रण मनुष्य के हाथ में रहे, एआई के हाथ में मनुष्य का नियंत्रण न जाए। यह सम्मेलन विभिन्न देशों, विभिन्न टेक्नो कंपनियों और समाज के बीच क्या सही है, क्या गलत है, इस पर अंतिम रूप से अपनी निर्णायक सोच विकसित करेगा ताकि भविष्य में एआई का इस्तेमाल बेतरतीब न हो बल्कि यह नैतिक और जिम्मेदारी के नियंत्रण में रहे। कुल मिलाकर यह सम्मेलन मानव केंद्रित एआई विकास, वैश्विक नैतिक दिशा निर्देश, तकनीकी सुरक्षा और एआई को लेकर एक दीर्घकालिक समझ को विकसित करेगा। *

कई वजहों से महत्वपूर्ण होगा यह सम्मेलन

अगर कहा जाए कि होने वाला यह सम्मेलन मानव समाज के लिए अंततः एआई के इस्तेमाल की दिशा तय करेगा, इसके लिए कानून भले न बनाए, लेकिन नीति, प्राथमिकता और नैतिक दिशा तय करेगा, तो गलत नहीं होगा। वास्तव में यह सम्मेलन इसीलिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि- इसमें नीति और नवाचार के बीच सेतु बनाया जाएगा। इस सम्मेलन में एआई को लेकर जारी वैश्विक दिशा में जापान की अपनी भागीदारी बढ़ेगी। तकनीकी संरक्षण और नैतिक शासन के दृष्टिकोण से जापान को भी केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए अवसर इस सम्मेलन के जरिए हासिल होगा। साथ ही इस सम्मेलन में स्वतंत्र अनुसंधानों और मल्टी स्टेकहोल्डरों की दृष्टि साझी होगी। मतलब यह कि यह सम्मेलन सिर्फ सरकार या तकनीकी विशेषज्ञों तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उद्योग जगत, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिनिधि भी इस सम्मेलन के जरिए इसमें निर्णायक हस्तक्षेप करेंगे।

{ फ्यूचर प्लानिंग / शैलेंद्र सिंह }

बहुत जल्द अंतरिक्ष में होगा इंडियन स्पेस स्टेशन

फिलहाल आईएसएस और चीन के स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में एक्टिव हैं। इनके अलावा जल्द ही भारत का अपना स्पेस स्टेशन भी स्पेस में पहुंच जाएगा। इसकी प्लानिंग और खासियतों पर एक नजर।

अब से दो वर्ष पहले 23 अगस्त 2023 को जब भारत, चंद्रयान-3 को चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला दुनिया का पहला देश बना था, उसके पहले किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि भारत जैसा देश भी आने वाले एक दशक के भीतर स्पेस में अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की भी घोषणा कर सकता है। लेकिन जब हम चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने में सफल हुए, उसके बाद यह घोषणा की थी। अब किसी को इस बारे में आशंका नहीं रह गई है कि निकट भविष्य में भारत, अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन बना लेगा।

तीन साल बाद होगा लांचः भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने साल 2028 तक भारत का पहला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन लांच करने का ऐलान किया है। उसके मुताबिक 2028 में लांच होने वाला मॉड्यूल एक रोबोटिक मॉड्यूल होगा यानी, एक ऐसा उपग्रह जहां हम डॉक कर सकते हैं, प्रयोग कर सकते हैं और वापस आ सकते हैं। लेकिन इंसान का अंतरिक्ष स्टेशन पर जाना साल 2035 के बाद ही संभव होगा।

कुछ ऐसा था पहला आईएसएसः अंतरिक्ष स्टेशन (एसएस) पृथ्वी की निचली कक्षा में एक मॉड्यूलर स्पेस स्टेशन या रहने योग्य कृत्रिम उपग्रह होता है। दुनिया का पहला अंतरिक्ष स्टेशन साल्युट 1 था, जिसे तत्कालीन सोवियत संघ (अब मुख्य तौर पर रूस) ने 19 अप्रैल 1971 को कजाकिस्तान के बायकोनूर कॉसमोड्रोम से लांच किया था। यह अंतरिक्ष स्टेशन करीब 20 टन वजनी और बेलनाकार था। इसकी लंबाई 12 मीटर और चौड़ाई 4.25 मीटर थी। सिंगल डॉकिंग पोर्ट वाला यह स्टेशन, तीन कार्यशील खंडों में विभाजित था। इसके भेजने का मुख्य मकसद लंबी अवधि की अंतरिक्ष यात्रा में इंसान के शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करना और अंतरिक्ष से पृथ्वी की निरंतर तस्वीरें लेना था।

दुनिया का पहला एसएस साल्युट-1

अभी एक्टिव हैं दो एसएसः अभी तक पृथ्वी की निचली कक्षा में पूरी तरह से कार्यरत दो अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद हैं। पहला आईएसएस (अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन) और दूसरा चीन का तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन यानी टीएसएस। वर्तमान में जो कार्यरत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन है, उसे 20 नवंबर 1998 को लांच किया गया था। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के नेतृत्व में संचालित यह स्पेस स्टेशन एक बहुराष्ट्रीय सहयोग से संचालित परियोजना है। इसमें 5 देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां भागीदार हैं। अमेरिका की नासा (नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन), रूस की रोस्कोस्मोस, जापान की जेएएक्सए (जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी), यूरोप की ईएसए (यूरोपीयन स्पेस एजेंसी) और कनाडा की सीएसए (कनाडियन स्पेस एजेंसी)। इस स्पेस स्टेशन में छह भाग हैं, जिसमें दो बाथरूम, एक जिम और एक 360 डिग्री का दृश्य दिखाने वाली खिड़की। नासा के मुताबिक इस अंतरिक्ष स्टेशन की माप करीब 109 मीटर है। इसे 1984 और 1993 के बीच डिजाइन किया गया था। साल 2000 से इस अंतरिक्ष स्टेशन में दुनिया के अलग-अलग देशों के एस्ट्रोनॉट्स ने रहना शुरू किया। ये अंतरिक्ष यात्री यहां रहकर दूसरे ग्रहों की स्टडी और विभिन्न तरह के दूसरे प्रयोग करते हैं। मौजूदा आईएसएस धरती से करीब 400 किलोमीटर की ऊंचाई पर रहकर पृथ्वी के चक्कर काटता है। इसकी रफ्तार 28 हजार किलोमीटर प्रतिघंटा है, जिससे यह महज 90 मिनट में धरती का एक चक्कर पूरा कर लेता है।

आईएसएस के अलावा अंतरिक्ष में जो दूसरा अंतरिक्ष स्टेशन मौजूद है, वह चीन का तियांगोंग है। यह एक स्थाई अंतरिक्ष स्टेशन है, जिसकी लंबाई 55 मीटर या 180 फीट है। इसमें तीन मॉड्यूल हैं, जिसमें एक कोर मॉड्यूल है, जहां छह अंतरिक्ष यात्री रह सकते हैं। इसके अलावा चीन के इस अंतरिक्ष स्टेशन में 3,884 क्यूबिक फुट या 110 क्यूबिक मीटर के दो मॉड्यूल हैं। चीन का अंतरिक्ष स्टेशन, नासा के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से छोटा है। यह पृथ्वी से 450 किमी तक कक्षीय ऊंचाई पर काम करता है।

ऐसा होगा इंडियन स्पेस स्टेशनः इसरो ने अपनी इस महत्वाकांक्षा का खुलासा साल 2019 में ही कर दिया था और तब ही ऐलान भी किया था कि अगले 20 से 25 सालों में भारत का अंतरिक्ष में अपना बेस होगा। कहने का मतलब यह कि अंतरिक्ष स्टेशन इसरो के फ्यूचर प्लान में काफी पहले से शामिल रहा है। इसरो के मुताबिक प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल का वजन 8 टन होगा, जिसका वजन बाद में 20 टन का भी हो सकता है। इसमें एक साथ 4 से 5 एस्ट्रोनॉट्स रह सकेंगे और इसे पृथ्वी की सबसे निचली कक्षा में रखा जाएगा, जिसे एलईओ (लोअर अर्थ ऑर्बिट) कहते हैं और यह धरती से 400 किलोमीटर दूर स्थित है। भारत अपने गगनयान मिशन को भी पृथ्वी के लोअर आर्बिट में ही भेजने वाला है, वहीं पर इसरो का अपना स्पेस सेंटर भी स्थापित होगा। भारत सरकार ने इसके लिए जरूरी फंड कई साल पहले जारी कर दिया था। *

{ गजल / अवतार सिंह अक्षरजीवी }

सच बोलने वाले

सच बोलने के खतरे बहुत हैं
सच बोलने वाले मरते बहुत हैं
सब जानते हैं फिर भी सच
कहते हैं कम, डरते बहुत हैं
न देखा न सुना जाता है ये
हौव्वा है इससे छुपते बहुत हैं
गिर गया तो उठाता नहीं कोई
सच से लोग हिचकिचाते बहुत हैं
ठहाकों में कमी छुपाते हैं लोग
सच कहने वाले पे हंसते बहुत हैं
सच बोलने वाले गिनती के हैं बस
झूठ पर जीने वाले मिलते बहुत हैं

{ लघुकथा / गीता सिंह }

बांझिन का घर

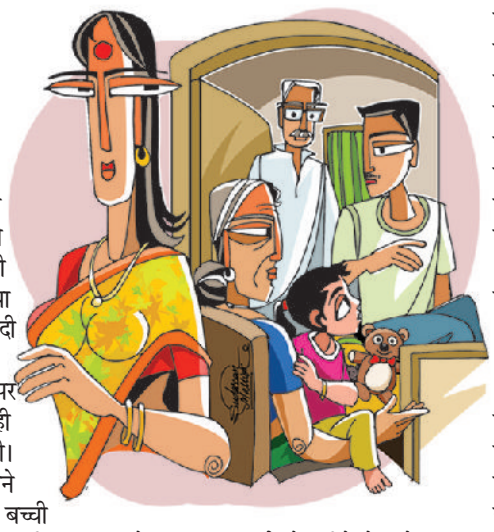

सुजाता अपने सास-ससुर के लिए चाय-नाश्ता बना रही थी, जो बस थोड़ी देर पहले ही आरा से पटना आए थे। सुजाता के सास-ससुर अपनी पोती से मिलने के लिए अकसर आरा से पटना आ जाया करते थे। बेटे की शादी के काफी सालों बाद उन्हें दादा-दादी बनने का सौभाग्य जो प्राप्त हुआ था।

रविवार की छुट्टी थी। सुजाता का पति समीर आज घर पर ही था। वह सोफे पर बैठा हुआ टीवी देख रहा था। पास ही तीन साल की बेटी बिट्टो भी अपने खिलौनों से खेल रही थी। बीच-बीच में वह अपने पापा से टीवी पर कार्टून चैनल लगाने की जिद्द भी करती, लेकिन समीर बिट्टो को झिड़क देता। बच्ची डरकर शांत बैठ जाती या रोते हुए अपनी मम्मी के पास पापा की शिकायत लेकर पहुंच जाती। सुजाता, बेटी को कभी प्यार तो कभी गुस्से से समझाकर वापस खेलने के लिए भेज देती।

तभी सुजाता ने समीर को आवाज लगाई, 'चाय-नाश्ता तैयार हो गया है। टीवी बंद कर मम्मी-पापा के कमरे में चले जाइए। आप भी वहीं बैठकर उनके साथ नाश्ता कर लीजिए।'

समीर अनमने मन से टीवी बंद करके दूसरे कमरे में मम्मी-पापा के पास चला गया। कमरे में घुसते ही वहां का हाल देखकर झल्लाते हुए बोला, 'बिट्टो तो घर में कोई सामान जगह पर नहीं रहने देती। सब सामान इधर-उधर फैलाती रहती है। बेड का हाल तो देखो जरा, कितनी बुरी हालत हो रही है। उफ्फ! बेडशीट पर इतनी सिलवटें हैं, कितनी गंदी हो गई है। कभी घर साफ ही नहीं रहता।'

इस बात पर सुजाता कुछ बोलती, उससे पहले उसकी सासू मां बोल पड़ीं, 'अरे, बच्चे वाला घर है, किसी बांझ-बांझिन का घर थोड़ी न है, जो हरदम साफ रहेगा।' उन्होंने ऐसा बोलकर अपने बेटे को तो शांत कर दिया, किंतु सुजाता के भीतर घोर अशांति फैला दी। उसका मन अशांत होता भी क्यों नहीं? आखिर सुजाता के मन-मस्तिष्क पर जमे कुछ शब्दों के अर्थ आज सामने जो थे।

बरसों से करीने से सजे साफ-सुथरे घर रखने पर तब जो तारीफ सुजाता को दूसरों से मिला करती थी, सासू मां मौजूद होने पर थोड़ा मुस्कुराते हुए हमेशा यही बात बोला करती थीं, 'घर तो साफ रहेगा ही...।'

सासू मां इतना बोलकर चुप हो जाती थीं। सुजाता को तब लगता कि शायद सासू मां उसकी तारीफ में ऐसा बोला करती हैं। ...लेकिन आज उन्होंने पूरी बात बोलकर, उन शब्दों के अर्थ अनजाने में ही सुजाता के सामने प्रकट कर दिए थे- 'घर तो साफ रहेगा ही... बांझिन का घर जो ठहरा...' *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

Advt...

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आत्मीय ऊष्मा से भीगे संस्मरण

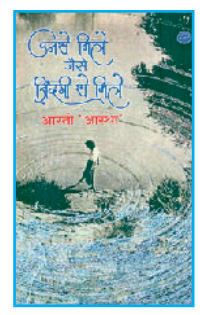

कवयित्री और कथाकार आरती 'आस्था' के द्वारा लिखे गए दस संस्मरणों की किताब 'उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले' हाल में छपकर आई है। इनमें एक तरफ जहां उनके निजी जीवन की छवियां उजागर होती हैं, वहीं आज के संवेदनहीन होते जा रहे समय में भावनात्मक संबंधों की अत्यंत सघन अनुभूतियां, मन को आश्वस्त करती हैं कि अब भी दुनिया में बहुत कुछ सुंदर और संजोने लायक बचा हुआ है। इनमें राजेंद्र राव, ओम निश्चल, कृष्ण बिहारी, विनोद श्रीवास्तव, पंकज चतुर्वेदी और आशीष शुक्ला जैसे साहित्यकारों के सान्निध्य में अर्जित अनुभूतियों को लेखिका ने मार्मिकता के साथ शब्दों में पिरोया है। इनके अलावा कुछ ऐसे स्नेही स्वजनों के प्रति भी उन्होंने शाब्दिक कृतज्ञता अर्पित की है, जिन्होंने जीवन के कठिन समय में उन्हें संबल दिया। शिल्पगत कृत्रिमता से मुक्त, सहज भाषा में लिखे गए ये संस्मरण मन में ठहर जाते हैं। वास्तव में ईमानदारी और सहजता ही इन संस्मरणों का सौंदर्य है, जो पारंपरिक संस्मरण विधा की बनी-बनाई परिधि से इतर इन संस्मरणों को अलग पहचान प्रदान करता है। प्रख्यात साहित्यकार यश मालवीय ने पुस्तक की भूमिका में उचित ही लिखा है, 'पृष्ठ-पृष्ठ पर जैसे यादों का लोहबान जल रहा है। आत्मीय ऊष्मा से नहा गया है मन।' *

पुस्तकः उनसे मिले जैसे जिंदगी से मिले, **लेखिकाः** आरती 'आस्था', **मूल्यः** 180 रुपए, **प्रकाशकः** सर्व भाषा ट्रस्ट, दिल्ली

इक्विटी फंड्स ने एसआईपी पर 27% तो लंपसम पर 23% दिया सालाना रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेशकों की हो गई बढ़िया कमाई, लगातार बढ़ रहे निवेशक, लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर निवेश करेंगे तो हो जाएंगे मालामाल

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में हमेशा लॉन्ग टर्म के लिए पैसे लगाने की बात कही जाती है। आंकड़े भी यही बताते हैं कि इक्विटी फंड्स में 10 साल के लिए निवेश करने पर पॉजिटिव रिटर्न की पूरी संभावना रहती है, जबकि निगेटिव रिटर्न की आशंका ना के बराबर रह जाती है। यहां हम कुछ ऐसे इक्विटी फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 10 साल में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रिटर्न दिए हैं। इन इक्विटी फंड्स ने न सिर्फ लंपसम इनवेस्टमेंट पर सालाना 19 से 23 फीसदी तक फायदा कराया है, बल्कि एसआईपी करने वालों को भी 22 से 27 फीसदी तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है। हमने यहां सिर्फ उन्हीं फंड्स को लिया है, जिनकी वैल्यू रिसर्च की रेटिंग 4 या 5 स्टार है।

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले इक्विटी फंड

यहां हम जिन इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की जानकारी दे रहे हैं, उनमें एसआईपी पर सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम में अगर किसी ने 10 साल पहले हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू की होगी, तो उनके 12 लाख के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू 49 लाख रुपये तक पहुंच गई होगी। इन सभी फंड्स ने एसआईपी और लंपसम दोनों में अच्छा-खासा मुनाफा दिया है। वह भी अच्छी रेटिंग के साथ।

1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 22.76%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,77,138 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.02%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 44,53,987 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64%

2. क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 21.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 7,09,694 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.59%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 41,25,214 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.51%

3. क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

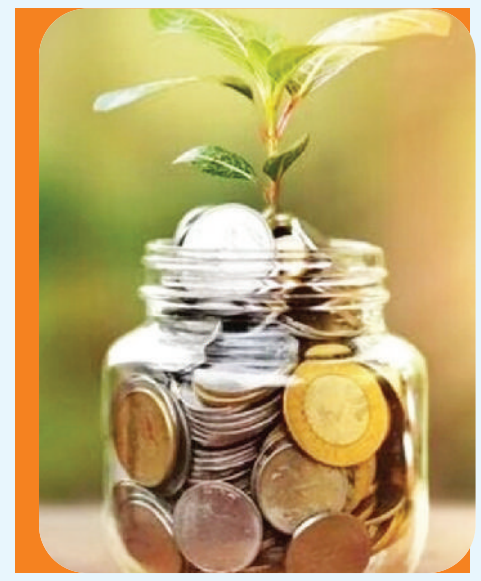

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 20.83%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,63,497 रुपये
- **SIP** पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.83%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 49,08,676 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.66%

4. इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.67%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 6,02,320 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.24%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,48,537 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%

5. कोटक मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 4 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.45%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,91,346 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.92%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,71,502 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.38%

6. एडलवाइज मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,90,999 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.47%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 40,98,172 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.39%

7. एचडीएफसी मिड कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- वैल्यू रिसर्च की रेटिंग : 5 स्टार
- लंपसम निवेश पर 10 साल का औसत सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 19.03%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5,70,794 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.09%
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी से 10 साल में कुल निवेश : 12 लाख रुपये
- 10,000 रुपये मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,07,119 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.75%

क्या बता रहे हैं आंकड़े

10 साल में बेस्ट परफॉर्मेंस देने वाले इन इक्विटी फंड्स में 4 मिडकैप फंड, 2 स्मॉल कैप फंड और एक ईएलएसएस फंड है। इन सभी के रिटर्न के आंकड़ों से एक बात तो साफ है कि अगर निवेशक सही स्कीम में लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें तो काफी अच्छा मुनाफा ले सकते हैं। फिर चाहे वो लंपसम इनवेस्टमेंट हो या मंथली एसआईपी के जरिये किया गया निवेश। हालांकि म्यूचुअल फंड में पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती, लेकिन लंबी अवधि के लिए किया गया रेगुलर इनवेस्टमेंट आमतौर पर फायदेमंद साबित होता है, लेकिन स्टॉक्स में एक्सपोजर की वजह से इन सभी इक्विटी फंड्स को बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग मिली हुई है। लिहाजा निवेश के बारे में कोई भी फैसला करने से पहले अपने रिस्क प्रोफाइल यानी जोखिम बर्दाश्त करने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

जितनी लंबी नौकरी, उतनी ही ज्यादा मिलेगी ग्रैच्युटी

समझदारी
बिजनेस डेस्क

- एक कंपनी में लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक काम करने पर मिलती है ग्रैच्युटी
- यह लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया है

अगर आप एक ही कंपनी में लंबे समय तक काम करते हैं, तो रिटायरमेंट या नौकरी छोड़ने पर कंपनी की ओर से ग्रेच्युटी के रुप में एक खास तोहफा मिलता है। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होती है, जो आपकी मेहनत का इनाम है, लेकिन लोग अक्सर इसको लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि ग्रेच्युटी रकम कब मिलती है, कितनी मिलती है और कैसे मिलती है? अगर आपकी सैलरी अंतिम सैलरी 25,000, 30,000 या 40,000 रुपये है और आपने एक ही कंपनी में 15 साल तक काम किया है, तो आपको रिवार्ड के रूप में कितनी गेच्युटी मिलेगी? यहां दिए गए कैलकुलेशन से समझिए।

ग्रेच्युटी क्या होती है?

ग्रेच्युटी वो रकम है जो कंपनी आपको तब देती है जब आपने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक वहां काम किया हो। ये लॉयल्टी बोनस की तरह है, जिसे पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू किया गया है।

किन हालातों में मिलती है ग्रेच्युटी

- रिटायरमेंट पर
- नौकरी छोड़ने पर (5 साल की सेवा के बाद)
- अस्थायी या स्थायी अपंगता पर
- कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में (नॉमिनी को)

ग्रेच्युटी के लिए कौन है एलिजिबल?

- अगर आपने एक ही कंपनी में लगातार 5 साल काम किया है तो आप इसके हकदार हैं। मृत्यु या विकलांगता की स्थिति में 5 साल पूरे ना होने पर भी ग्रेच्युटी दी जाती है।

ग्रेच्युटी कैलकुलेशन के लिए क्या है फॉर्मूला

- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- अंतिम सैलरी = बेसिक सैलरी + डीए (महंगाई भत्ता)

कैसे होती है ग्रेच्युटी कैलकुलेशन?

- ग्रेच्युटी की राशि निम्नलिखित सूत्र से गणना की जाती
- ग्रेच्युटी = (15 × अंतिम वेतन × सेवा के वर्षों की संख्या) ÷ 26
- यहां, अंतिम वेतन में मूल वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) शामिल होते हैं।
- उदाहरण के लिए अगर आपका अंतिम सैलरी 25,000 रुपये है और आपने 15 साल नौकरी की है, तो

ग्रेच्युटी मिलेगी

- ग्रेच्युटी = (15 × 25,000 × 15)/26 = 2,16,346 रुपये यानी लगभग 2.16 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 15)/26 = 2,59,615 रुपये यानी लगभग 5.60 लाख
- अगर अंतिम सैलरी 40,000 है, तो ग्रेच्युटी मिलेगी
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 15)/26 = 3,46,153 रुपये यानी लगभग 3.46 लाख

गणना में अधूरे साल का क्या होता है?

ग्रैच्युटी वो रकम है जो कंपनी अपने कर्मचारी को तब देती है जब उसने लगातार 5 साल या उससे ज्यादा समय तक उसी कंपनी में काम किया हो। ये एक तरह से लॉयल्टी या लंबे समय की सेवा का रिवार्ड होता है. खास बात ये है कि अगर आपने किसी साल 6 महीने या उससे ज्यादा काम किया है, तो उसे पूरा साल माना जाता है। जैसा कि ऊपर बताया गया है कि ग्रेच्युटी की गणना करते समय अगर किसी कर्मचारी ने किसी साल में 6 महीने या उससे अधिक अतिरिक्त सेवा की है, तो उस अधूरे वर्ष को भी पूरा साल माना जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपने 8 साल और 8 महीने काम किया है, तो ग्रेच्युटी कैलकुलेशन में आपकी सेवा अवधि 8 नहीं बल्कि 9 साल मानी जाएगी. यह नियम पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972 के तहत लागू होता है, और इसके लिए (15 × अंतिम सैलरी × कुल सर्विस ईयर)/26 का फॉर्मूला इस्तेमाल किया जाता है।

- (15 × 25,000 × 9)/26 = 1,29,807 रुपये यानी लगभग 1.30 लाख
- इसी तरह, अगर किसी की अंतिम सैलरी 30,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 30,000 × 9)/26 = करीब 1,55,769 रुपये
- और अगर अंतिम सैलरी 40,000 रुपये है, तो
- ग्रेच्युटी = (15 × 40,000 × 9)/26 = 2,07,692 रुपये के आसपास मिलेगी

क्या कंपनी ग्रेच्युटी देने से मना कर सकती है?

यदि कंपनी 'पेमेंट ऑफ ग्रेच्युटी एक्ट, 1972' के अंतर्गत आती है, तो वह कानूनी रूप से ग्रेच्युटी देने से मना नहीं कर सकती। हालांकि, यदि कर्मचारी को अनुशासनहीनता या नैतिक अपराध के कारण बर्खास्त किया गया है, तो कंपनी ग्रेच्युटी देने से इनकार कर सकती है, जितनी लंबी नौकरी और जितना अधिक वेतन, उतनी ज्यादा ग्रेच्युटी। यह आपकी सेवा का सम्मान है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

(नोटः यह जानकारी सामान्य गणनाओं पर आधारित है। सटीक रकम जानने के लिए किसी वित्तीय सलाहकार से संपर्क करें या कंपनी के एचआर विभाग से जानकारी प्राप्त करें।)

पांच साल में 25 से 33% सालाना रिटर्न इन फ्लेक्सी कैप फंड्स ने दिखाया दम

- फ्लेक्सी कैप फंड इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी
- हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते

विश्लेषण
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड निवेशकों में इक्विटी फ्लेक्सी कैप फंड कैटेगरी को लेकर अट्रैक्शन लगातार बढ़ रहा है। एम्फी द्वारा जारी किया गया जून 2025 का डाटा देखें तो फ्लेक्सी कैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने और इस कैटेगरी में 5,733 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह मई 2025 में 3,841 करोड़ रुपये की तुलना में 49% की बढ़त है। इस कैटेगरी में शामिल फंड भी सुपर परफॉर्म कर रहे हैं। 5 साल के दौरान 14 फ्लेक्सीकैप फंड का रिटर्न 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रहा। वहीं, कम से कम 45 फंड ने 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया। इससे निवेशकों के मन में इन फंडों के प्रति आकर्षण अब लगातार बढ़ता जा रहा है। निवेशक अच्छा पैसा कूट रहे हैं।

फ्लेक्सीकैप फंड में क्यों बढ़ा अट्रैक्शन

फ्लेक्सीकैप फंड कैटेगरी की बात करें तो यह इक्विटी फंड्स की सबसे फ्लेक्सिबल और डायवर्सिफाइड कैटेगरी मानी जाती है। ये फंड हर तरह के मार्केट कैप यानी लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश करते हैं। वहीं इनमें यह सुविधा भी होती है कि बाजार के माहौल के हिसाब से एक तरह के मार्केट कैप से दूसरे मार्केट कैप में निवेश शिफ्ट कर सकें, जिससे बाजार में उतार चढ़ाव का इन पर कम असर होता है। सेबी के नियमों के अनुसार, इन फंड्स को कम से कम 65% पैसा इक्विटी में लगाना जरूरी होता है, लेकिन कई बार यह 90% से ज्यादा भी होता है।

5 वर्ष : 14 फंड ने दिया 25% रिटर्न

- क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड : 32.81%
- आईसीआईसीआई प्रू रिटायरमेंट प्योर इक्विटी फंड : 30.85%
- एचडीएफसी फोकस्ड फंड : 30.11%
- एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड : 29.95%
- बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 29.54%
- एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स इक्विटी फंड : 27.89%
- आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड : 27.38%
- जेएम फ्लेक्सीकैप फंड : 27.24%
- फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड : 26.73%
- एडलवाइज फ्लेक्सीकैप फंड : 25.78
- पराग पारिख फ्लेक्सीकैप फंड : 25.72%
- फ्रैंकलिन इंडिया फोकस्ड इक्विटी फंड : 25.20%
- निप्पोन इंडिया फोकस्ड फंड : 25%
- 360 वन फोकस्ड फंड : 24.52%

ऐसा रहा रिटर्न

5 साल के दौरान इस कैटेगरी की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 25 से 33 फीसदी सालाना रिटर्न दिया है. वैल्यू रिसर्च ने फ्लेक्सी कैप और फोकस्ड फंड को एक ही कैटेगरी में शामिल किया है। असल में दोनों की निवेश करने की स्ट्रैटेजी एक जैसी होती है. अंतर बस इतना है कि फोकस्ड फंड्स अधिकतम 30 स्टॉक्स में ही निवेश कर सकते हैं, जबकि फ्लेक्सी कैप फंड्स में ऐसी कोई लिमिट नहीं होती है।

कम से कम 3 गुना किया पैसा

5 साल में अगर कोई फंड 25 फीसदी सीएजीआर ग्रोथ दिखा रहा है, तो इसका मतलब है कि 5 साल का एबसॉल्यूट रिटर्न 300 फीसदी हुआ। यानी आपका 1 लाख रुपये 5 साल में 3 लाख रुपये हो गया। इसका मतलब है कि फ्लेक्सीकैप फंड की 14 स्कीम ऐसी हैं, जिन्होंने 5 साल में कम से कम निवेशकों का पैसा 3 गुना बढ़ाया। 30 से 33 फीसदी रिटर्न वाली स्कीम में 3.5 से 4 गुना पैसा बढ़ गया।

45 फंड का रिटर्न 20% से ज्यादा रिटर्न

बीते 5 साल में 14 फंड ने 25 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न दिया तो कम से कम 45 फंड ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से ज्यादा रिटर्न मिला. यानी 20 से 25 फीसदी के बीच रिटर्न देने वाली स्कीम की संख्या 31 है। इसी से निवेशक अंदाजा लगा सकते हैं कि ये फंड किस तरह का प्रदर्शन कर रहे हैं। 5 साल में क्वांट फ्लेक्सीकैप फंड 32.81% एनुअलाइज्ड रिटर्न के साथ टॉप पर है। एचडीएफसी फ्लेक्सीकैप फंड, बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड, आईसीआईसीआई प्रू फोकस्ड इक्विटी फंड, जेएम फ्लेक्सीकैप फंड और फ्रैंकलिन इंडिया फ्लेक्सीकैप फंड भी टॉपर्स में शामिल हैं।

क्या है फ्लेक्सीकैप फंड

फ्लेक्सीकैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जैसे कि लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप। इसका उद्देश्य विभिन्न बाजार स्थितियों में लचीलापन प्रदान करना और पोर्टफोलियो को विविध बनाना है।

फ्लेक्सीकैप की विशेषताएं

- लचीलापनः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे फंड मैनेजर को बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिलती है।
- विविधीकरणः फ्लेक्सीकैप फंड विभिन्न सेक्टर्स और मार्केट कैपिटलाइजेशन के शेयरों में निवेश करता है, जिससे पोर्टफोलियो का विविधीकरण होता है।
- सक्रिय प्रबंधनः फ्लेक्सीकैप फंड का प्रबंधन सक्रिय रूप से किया जाता है, जिससे फंड मैनेजर बाजार की स्थितियों के अनुसार निवेश निर्णय ले सकते हैं।

पेमेंट ऐप से ले रहे हैं लोन, तो जान लें इसके फायदे-नुकसान पर्सनल लोन लेना आसान है, अपनी जानकारी जरूर जुटाएं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

डिजिटल पेमेंट के इस दौर में गूगल पे जैसे ऐप्स ने न केवल पैसे भेजने और बिल भरने का तरीका आसान किया है, बल्कि अब ये पर्सनल लोन जैसी दूसरी सेवाएं भी दे रहे हैं। गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेना कई लोगों के लिए सुविधाजनक विकल्प बन रहा है, लेकिन इसके फायदे और नुकसान दोनों हैं। इसके अलावा, कुछ छिपी हुई लागत भी हो सकती हैं, जिन्हें समझना जरूरी है। यहां हम गूगल पे के जरिए पर्सनल लोन लेने के अलग-अलग पहलुओं को आसान भाषा में समझने की कोशिश करेंगे, ताकि सही समय पर जरूरत के हिसाब से सही फैसला लिया जा सकें।

न्यायालय तहसीलदार सकरी, जिला बिलासपुर
ईश्तहार

अ-6-अ ग्राम सकरी 2024-2025

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम सकरी म.न.3 प.ह.न.45 तहसील सकरी जिला बिलासपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका नेहा पाण्डेय पिता अशोक तिवारी निवासी अज्ञेय नगर बिलासपुर छ.ग. के द्वारा ग्राम सकरी स्थित भूखण्ड क्रमांक 103,104 खसरा न0 262/3 में से रकबा 4228 वर्गफीट क्रय के द्वारा प्राप्त भूमि है। वर्तामान राजस्व अभिलेख में रकबा कम प्रदर्शित हो रहा है। जो कि त्रुटिपूर्ण है। अभिलेख सुधार करने हेतु धारा 115 के अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी रा. तखतपुर में आवेदन पेश किया है। जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। इस ईश्तहार के माध्यम से दावा आपत्ति आमंत्रित किया जाता है।

इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति दावा हो तो अपना आपत्ति दावा दिनांक 16.07.2025 तक इस न्यायालय में पेश कर सकते है। इसके बाद में आने वाले आपत्ति दावों पर विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 26.06.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

तहसीलदार सकरी

न्यायालय तहसीलदार सकरी, जिला बिलासपुर
ईश्तहार

मा.क्र. 264-6-अ ग्राम तुरकाडीह 2024-2025

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम तुरकाडीह प.ह.न. 54 तहसील सकरी जिला बिलासपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिल पटेल पिता स्व. रघुनंदन पटेल निवासी मंगला बिलासपुर छ.ग. के द्वारा ग्राम स्थित भूमि खसरा न. 129/5 रकबा 0.587 हे. आवेदक की भूमि है। वर्तमान राजस्व अभिलेख में खातेदार का नाम एवं रकबा प्रदर्शित नहीं हो रहा है। जो कि त्रुटिपूर्ण है। अभिलेख सुधार करने हेतु धारा 115 के अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी रा. तखतपुर में आवेदन पेश किया है। जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। इस ईश्तहार के माध्यम से दावा आपत्ति आमंत्रित किया जाता है।

इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति दावा हो तो अपना आपत्ति दावा दिनांक 16.07.2025 तक इस न्यायालय में पेश कर सकते है। इसके बाद में आने वाले आपत्ति दावों पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 2.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

तहसीलदार
सकरी

न्यायालय नायब तहसीलदार बिलासपुर
मामले की श्रेणी : राजस्व

संदर्भ :- जिला बिलासपुर तहसील-बिलासपुर प.ह.न.-00032 सरकंडा ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- CT202425400107900336

ईश्तहार

तहसील बिलासपुर के प.ह.न. 00032 के अंतर्गत ग्राम सरकंडा के वर्तमान भूमिस्वामी श्रीकुमार पिता/पति-पिता स्व. रामचरण सूर्यवंशी पता-सा देह भू स्वा के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 177/3 (0.1590) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता श्रीमती पार्वती गोस्वामी पिता/पति-श्री ज्वाला गोस्वामी पता-मुरुम खदान खमतराई बिलासपुर के नाम पर पंजीयन/फ्रौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 04/08/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय नायब तहसीलदार बिलासपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/अधिवक्ता/आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 11/07/25 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार बिलासपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार सकरी जिला बिलासपुर छ.ग.
// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. /ब-121/2024-2025
ग्राम काठाकोनी

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता काठाकोनी तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग. को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रमोद कुमार पिता स्व. रामकुमार निवासी काठाकोनी, तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग. के द्वारा ग्राम काठाकोनी स्थित भूमि खसरा नंबर 189/3, 246/1, 246/2, 246/3, 260, 263/2/क, 303/1, 320/1, 320/3, 320/5, 341/3, 358/2, 382/1, 583 रकबा 0.401, 0.372, 0.344, 0.607, 0.474, 0.809, 0.264, 0.555, 0.561, 0.688, 0.028, 0.210, 0.024, 0.348 हे. वर्तमान राजस्व अभिलेख में आवेदक के नाम पर भूमिस्वामी के रूप में दर्ज है उक्त भूमि का किसान किताब गुम हो गया है जिसे द्वितीय प्रति किसान किताब प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया प्रकरण दर्ज हो।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो वह मेरे न्यायालय में दिनांक 28/07/25 को दिन के 10:30 बजे उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है, बाद में प्राप्त आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11/07/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायायल की मुद्रा से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार, सकरी

न्यायालय तहसीलदार लालपुर थाना जिला-मुंगेली (छ.ग.)
// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. ब-121/2025
क्रमांक/167/वाचक/तह./2025
लालपुर थाना दिनांक 07.7.25

सर्वधारणा/आम जनता ग्राम लालपुर कला को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमेश कुमार पति/पिता श्री अंधियार जाति गोड़ साकिन लालपुर कला तहसील लालपुर थाना जिला-मुंगेली (छ.ग.) के द्वारा आवेदन पत्र पेश किया गया है कि आवेदक के पिता/माता/पुत्री/पुत्र/दादा/दादी/भाई/बहन जामबाई आ. श्री अंधीयार के मृत्यु दिनांक 04.2.2022 ग्राम लालपुर कला को हो जाने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु इस न्यायालय से आदेश हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो न्यायालय में दिनांक 21.7.25 समय प्रातः 11:00 बजे दिन को स्वयं/अपने प्राधिकृत के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 07/07/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
लालपुर थाना जिला मुंगेली (छ.ग.)

आम सूचना (प्रेस विज्ञप्ति)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि श्रीमति श्वेता श्यामवानी, आयु 30 वर्ष लिंग स्त्री, पति श्री राहुल श्यामवानी, जाति सिंधी हिन्दु (सामान्य वर्ग) पेशा व्यवसाय निवासी भक्त कंवर राम नगर वार्ड, लालचंदानी गली, सिंधी कालोनी बिलासपुर तहसील एवं जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़ 495001 के नाम से मौजा तालापारा प.ह.नं 39 रा.नि.मं जूना बिलासपुर तहसील बिलासपुर विकासखण्ड बिल्हा अन्तर्गत नगर निगम सीमा वार्ड नंबर 12 मदर टेरेसा नगर वार्ड तालापारा जूना बिलासपुर (डायव्हर्शन शीट नंबर 1 प्लाट नंबर 182) खसरा नं. 67/4 रकबा 1625 वर्गफीट 151.022 वर्गमीटर/0.0160 हेक्टेयर भूमि है। जिसका चौहद्दी इस प्रकार है उत्तर में शासकीय भूमि, दक्षिण में जयश्री शुक्ला की संपत्ति पूर्व में अज्ञेय नगर कालोनी पार्क तथा पश्चिम में निस्तारी रास्ता है। उक्त भूमि को मेरे पक्षकार साजेदा खान पति अब्दुल हकीम खान पता बसंत विहार कालोनी, एस.ई.सी.एल., लिंगियाडीह, बिलासपुर द्वारा क्रय करने का पक्का सौदा करते हुए अग्रिम बयाना बतौर राशि दिया जा चुका है, तथा क्रय शुदा भूमि का निकट भविष्य में मेरे पक्षकार के नाम पर रजिस्ट्री करा कर प्रतिफल की शेष राशि अदा कर दिया जावेगा। अगर किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निजी निकाय को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस के भीतर मय दस्तावेज सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें समयावधि के पश्चात किये जाने वाले किसी भी प्रकार कि आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सादर सूचनार्थ।
दिनांक- 12/07/2025

भवदीय
रियाजुद्दीन शेख
अधिवक्ता चेम्बर नंबर 145 हाईकोर्ट
बिलासपुर छ.ग.
मो.-9300324275

न्यायालय तहसीलदार मस्तूरी, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
//नोटिस//

रा.प्र.क्र. /अ-27/2024-25
ग्राम पेण्ड्री प.ह.नं. 14, तह.मस्तूरी जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

सुशीला राय पति स्व.रामफल जाति सतनामी, निवासी ग्राम पेण्डरी, तहसील मस्तूरी, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)... आवेदक विरुद्ध 1. भानू आ.भागवत, निवासी ग्राम पेण्डरी, हा.मु.सरगवां थाना के पास, 2. हिमांशु आ.स्व.बाबूलाल, उर्फ नानूलाल, 3. ग्रीषम कुमार आ.स्व.बाबूलाल, 4. सुर्यकुमार आ.स्व.बाबूलाल, 5. अमरीका उर्फ गनेशिया आ.स्व.बाबूलाल, 6. रुखमणी आ.स्व. बाबूलाल, निवासी-ग्राम टिकारी, तहसील मस्तूरी, जिला-बिलासपुर (छ.ग.).. अनावेदकगण।

एतद् द्वारा ग्राम पेण्डरी, प.ह.नं. 14, तहसील मस्तूरी, जिला-बिलासपुर (छ.ग.) के अनावेदकगण को सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा ग्राम पेण्डरी, प.ह.नं.14 तहसील मस्तूरी, जिला-बिलासपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि ख.नं. 29/5, 31 रकबा 0.3570, 0.6840 हे. भूमि आवेदक के सामिलात खाते की भूमि है। उभपक्षकारों के मध्य पूर्व में आपसी बंटवारा अनुसार 1/3 हिस्से में खाता विभाजन कराना चाहते हैं। आवेदिका को पूर्व बंटवारा 0.75 डि.मिला है। आवेदिका आपसी कब्जा अनुसार 1/3 हिस्सा में खाता विभाजन बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः अनावेदकगण को समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि नियत तिथि दिनांक 25.07.2025 को स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करें। अनुपस्थिति की दशा में प्रकरण में नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

तहसीलदार
मस्तूरी, जिला-बिलासपुर

प्रथम पृष्ठ का शेष

दांतों की सफाई के...

भेजा। इस दौरान पीजी डाक्टर भी साथ पहुंचकर जांच का सैंपल लिया। जांच प्रकिया तो 2 मिनट में पूरा हुआ मगर इसकी रिपोर्ट के लिए 15 दिन के बाद की तारीख दी गई। इसके बाद 10 बजकर 15 मिनट में रिपोर्टर कक्ष क्रमांक दस में पहुंचा जहां 5 मिनट की वेटिंग के बाद एक्स-रे कराने की सलाह दी गई। शुल्क पटाकर एक्सरे की बारी आने के लिए करीब पौन घंटे इंतजार करना पड़ा। एक्स-रे रूम के बाहर गार्ड फाइल के आधार पर नाम पुकारकर जांच के लिए बुलाते करीब 11 बजे एक्स-रे में दो मिनट लगने के बाद रिपोर्ट के लिए आधा घंटे इंतजार करना पड़ा। एक्सरे देखकर 11.30 बजे डाक्टरों दांत तोड़ने की तैयारी शुरू की मगर रिपोर्टर द्वारा खाना खाकर नहीं आने की जानकारी देने पर उसे सोमवार की तारीख दे दी गई।

दांतों की सफाई 19...

बाहर से खरीदकर खाने की सलाह दी गई।

डीके से आंबेडकर में...

ओपीडी ब्लॉक ए-10 के न्यूरोलॉजी विभाग कक्ष क्रमांक 3 जाने की सलाह दी गई। सुबह 8 बजकर 45 मिनट पर न्यूरोलॉजी विभाग कक्ष क्रमांक 3 के सामने पेशेंट अटेंडर की कुर्सी खाली मिली। मरीजों की दर्जनभर पर्चियां टेबल पर रखी मिलीं। सुबह 9 बजे महिला अटैंडर आई तब तक 15 से 20 न्यूरो ओपीडी के मरीजों से वेटिंग हॉल की कुर्सियां भर चुकी थीं। पास बैठे एक मरीज ने रिपोर्टर को बताया कि वह कल से सारंगढ़ से आया है, पहले दिन 1 बजे आया तो ओपीडी टाइम खत्म हो गया कहकर जांच नहीं की, आज सुबह 8 बजे से पर्ची लेकर डॉक्टर की प्रतीक्षा है। सुबह 9 बजकर 52 को डॉक्टर कक्ष में पहुंचते हैं, 2-2 मरीजों को अटेंडर कक्ष में जांच मरीजों को भेजती है। करीब 5 से 6 मरीज की जांच के बाद 10 बजकर 9 बजे रिपोर्टर की बारी आती है। एक अन्य सहायक डॉक्टर ओपीडी कक्ष में आता जो मेरा पर्ची मांगता है और तकलीफ पूछते हैं। एक साल से सिर दर्द व पैरों में सुन्नपन की समस्या जानकर कुछ दवाइयां व एक एनसीवी टेस्ट लिखकर रिपोर्टर को आंबेडकर अस्पताल जाने की सलाह देता है।

आंबेडकर अस्पताल की...

है जहां उसे ताला लटकता मिलता है। ताला के संबंध में पूछताछ के दौरान कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। अलबत्ता चिकित्सकीय स्टाफ उसे दूसरे कमरे में जाकर पूछताछ करने की सलाह जरूर देते रहे। पता चला है कि वहां होने वाली कुछ जांच कार्डियोलॉजी विभाग में शिफ्ट हो चुकी है इसलिए यहां केवल ताला मिलता है।

इलाज वक्त पर लेकिन...

अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। महिलाओं के लिए अलग से महिला डॉक्टर की व्यवस्था थी, वहीं सामान्य मरीजों के लिए तीन डॉक्टर मौजूद थे। बावजूद इसके ओपीडी कक्ष के बाहर मरीजों की गहमागहमी बनी हुई थी और सभी अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे थे। उनके बीच मरीज बने रिपोर्टर को भी आम मरीजों की पीड़ा सहते हुए 35 मिनट इंतजार करना पड़ा। करीब 10 बजे डॉक्टर से मुलाकात हुई। हिस्ट्री लेने के दौरान रिपोर्टर ने सर्दी और एलर्जी की शिकायत बताई, जिसे सुनने और दवा लिखने में डॉक्टर ने करीब 5 मिनट का समय लिया। साथ ही चेहरे का एक्स-रे भी करवाने की सलाह दी। करीब सवा 10 बजे मरीज दवा काउंटर पर जाकर 10 मिनट लाइन में खड़ा होने के बाद आखिरकार दवा की पुड़िया मिल गई।

कलेक्टर मेनन के...

किया। एसपी ने बताया कि समर्पित नक्सलियों को बतौर प्रोत्साहन 50-50 हजार रुपए व अन्य सुविधाएं दी जाएगी।**समर्पित नक्सली इन घटनाओं में थे शामिल**-समर्पण करने वाले नक्सलियों में सर्वाधिक नौ घटनाओ में शामिल लोकेश उर्फ पोड़ियाम भीमा का नाम आता है। उस पर 12 मार्च 2012 को ग्राम स्वराज अभियान के दौरान तत्कालीन कलेक्टर एलेक्स पॉल मेनन के अपहरण के अलावा वर्ष 2007 में कोण्टा-सुकमा मुख्यमार्ग पर ग्राम दरभागुड़ा और आसीरगुड़ा के बीच पुलिस वाहन को आईईडी लगाकर विस्फोट करने, वर्ष 2009 में ग्राम मेहता-बण्डा मुख्यमार्ग पर सुरक्षा में लगे पुलिस जवानों पर एम्बुश लगाकर फायरिंग करने, वर्ष 2012 में ग्राम बड़ेसेट्टी क्षेत्र के गंधारपारा-सिंघनपारा के बीच जंगल में पुलिस-नक्सली मुठभेड़, वर्ष 2017 में ग्राम बुकार्पाल में पुलिस-नक्सली मुठभेड़, वर्ष 2018 में जिला बीजापुर क्षेत्रान्तर्गत थाना आवापल्ली-बासागुड़ा का मुख्यमार्ग पर ग्राम मुरतोण्डा और तिम्मापुरम के बीच आईईडी लगाकर विस्फोट करने, वर्ष 2018 में पामेड़ क्षेत्र के ग्राम जारापल्ली के बीच जंगल मे पुलिस-नक्सली, वर्ष 2021 में ग्राम टेकलगुड़ा के जंगल में गश्त सर्चिंग पार्टी पर एम्बुश लगाकर फायरिंग करने तथा वर्ष 2024 जनवरी में धरमावरम कैम्प में हमला पर फायरिंग करने की घटना शामिल होने का मामला दर्ज था। समर्पण करने वाले अन्य नक्सलियों पर भी पुलिस पार्टी पर हमला, मुठभेड़, एम्बुश लगाकर हमले करने जैसे संगीन मामले दर्ज थे।

11 हार्डकोर नक्सलियों...

रमेश उर्फ कलमू केसा, कवासी मासा, प्रवीण उर्फ संजीव उर्फ मड़कम हुंगा, नुप्पो गंगी, पूनेम देवे, परस्की पाण्डे, माड़वी जोगा, नुप्पो लच्छु उर्फ लक्ष्मण, पोड़ियाम सुखराम, दुधी भीमा के अलावा 5-5 लाख के ईनामी लोकेश की पत्नी मुचाकी रनौती उर्फ हिड़मे, कलमू दुला, दूधी मंगली, सिद्धार्थ उर्फ माड़वी इंद्रा, 3 लाख का ईनामी हेमला रामा तथा 1-1 लाख के ईनामी सोड़ी हिड़मे, कवासी जोगा, रूपा उर्फ भीमे मड़कमी, गगन उर्फ करटम दुड़वा, कवासी हुंगी, कारम भीमा व मड़कम नंदे शामिल है।

बंदूक की गोली नहीं,...

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अभूतपूर्व घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के माध्यम से व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल आत्मसमर्पण नहीं है, बल्कि विश्वास की उस जीत का प्रतीक है, जो हमारी सरकार ने 'नियद नेल्ला नार' जैसी जनउन्मुख योजनाओं के माध्यम से गांव-गांव तक पहुँचाया है। अब यहां बंदूक की गोली नहीं, विकास की बोली सुनाई दे रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पिछले 15 महीनों में 1521 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जो इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सरकार की पहुंच और विश्वास निरंतर बढ़ा है। यह सफलता राज्य सरकार की 'नवीन आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति 2025' की सकारात्मकता को भी दर्शाती है, जिसके तहत हथियार छोड़ने वाले नक्सलियों को न केवल सामाजिक सम्मान, बल्कि पुनर्वास और आजीविका का अवसर भी दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह परिवर्तन यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में चल रहे सुशासन के विजन का सजीव उदाहरण है।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हमारा प्रदेश तय समय-सीमा के भीतर नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त होगा और बस्तर क्षेत्र का प्रत्येक नागरिक विकास की मुख्यधारा से जुड़ेगा।

हाईकोर्ट का बड़ा...

अभिभावक की अनुमति के बिना घर से बाहर बुलाया। लौटते समय, अन्य छह आरोपियों ने उन्हें रास्ते में रोककर उनके साथ अपराध किया। आरोपी राजेंद्र डहरिया ने घटना का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड किया, जिसे बाद में पीयूष वर्मा ने धमकी देने और ब्लैकमेल करने के लिए इस्तेमाल किया।

स्कूल रजिस्टर से...

और चूकें हैं तो पीड़िताओं की उम्र के प्रमाण पर्याप्त रूप से सिद्ध नहीं हुए। केवल पीड़िताओं के बयानों के आधार पर सजा सुनाई गई है और स्वतंत्र साक्ष्य नहीं हैं। पुलिस की ओर से कहा गया कि घटना के समय पीड़िताएं नाबालिग थीं, जिसे स्कूल प्रवेश रजिस्टर में जन्मतिथि से स्पष्ट किया गया। इसके अलावा, अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र से जाति का प्रमाण हुआ।

टेकऑफ के तुरंत...

के तुरंत बाद 'कटऑफ' स्थिति में चले गए थे। हालांकि, रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि यह कैसे हुआ या यह किसने किया। लगभग 10 सेकंड बाद, इंजन 1 का ईंधन कटऑफ स्विच अपनी तथाकथित 'रन' स्थिति में चला गया और उसके चार सेकंड बाद इंजन 2 भी 'रन' स्थिति में आ गया। पायलट दोनों इंजनों को फिर से चालू करने में कामयाब रहे, लेकिन केवल इंजन 1 ही ठीक हो पाया, जबकि इंजन 2 गति बढ़ाने के लिए पर्याप्त शक्ति उत्पन्न नहीं कर पाया। पायलटों में से एक ने संकटकालीन चेतावनी 'मे डे, मे डे, मे डे' जारी की, लेकिन इससे पहले कि हवाई यातायात नियंत्रकों को कोई प्रतिक्रिया मिल पाती, विमान अहमदाबाद हवाई अड्डे की सीमा के ठीक बाहर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह कुछ पेड़ों को छूते हुए एक छात्रावास में जा गिरा। रिपोर्ट के अनुसार, जब विमान ने उड़ान भरी उस समय सह-पायलट विमान उड़ा रहा था और कप्तान निगरानी कर रहा था। एएआईबी द्वारा शनिवार को जारी प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया कि विमान के ऑपरेटरों के लिए फिलहाल कार्रवाई की कोई सिफारिश नहीं की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है, विमान ने भारतीय समयानुसार अपराह्न एक बजकर 38 मिनट 42 सेकंड पर अधिकतम दर्ज की गई गति 180 नॉट्स आईएएस हासिल की और एक सेकंड बाद ही इंजन-1 और इंजन-2 के ईंधन 'कटऑफ स्विच' क्रमशः 'रन' से 'कटऑफ' स्थिति में चले गए। जांच ब्रिटेन की 'एयर एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्रांच' और अमेरिका के 'नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड' की सहायता से की गई। विमानन क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि पायलटों के लिए ईंधन स्विच को अनजाने में चालू या बंद करना मुश्किल होता है क्योंकि स्विच में एक छोटा 'मैकेनिकल गेट' लगा होता है। एएआईबी रिपोर्ट में 2018 के एक 'एफएए एयरवर्थिनेस बुलेटिन' का उल्लेख किया गया है, जिसमें बोइंग विमान जैसे 737 और 787 पर 'फ्यूल कंट्रोल स्विच लॉकिंग फीचर'' के संभावित 'डिसएंगेजमेंट' की बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एअर इंडिया के विमान की 'लॉकिंग मैकेनिज्म' की जांच नहीं की गई क्योंकि यह कभी अनिवार्य नहीं था। 2023 से ईंधन नियंत्रण स्विच से संबंधित कोई दोष भी सामने नहीं आया। रिपोर्ट के अनुसार, विमान ने भारतीय समयानुसार अपराह्न एक बजकर 38 मिनट 39 सेकंड पर उड़ान भरी और एक बजकर 39 मिनट 05 सेकंड पर एक पायलट ने 'मे डे- मे डे- मे डे' संदेश दिया। रिपोर्ट के अनुसार, 'एयर ट्रैफिक कंट्रोलर' (एटीसी) ने पायलट से 'कॉल साइन' पूछा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। हालांकि उसने देखा कि विमान हवाई अड्डे की सीमा से बाहर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और तुरंत आपातकालीन प्रक्रिया सक्रिय की। **इंजन के मलबे सुरक्षित**-रिपोर्ट के अनुसार, दोनों इंजनों को मलबे से निकालकर हवाई अड्डे के एक हैंगर में सुरक्षित रखा गया है। जांच के लिए ज़रूरी हिस्सों की पहचान कर ली गई है। इसमें कहा गया है कि दुर्घटनाग्रस्त विमान के 'एपीयू फिल्टर' और बाएं पंख के 'जेट्रिसन वॉल्व' से बहुत ही सीमित मात्रा में ईंधन के नमूने लिए जा सके हैं और इन नमूनों का परीक्षण एक ऐसी प्रयोगशाला में किया जाएगा जहां इतनी कम मात्रा में परीक्षण संभव है। **कार्रवाई की अनुशंसा नहीं**-प्रारंभिक संकेतों और 'फ्लाइट रिकॉर्डर' से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर और जानकारी एकत्र की जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, जांच के इस चरण में बोइंग 787-8 और जीई एनएक्स-1बी इंजन ऑपरेटरों और निर्माताओं के लिए फ़िलहाल किसी कार्रवाई की अनुशंसा नहीं की गई है। यह विमान 'जीई एनएक्स-1बी' इंजनों से लैस था। जांचकर्ताओं ने प्रत्यक्षदर्शियों और जीवित बचे यात्री के बयान दर्ज किए हैं। **जांच जारी है...**-एएआईबी ने कहा कि चालक दल और यात्रियों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का पूरा विश्लेषण किया जा रहा है ताकि एयरोमेडिकल निष्कर्षों की पुष्टि इंजीनियरिंग आकलन के साथ की जा सके। उसने कहा कि जांच अभी जारी है। टीम सभी उपलब्ध साक्ष्यों, रिकॉर्ड और संबंधित पक्षों से प्राप्त हो रही जानकारी की समीक्षा एवं परीक्षण करेगी। विमान में 230 यात्री सवार थे, जिसमें 15 बिजनेस क्लास में और 215 इकोनॉमी क्लास में थे। इनमें दो बच्चे भी शामिल थे।

'डिजिटल अरेस्ट' कर...

न्यायमूर्ति डागा ने बताया कि बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे उन्हें पुलिस की वर्दी पहने एक अज्ञात व्यक्ति का वीडियो कॉल आया। सेवानिवृत्त न्यायाधीश ने बताया कि पुलिस थाने जैसी दिखने वाली जगह पर बैठे फोन करने वाले ने उन पर मुंबई के बोरीवली पुलिस थाने में दर्ज जबरन वसूली के मामले से जुड़े होने का आरोप लगाया। फोन करने वाले व्यक्ति ने दावा किया कि डागा के आधार कार्ड का उपयोग करके खरीदे गए सिम कार्ड का उपयोग अवैध लेनदेन के लिए किया गया था, जिसमें 2023 में उनके नाम पर खोले गए केनरा बैंक खाते से संबंधित लेन-देन भी शामिल है।

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com
Classified
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- घर की साफ सफाई हेतु महिला और पुरुष एवं मारवाड़ी खाना बनाने हेतु रसोइया/ महाराज की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- रामा वर्ल्ड, सिरगिट्टी मोड़ रायपुर रोड बिलासपुर, 93406 00776 **(38223)**

आवश्यकता है- एक अनुभवी एकाउंटेंट की आवश्यकता है, जिसे कम्प्यूटर में Tally MS office fmcg कम्पनी के ऑनलाइन सॉफ्टवेयर में बिलिंग का कार्य आता हो। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 88279 80500 **(38225)**

आवश्यकता है- प्लाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- आहुजा ट्रेडर्स, जैन मन्दिर के सामने नया सरकंडा बिलासपुर 7000484949 **(38224)**

आवश्यकता है- स्पा एण्ड सेलून में काम करने के लिए तोरवा और व्यापार विहार में महिला टेलीकॉलर, महिला थैरेपिस्ट एवं महिला हाउस कीपिंग की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 6399166000 **(38220)**

आवश्यकता है- कैफे में कार्य हेतु फ्रेशर युवक/ युवती चाहिए सैलरी योग्यतानुसार 6000 से 8000 सम्पर्क करें- 12बजे के बाद, ब्रूबेरी कैफे, एम्बियंस बिजनेस पार्क, सीएमडी कॉलेज के सामने 79879 26453, 9131256249, 07752490692 **(193)**

Required- Walk in interview at Ocean public School for Computer, PRT Maths, Eng, TGT Maths, Science Good Salary. At 9am- 12pm. Address House no-394/5, Geetanjali city phase-2, Bahatarai, BSP 6264161800, 79992 99930 **(38196)**

आवश्यकता है- उर्मिला मोटर्स (हीरो शोरुम) में कार्य करने हेतु सेल्स लड़की-2, मैकेनिक-2 वाशिंग लड़के-3 की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- बेलगहना रोड कोटा 9340252857 **(38207)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है रिपेरिंग, साईड कार्य वाईरिंग, फिटिंग हेतु। रहने की सुविधा सम्पर्क करें- अरूण इलेक्ट्रीकल्स चन्द्रा पार्क के सामने बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7869102080 **(38221)**

आवश्यकता है- वेल्डर की आवश्यकता है वर्क शॉप और फील्ड वर्क करने के लिए अनुभवी ऑटोमोबाइल लाइन के वेल्डर, मिस्त्री और पेन्टर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9669211111, 9827175811 **(38222)**

आवश्यकता है- मशरूम स्पान (बीज) बनाने हेतु 5वीं, 10वीं पास 18 से 25वर्ष के लड़के एवं लड़कियां चाहिए। सम्पर्क करें- श्याम मशरुम एण्ड एग्रो, अशोक नगर चौक सीपत रोड, सरकंडा बिलासपुर 9893592323 **(38215)**

आवश्यकता है- घरेलू कार चलाने हेतु अनुभवी और भरोसेमंद ड्राइवर की आवश्यकता है। सरकंडा क्षेत्र के निवासी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 8319667673, 70499 22508 **(38202)**

आवश्यकता है- विभिन्न कॉलेज और यूनिवर्सिटी में सीधी भर्तीः Pro, Coordinator, Counselor, Media, Social Media, Marketing Salary 12000/- To 40000/- Onwards Job Location- Bilaspur /raipur Job location- all Chhattisgarh Contact:- 6266-373314, 7999026335 **(171)**

आवश्यकता है- प्रॉपर्टी डीलिंग ऑफिस में ऑफिस ब्वॉय, सेल्स कार्य, टेलीकॉलिंग हेतु अनुभवी, फ्रेशर युवक युवतियां चाहिए वेतन 8000 से 14000 सम्पर्क करें- श्री काली प्रॉपर्टीज रिंग रोड नं-2 बिलासपुर 9179116542, 6265497208 **(38218)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक शॉप में काम करने के लिए एक लड़की एवं एक लड़के की आवश्यकता है। वेतन 8000 से 10000 सम्पर्क करें- बाबजी इंटरप्राइजेस तेलीपारा बिलासपुर 96730 78653, 9893635253 **(38201)**

Required- Office Clerk. Qualification- 12th pass or higher. salary- 8K to 12K (according to Ability). Contact- M/s Sushil & Surendra (Chartered Accountants), shrikant verma marg Bilaspur. 9589009993 Email- casurendra@yahoo.co.in **(38200)**

आवश्यकता है- स्टूडेन्ट मेस में नाश्ता और खाना बनाने के लिए कुक एवं हेल्पर की आवश्यकता है। घर जैसा खाना नाश्ता बनाना है। सम्पर्क करें- 9755655055, 70007 55683 **(38205)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य एवं कम्प्यूटर आपरेटर (हिन्दी टाइपिंग अनिवार्य है) एवं मार्केटिंग के लिये लड़के की आवश्यकता है संपर्क करें गगन फ्लैक्स, 27 खोली चौक बिलासपुर मो. 9039968650 **(38199)**

आवश्यकता है-UTN शॉप में मार्केटिंग कार्य करने हेतु सेल्स एक्जीक्यूटिव-5 लीडर-5, ट्रेनर-7 लड़के, लड़कियां चाहिए पता- शॉप नं. FS-16 प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा, मंगला चौक, बिलासपुर, 7806007192, 79995 94790 **(38187)**

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड एवं सिक्युरिटी एजेन्सी में कार्य किया हुआ अनुभवी सुपरवाइजर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247244800, 07752 448013 **(38194)**

आवश्यकता है- मेन्स वियर शॉप में काम करने के लिए अनुभव सेल्समैन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- यूनिक फैशन, शिव टॉकीज चौक बिलासपुर 930315 9900, 9630110824 **(38209)**

आवश्यकता है- ऑफिस के संचालन हेतु एक युवती ऑफिस इंचार्ज की आवश्यकता है, समय शाम 5बजे से 8बजे तक, योग्यता- न्यूनतम 12वीं पास सम्पर्क करें- स्टार डेवलपर्स एण्ड कंसलटेन्सी 98930 82324 **(38210)**

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षागार्ड वेतन 14000 सुपरवाइजर वेतन 16000 फील्ड ऑफिसर वेतन 15000 आवास फ्री PF+ ESIC सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक, सिलतरा रायपुर, छ.ग. 77470 00019, 7746000016, 7747000016, 77460 00019 **(074)**

आवश्यकता है-दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों एवं गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी लाईसेन्स धारी ड्राइवर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें 76973 68454 **(38182)**

आवश्यकता है-बुकिंग में कार एवं इनोवा चलाने हेतु 5वर्ष अनुभवी ड्राइवर (वेतन 12000+ 100 भत्ता+ 100 नाईट) एवं यार्ड में सफाई हेतु कुली, चपरासी लड़के चाहिए। (समय सुबह 9 से शाम 7बजे) पता-सक्षम ट्रैवल्स बिलासपुर 62641 25145, 98271 92189 **(38146)**

आवश्यकता है- कोनी में स्थित रियल स्टेट प्रोजेक्ट कालोनी में साईड सुपरवाईजर की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता दी जायेगी संपर्क करें वृन्दावन प्लाजा थर्ड फ्लोर नेहरू चौक बिलासपुर 98271 50404, 9827468609 **(38191)**

आवश्यकता है- मॉट्रिमोनी में कार्य हेतु 18 से 30 वर्ष की युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है, सैलरी- 5000 से 20000 कमाने का अवसर संपर्क करें:- पत्रकार कॉलोनी आर.बी हॉस्पिटल के पास 6268331784, 7987392821 **(169)**

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या-950 वनरक्षक फील्डऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (23500+ 42500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (धीरेंद्र कुमार 8957118102 **(1025)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित उत्साही लड़को की आवश्यकता है उम्र 18 से 28वर्ष वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, ट्रेनिंग के पश्चात कमाये 15000 से 20000 प्रतिमाह रहना फ्री सम्पर्क करें- 7796880121, 8889257623 **(165)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है, उम्र 18 से 35 वर्ष, वेतन 5000/- +कमीशन +बोनस सम्पर्क करें:- नेहरू नगर Sai मन्दिर के पास 78059 32585 **(168)**

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम SMS जॉब करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए 15000-45000/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें-9204441270 **(1021)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 10000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना संपर्क 8770508791, 7225815090 **(502)**

सर्विसेस

सर्विसेस- टिफिन सेवा घर से दूर घर जैसा वेज, नॉनवेज खाना घर, दुकान, ऑफिस, हॉस्टल, हॉस्पिटल तक किफायती दर पर पहुंचाने की सुविधा उपलब्ध। सम्पर्क करें- चॉइस टिफिन सर्विसेस सरकंडा बिलासपुर 89829 79406 **(38195)**

बेचना है

बेचना है- 800 +370 फीट के कॉमर्शियल हॉल, अटैच टॉयलेट, शासकीय अनुमति प्राप्त व्यावसायिक परिसर में चकरभाटा मार्केट से लगा, हाईकोर्ट, बिलासपुर एयरपोर्ट से नजदीक बेचना/ किराये से सम्पर्क करें- 9826130163, 8770523386 **(38174)**

बेचना है- मुंगेली नाका बिलासपुर में डीएसएस काम्पलेक्स के सेकेण्ड फ्लोर पर 11x10 लगभग 110 वर्गफुट की दुकान बेचना है संपर्क करें 9131202651, 7999322546 **(38198)**

बेचना है- बिलासपुर यदुनन्दन नगर तिफरा में पूर्व मुखी डबल स्टोरी 3BHK मकान बेचना है लाल ईट, मॉड्यूलर किचन, सागौन दरवाजा, फाल सीलिंग, स्टील रेलिंग सीसी रोड कीमत 36लाख सम्पर्क करें- 98263 14444 **(38219)**

बेचना है- वार्ड नं-16 कुदुदण्ड पानी टंकी के सामने गली में 1डिसमिल जमीन में बना 2मंजिला मकान नीचे 1कमरा, किचन, अटैच लेटबाथ, ऊपर 1हाल लेटबाथ 24घंटे पानी कीमत 1725000 सम्पर्क- 9753505350, 95222 48786 **(38208)**

बेचना है- शुभ-लाभ रिजेन्सी चकरभाठा स्थित शापिंग काम्प्लेक्स में 7-8 और 37 नंबर की 3 दुकान बेचना है सम्पर्क करें- 94241 62787, 9827102729 **(38226)**

किराया

किराया- शांति नगर, रिंग रोड नं.-2 में 2BHK प्रथम तल पर 24घंटे पानी, सर्व सुविधा युक्त मकान नौकरी पेशा एवं छोटे परिवार को किराए पर देना है। सम्पर्क करें- 9131350454, 8109063996 **(38216)**

किराया-व्यवस्थित ब्यूटी पार्लर बाउण्ड्रीवॉल से घिरा, फर्नीचर सहित किराए से देना है दूसरे व्यक्ति भी मकान देख सकते हैं सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से इन्दू चौक जरहाभाठा बिलासपुर 6260234233, 9827183536 **(38189)**

किराया- गीतांजलि एंक्लेव रिंग रोड नम्बर 2 में भूतल में मकान किराये से देना है 2 बेडरूम, हॉल, किचन, 2 लेटबाथ शासकीय सेवारत को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7999431491 **(38212)**

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
तैलिक साहू कन्या
M.S. (E.N.T.)
जन्म 1995/5'-3"
गौर वर्ण,
इन्दौर/ इटारसी (म.प्र.)
निवासी हेतु डॉक्टर
या उच्च/ समकक्ष योग्य
वर चाहिये
बायोडाटा व्हाट्सएप पर भेजें
सम्पर्क करें-
9425136008

वधु चाहिए

वधू चाहिए
सरयूपारीय ब्राह्मण
31 वर्ष, 5'-11"
भारद्वाज गोत्र, मध्य नाड़ी,
अधिकारी इफको, बरेली
(उ.प्र.) हेतु सुन्दर, सुशील,
टेक्नीकली क्वालीफाईड
सरयूपारीय/ कन्यकुब्ज
ब्राह्मण वधु चाहिए।
कृपया फोटो, बायोडाटा
व्हाट्सएप पर भेजें।
सम्पर्क करें-
9479271820
6265112290

Education
INSTITUTIONS
कोटा स्टडी सर्कल®
भिलाई/रायपुर
Kanika Sahu
611/720
NEET
NEET, IIT-JEE
PET/PAT
विशेषताएं
कोटा ट्रेन्ड टीचर्स
हिन्दी तथा अंग्रेजी माध्यम के पृथक-पृथक बैचेस
गर्ल्स एवं बॉयस के लिए अलग हॉस्टल
रायपुर कोटा सेंटर
नाटिया कॉम्पलेक्स, जी.ई. रोड रायपुर (छ.ग.)
9301547784
भिलाई कोटा सेंटर
बिल्डिंग नं. 150
न्यू सिविक सेंटर, भिलाई
9098534927

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

स्वियातेक बनीं विंबलडन चैंपियन, छठा ग्रैंडस्लैम खिताब किया अपने नाम, अनिसिमोवा को दी करारी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| लंदन

पोलैंड की इगा स्वियातेक ने शनिवार को अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से हराकर पहली बार विंबलडन और छठा ग्रैंडस्लैम खिताब अपने नाम किया। यह 114 वर्षों में विंबलडन का पहला महिला फाइनल था, जिसमें प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत सकी। फ्रेंच ओपन में चार और अमेरिकी ओपन में एक ट्रॉफी जीतने वाली 24 वर्षीय स्वियातेक ने सेंटर कोर्ट पर धूप भरी दोपहर में केवल 57 मिनट में 13वीं वरीयता प्राप्त अनिसिमोवा को हराकर आखिरकार ग्रासकोर्ट पर अपनी पहली ट्रॉफी जीत ली। इस तरह स्वियातेक विंबलडन में लगातार आठवीं बार पहली बार महिला चैंपियन बनी हैं।

- 114 वर्षों में विंबलडन का पहला महिला फाइनल था, जिसमें प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत सकी
- स्वियातेक ने सेंटर कोर्ट पर धूप भरी दोपहर में केवल 57 मिनट में 13वीं वरीयता प्राप्त अमांडा को हराया

1911 में डोरोथिया लैम्बर्ट चेम्बर्स ने प्रभावशाली जीत दर्ज की थी

अनिसिमोवा ने सेमीफाइनल में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को हराया था लेकिन शनिवार को ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि वह वहीं खिलाड़ी थीं। जब मैच खत्म हुआ तो स्वियातेक अपनी टीम के साथ जश्न मनाने के लिए स्टैंड में चढ़ गईं जबकि अनिसिमोवा के आंसू निकल रहे थे। इससे पहले 1911 में डोरोथिया लैम्बर्ट चेम्बर्स ने ऐसी प्रभावशाली जीत दर्ज की थी। उन्होंने डोरा बूथबी को 6-0, 6-0 से हराया था। स्वियातेक इससे पहले ऑल इंग्लैंड क्लब के क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं पहुंच सकी थीं। ग्रास कोर्ट पर उनका एकमात्र फाइनल विंबलडन शुरू होने से ठीक पहले जर्मनी में एक तैयारी टूर्नामेंट था, जिसमें वह वह उपविजेता रही थीं।

स्वियातेक 2022, 2023 और 2024 में ज्यादातर समय डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर रही थीं। लेकिन एक साल से अधिक समय तक कहीं भी खिताब नहीं जीतने के बाद उन्हें विंबलडन में आठवीं वरीयता मिली। पिछले साल प्रतियोगिता से बाहर हुई जांच में विफल होने के बाद उन पर एक महीने का डोपिंग प्रतिबंध लगा था।

स्वियातेक ने 10 विनर लगाए

आठवीं वरीय स्वियातेक कुल अंक में 55-24 से आगे रहीं और इस दौरान उन्होंने महज 10 विनर लगाए। पहली बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंची 23 वर्षीय अनिसिमोवा शुरुआत से ही लड़खड़ाती रहीं और 28 'अनफोर्स्ड' गलतियां कर बैठीं। स्वियातेक ने इस तरह लंबे समय से चले आ रहे ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर दिया। उन्होंने पिछली ट्रॉफी एक साल से भी ज्यादा समय पहले जून 2024 में रोलां गैरां में जीती थी।

खबर संक्षेप

अमुंडी एवियन चैंपियनशिपः अदिति संयुक्त 7वें स्थान पर

एवियन ले बेंस। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने यहां द अमुंडी एवियन चैंपियनशिप के दूसरे दौर में दो अंडर 69 का कार्ड बनाया, जिससे वह संयुक्त सातवें स्थान से शीर्ष 10 में बनी हुई हैं। पिछले 34 मेजर में वह शुरू में कभी भी शीर्ष 10 में नहीं रह पाई थीं। लेकिन उन्होंने यहां 67 और 69 के कार्ड खेले, जिससे वह शीर्ष पर चल रही दक्षिण कोरिया की सोमी ली (67, 65) से चार शॉट पीछे हैं। अदिति ने बैक नाइन से शुरूआत की और दोनों तरफ दो बर्डी लगाईं और एक बोगी की।

3 अगस्त से एआईएफएफ फुटसल क्लब चैंपियनशिप

नई दिल्ली। एआईएफएफ फुटसल क्लब चैंपियनशिप 3 से 18 अगस्त तक उत्तराखंड के रुद्रपुर में मनोज सरकार स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। टूर्नामेंट के चौथे चरण में 17 क्लब ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। उत्तराखंड की टीम कॉर्बेट एफसी गत विजेता है, जिसने वडोदरा में 2023-24 के फाइनल में गोलाजो एफसी को 3-2 से हराया था। दिल्ली एफसी ने 2021-22 में उद्घाटन चरण जीता था। इसके बाद मिनर्वा अकादमी एफसी ने 2022-23 में खिताब हासिल किया था।

टेस्ट : टीम इंडिया ने तीसरे दिन 300 रनों का आंकड़ा किया पार

भारत 2 रन से पीछे:इंग्लैंड 2/0; दोनों टीमें पहली पारी में 387-387 रन पर आउट

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा तीसरा टेस्ट बराबरी पर चल रहा है। शनिवार को तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड का स्कोर 2/0 है। जैक क्रॉली और बेन डकेट नाबाद हैं। पहली पारी में किसी को भी बढ़त हासिल नहीं हुई है। भारतीय टीम 387 रन पर ऑलआउट हुई। इंग्लैंड ने भी पहली पारी में 387 रन बनाए थे। टीम इंडिया ने सुबह 145/3 के स्कोर से खेलना शुरू किया। 53 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाने वाले केएल राहुल ने 100 रन बनाए। उन्होंने विकेटकीपर ऋषभ पंत (74 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 198 बॉल पर 141 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी के बाद रवींद्र जडेजा (72 रन) ने नीतीश रेड्डी के साथ 165 बॉल पर 72 और वॉशिंगटन सुंदर के साथ 113 बॉल पर 50 रन की साझेदारी करके भारतीय टीम का स्कोर 376 रन पहुंचा दिया। उनके आउट होने के बाद टीम को ऑलआउट होने में टाइम नहीं लगा। इंग्लैंड की ओर से क्रिस वोक्स ने 3 विकेट झटके। जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स ने 2-2 विकेट लिए। ब्रायडन कार्स और शोएब बशीर को एक-एक विकेट मिला। पंत रनआउट हुए।

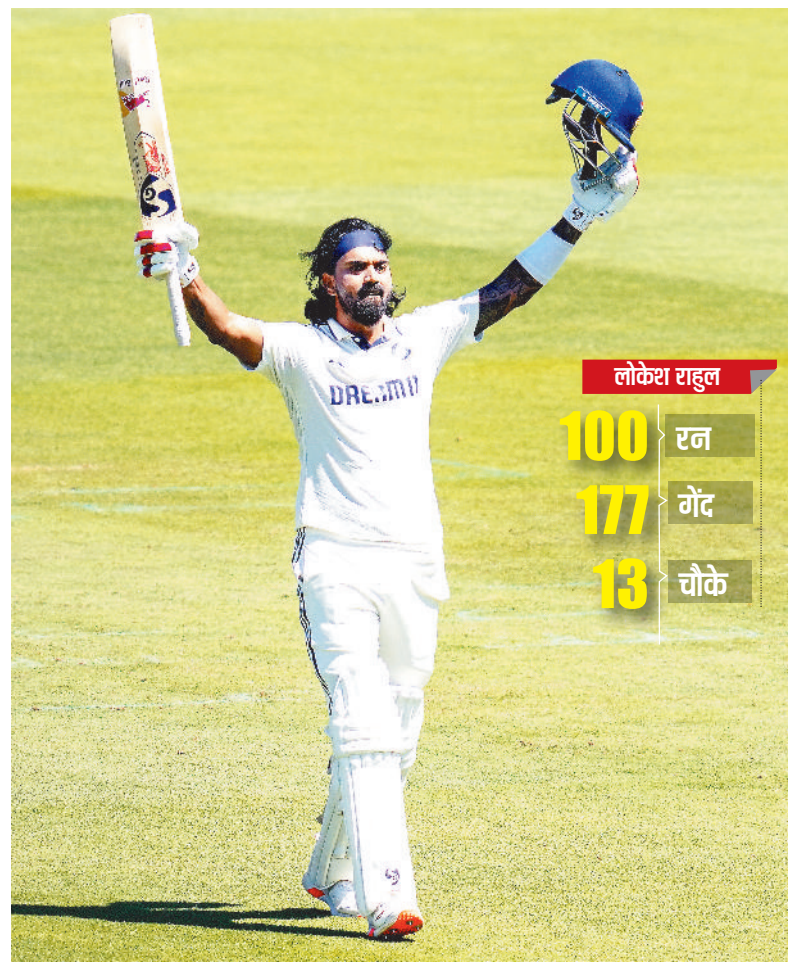

वेंगसरकर के बाद लॉर्ड्स में दो टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बने राहुल

सलामी बल्लेबाज केएल राहुल शनिवार को मध्यक्रम के दिग्गज खिलाड़ी दिलीप वेंगसरकर के बाद लॉर्ड्स में एक से ज्यादा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए। राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन लंच ब्रेक के तुरंत बाद जोफ्रा आर्चर की गेंद पर कवर्स में एक रन लेकर यह उपलब्धि हासिल की। हालांकि राहुल तिहरे अंक तक पहुंचने के तुरंत बाद ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की गेंद पर आउट हो गए। यह खेल के पारंपरिक प्रारूप में कुल मिलाकर उनका 10वां और विदेशी धरती पर नौवां शतक था। कर्नाटक के इस खिलाड़ी ने 177 गेंद में 13 चौकों की मदद से 100 रन बनाए। लीड्स में श्रृंखला के पहले मैच में शतक लगाने के बाद मौजूदा पांच मैचों की श्रृंखला में यह उनका दूसरा शतक है। राहुल ने क्रीज पर कुछ शानदार ड्राइव और फ्लिक खेले। वेंगसरकर ने 1979, 1982 और 1986 में लॉर्ड्स में तीन शतक लगाए हैं। राहुल और वेंगसरकर सहित 10 भारतीय लॉर्ड्स में 'ऑनर्स बोर्ड' पर जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। वेंगसरकर क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले इस प्रतिष्ठित स्थल पर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। राहुल ने इस स्थल पर पहला शतक 2021 में लगाया था जब उन्होंने भारत की 151 रन की जीत में 129 रन बनाए थे। श्रृंखला अभी 1-1 से बराबर है।

मोनाको डायमंड लीग

200 मीटर स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहे अनिमेष, दौड़ पूरी नहीं कर पाए साबले

एजेंसी ▶▶| मोनाको

तेजी से उभरते धावक छत्तीसगढ़ के अनिमेष कुजूर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रगति जारी रखते हुए मोनाको डायमंड लीग में अंडर-23 की 200 मीटर स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया। वहीं अनुभवी स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले गिरने के कारण मोनाको डायमंड लीग में दौड़ पूरी नहीं कर सके।

ओलंपियन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले को अपनी पसंदीदा 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में शीर्ष 5 में जगह बनाने की उम्मीद थी लेकिन वह दौड़ के शुरू में ही गिर गए। इसके बाद वह असहज महसूस करने लगे। मौजूदा एशियाई चैंपियन साबले लंगड़ाते हुए ट्रैक से बाहर चले गए और उनकी चोट की गंभीरता अभी तक ज्ञात नहीं है। यह 30 वर्षीय खिलाड़ी सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुका है, लेकिन इस वर्ष वह अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

वह पिछले दो डायमंड लीग मुकाबलों में 13वें और आठवें स्थान पर रहे हैं। मोरक्को के सौफियान एल. बक्काली ने 8:01.18 सेकंड के समय के साथ दौड़ जीती, जबकि जापान के रयुजी मिउरा 8:03.43 सेकंड के समय के साथ 19 धावकों में दूसरे और कीनिया के एडमंड सेरिम 8:04.00 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

डायमंड लीग : चोपड़ा और नदीम होंगे आमने-सामने

सिलेसिया (पोलैंड)। दोहरे ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया में होने वाली डायमंड लीग (डीएल) में गत चैंपियन पाकिस्तान के अरशद नदीम के खिलाफ एक बहुप्रतीक्षित मुकाबले में आमने-सामने होंगे। पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद दोनों खिलाड़ियों की यह पहली टक्कर होगी। चोपड़ा और नदीम 8 अगस्त, 2024 को पेरिस में हुए पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के एक साल बाद एक-दूसरे का सामना करेंगे।

दोनों टीमों ने की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी, 14.18 की औसत से बने रन

टी20 इंटरनेशनल का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड, मैच में लगे 41 छक्के

एजेंसी ▶▶| बुल्गारिया

एसीएन बुल्गारिया टी20 ट्राई सीरीज के एक मैच में रिकॉर्ड तोड़ रन बने हैं। यह मैच बुल्गारिया और जिब्राल्टर के बीच खेला गया। इस मैच को बुल्गारिया ने अपने नाम किया हो लेकिन दोनों टीमों के बल्लेबाजों ने इस मैच में गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इस मैच में 14.18 के रन रेट से रन बनाए गए हैं, जो कि टी20 क्रिकेट में पहली बार हुआ है। इससे पहले न्यूजीलैंड और स्कॉटलैंड के बीच 2009 में 13.76 के रन रेट से रन बने थे। इस टी20 मैच में कुल 41 छक्के लगाए गए हैं। यही नहीं दोनों पारियों को मिलाकर 35 ओवर से भी कम में यहां 450 से ज्यादा रन बने।

जिब्राल्टर ने 20 ओवर में बनाए 243 रन

इस मैच में जिब्राल्टर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 243 रन बनाए। टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज फिल रैक्स ने 33 गेंद पर 73 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान चार चौके और आठ छक्के जड़े। यही नहीं कप्तान इयान लैटिन ने 51 रन का योगदान दिया। उन्होंने अपनी इस पारी में 7 चौके और दो छक्के जड़े। लुईस बूस ने 24 रन की पारी खेली जबकि क्रिस पाईल ने 22 रन बनाए।

बुल्गारिया ने 15 ओवर में जीता मैच

लक्ष्य का पीछा करने उतरी बुल्गारिया ने इस मैच को 15 ओवर के भीतर ही जीत लिया। टीम की ओर से मनन बशीर ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंद पर 3 चौके और 9 छक्कों की मदद से 70 रन की विस्फोटक पारी खेली। यही नहीं सलामी बल्लेबाज इसा जरू ने 24 गेंद पर 9 चौके और 5 छक्कों की मदद से 69 रन की पारी खेली। मिलन गोगेव ने 69 रन का योगदान दिया। यही नहीं कप्तान क्रिस लाकोव ने 19 रन बनाए। बुल्गारिया की ओर से लुईस बूस ने चार ओवर में 48 रन देकर दो विकेट झटके।

टॉप पर बुल्गारिया

इस मैच में बल्लेबाजों ने धमाकेदार बल्लेबाजी की। इस जीत के साथ बुल्गारिया के चार अंक हो गए हैं और वो पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर है। जिब्राल्टर भले ही मैच हार गए हो लेकिन उनके भी चार अंक हैं। टीम का नेट रन रेट बुल्गारिया से कम है और इसी वजह से वो दूसरे स्थान पर हैं। इस ट्राईसीरीज में तुर्की में भाग ले रही है जिसने दो मैच खेले हैं और दोनों में उन्होंने हार का सामना किया है। टीम का खाता नहीं खुला है और वो पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे है।

जोटा के जर्सी नंबर का कोई खिलाड़ी नहीं करेगा उपयोग

लिवरपूल। लिवरपूल ने पिछले सप्ताह कार दुर्घटना में डिओगो जोटा की मौत के बाद उनके जर्सी नंबर 20 को रिटायर कर दिया है और क्लब में किसी भी स्तर पर कोई खिलाड़ी इस नंबर का उपयोग नहीं करेगा। पुर्तगाल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी 28 वर्षीय जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा (जो स्वयं फुटबॉल खिलाड़ी थे) की स्पेन के उत्तर-पश्चिमी शहर जमोरा के निकट हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। लिवरपूल ने कहा कि महिला टीम और अकादमी सहित क्लब के सभी स्तरों पर उनके नंबर को हटा दिया जाएगा। प्रीमियर लीग क्लब ने एक बयान में कहा, 'यह वह नंबर था, जिसे उन्होंने गर्व के साथ पहना था और हमें कई जीत दिलाई थी।

राशिफल

मेष कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

शब्द पहेली - 5926

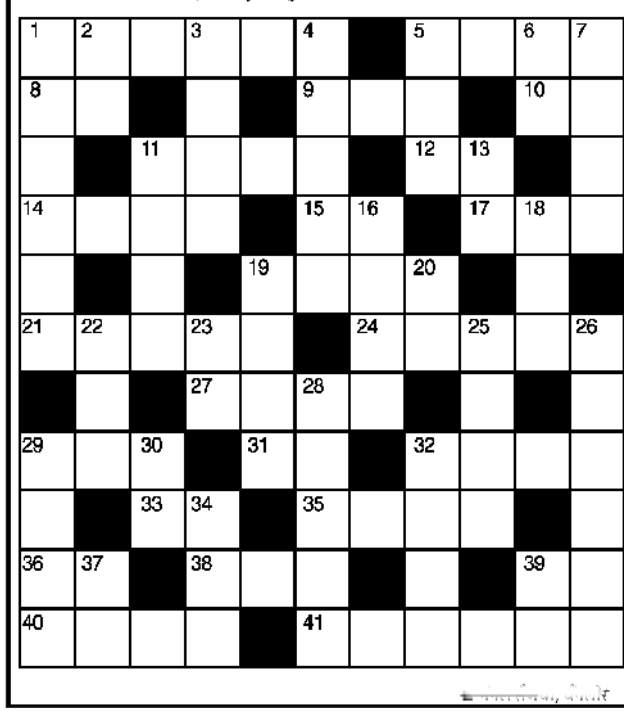

बाएँ से दाएँ
1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे
1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली- 5925 का हल

■	ब	ल	शा	ली	■	रु	ख	सा	र	■
अ	न	■	ली	■	प	त	न	■	जा	न
न	■	ज	मा	दा	र	■	न	म	■	फा
म	ग	रु	र	■	■	आ	■	द	र	स
ना	■	र	■	अ	ज	ग	र	■	चा	त
■	मि	त	वा	■	हौ	■	स	प	ना	■
म	ल	■	दा	वा	न	ल	■	रा	■	फि
त	न	य	■	ल	■	■	ह	ज	र	त
ल	■	म	त	■	का	र्या	ल	य	■	र
बी	ज	■	म	का	न	■	च	■	सा	त
■	य	ल	गा	र	■	ब	ल	शा	ली	■

सूडोकु नवताल - 5936

कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5935 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

खबर संक्षेप

6,639 श्रद्धालुओं का नया जत्था रवाना

जम्मू। अमरनाथ गुफा मंदिर के दर्शन के लिए 6,639 तीर्थयात्रियों का 11वां जत्था शनिवार को भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। 1,462 महिलाओं, 41 बच्चों और 181 साधुओं एवं साध्वियों सहित तीर्थयात्री तड़के कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दो अलग-अलग काफिलों में अनंतनाग के नुनवान-पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल आधार शिविरों के लिए रवाना हुए।

सालगिरह कार्यक्रम में शामिल होने बिहार जा रही कार नहर में गिरी बिश्रामपुर माइनर्स कॉलोनी निवासी दो महिलाएं व एक बच्चे की हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिश्रामपुर

बिहार के पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल के रानी तालाब थाना क्षेत्र के सरैया गांव में शनिवार की प्रातः करीब सवा पांच बजे हुए सड़क हादसे में कार सवार पांच लोगों में से तीन की मौत हो गई है।कार सवार पांचों लोग बिश्रामपुर माइनर्स कॉलोनी निवासी रिटायर्ड कॉलरी कर्मी के परिवार के सदस्य थे।बताया गया कि बिश्रामपुर माइनर्स कॉलोनी निवासी रिटायर्ड कॉलरी कर्मी प्रेमचन्द सिंह के पुत्र नंदन सिंह अपनी मारुति ऑल्टो कार क्रमांक सीजी 15 सीयू 5367 में अपनी मां निर्मला देवी,पत्नी नीतू सिंह,पुत्र अस्तित्व सिंह,पुत्री रिद्धि सिंह के साथ शुक्रवार की शाम साढ़े सात बजे अपने मूल निवास वैशाली हाजीपुर महुआ के लिए निकले थे।कार को रिटायर कोल कर्मी के पुत्र नंदन सिंह 38 वर्ष ड्राइव कर रहे थे।बताया गया कि सुबह तड़के अचानक उन्हें झपकी आ गई जिससे कार अनियंत्रित हुई और कार सहित सभी नहर में जा गिरे जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाला गया।हादसे में नंदन सिंह की मां निर्मला देवी 52 वर्ष,नंदन सिंह की पत्नी नीतू सिंह 36 वर्ष,पुत्र अस्तित्व सिंह 10 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई।जबकि कार चल रहे नंदन सिंह 38 वर्ष व उनकी पुत्री रिद्धि सिंह 12 वर्ष घटना में किसी तरह बच निकले।सूचना पर मौके पर पहुंची रानी तालाब पुलिस ने जेसीबी मशीन के सहारे कार को नहर से बाहर निकाला व शव के पंचनामा के बाद तीनों शव का पटना में पीएम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।सूचना पर नंदन सिंह के परिवार के दूसरे सदस्य भी

घटना स्थल पहुंच गए है जो तीनों के शवों को लेकर बिश्रामपुर जिला सूरजपुर आ रहे हैं।रविवार को शव पहुंचने के बाद मृतकों का अंतिम संस्कार किया जायेगा।घटना से नगर के माइनर्स कॉलोनी में शोक व मातम का माहौल निर्मित हो गया है।हादसे में नंदन सिंह व उनकी पुत्री रिद्धि सिंह को भी अंदरूनी चोटें लगी हैं।

अपने साले की 50वीं सालगिरह कार्यक्रम में होना था शामिल

बताया गया कि नंदन सिंह के साले की 50 वीं सालगिरह पर नंदन के ससुराल में भव्य आयोजन किया गया था जिसमें शामिल होने नंदन सिंह सपरिवार अपने सुसराल के लिए निकले थे, इसी दिन सुबह तड़के ये गमगीन हादसा हो गया।बताया गया कि घटना के ठीक पहले प्रेमचंद सिंह अपने पुत्र नंदन से मोबाइल में बात कर हाल चाल जाना था, तब नंदन ने बातचीत की, कि बस अब घर पहुंचने वाले ही हैं तभी कुछ पल बाद यह हादसा हो गया।प्रेमचंद सिंह को जैसे ही हादसे की खबर लगी तो वे अपना दिमागी संतुलन व सुध खो बैठे हैं।हादसे में इकलौता पोता, पत्नी, बहु की मौत की खबर ने उन्हें बेसुध कर दिया है।हादसे की खबर के बाद आज शनिवार को बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंचकर प्रेमचंद सिंह को सांत्वना दे रहे हैं।प्रेमचंद सिंह का पोता अस्तित्व डीएवी विद्यालय में पांचवीं कक्षा का छात्र था।हंसमुख व मिलनसार परिवार प्रेमचंद सिंह के घर हुए हादसे से नगरवासी स्तब्ध हैं।

डीबी ने हत्या के मामले में 6 वर्ष की मासूम बच्ची की गवाही को सजा के लिए पर्याप्त साक्ष्य माना

बिलासपुर। जस्टिस रजनी दुबे एवं जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की डीबी ने हत्या के मामले में 6 वर्ष की मासूम बच्ची की गवाही को सजा के लिए पर्याप्त साक्ष्य माना है। कोर्ट ने उसकी गवाही के लिए अन्य किसी सहायक साक्ष्य की आवश्यकता नहीं माना है। इसके साथ ही कोर्ट ने आरोपियों की अपील को खारिज किया है।

उत्तर बस्तर कांकेर निवासी राज सिंह पटेल ने 13 दिसंबर 2016 को पुलिस को सूचना दी कि गांव के मानसाय ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लिया। 8 जनवरी 2017 मृतक की 6 साल की बेटी का बयान दर्ज किया । बच्ची ने पुलिस को बताया कि घटना की रात आरोपी पंकू पिता के पेट में लात मारा एवं स्कार्फ से गला दबाकर देवता घर में ले गया एवं बीच के मयार में लटका दिया । उस समय उसकी मां चूल्हे के पास बैठकर आग ताप रही थी, उसने चिल्लाने का प्रयास किया तो उसकी मां ने रोक दिया । बच्ची के इस बयान पर पुलिस ने धारा 302, 201, 34 के तहत अपराध दर्ज कर मृतक की पत्नी सगोर बाई एवं आरोपी पंकू को गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश किया। अपर सत्र न्यायाधीश ने मासूम की गवाही पर दोनों को

आजीवन कारावास की सजा सुनाई। सजा के खिलाफ आरोपियों ने अपील पेश की। अपील में 6 साल के मासूम गवाह का अविश्वसनीय एवं देर से बयान दर्ज करने को मुद्दा बनाया गया । जस्टिस रजनी दुबे एवं जस्टिस सचिन सिंह राजपूत की डीबी ने सुनवाई उपरांत अपने आदेश में कहा इस घटना की महत्वपूर्ण गवाह है - अभियुक्त और मृतक की 6 वर्षीय पुत्री है। प्रारंभिक प्रश्न पूछकर, निचली अदालत ने साक्ष्य देने की अपनी क्षमता के बारे में स्वयं को संतुष्ट किया और फिर उसे दर्ज किया। उसने कहा है कि घटना की तारीख को अभियुक्त पंकू ने उसके पिता के पेट पर हमला किया था। उसके अनुसार, मृतक की पत्नी जो उस समय चूल्हे के सामने खुद बैठी थी, उसके ही दुपट्टे से उनका गला घोंट दिया था, उसके बाद पिता को देवता कक्ष में ले जाकर उन्हें बीच वाले बीम से लटका दिया गया ।

घटना का वर्णन करने वाले बाल गवाह के स्पष्ट बयान को देखते हुए कि, कैसे अभियुक्त ने पहले मृतक के पेट पर हमला किया, फिर उसके गले में दुपट्टा बाँधा, उसे देवता कक्ष में ले गया और उसे केंद्रीय बीम से लटका दिया, और इस सब के दौरान उसकी माँ ने अपने पति को बचाने का कोई प्रयास नहीं किया कोर्ट ने इसे गंभीरता से लिया । डीबी ने कहा कि, बाल गवाह - जिसने घटना को अपनी आँखों से देखा है, को किसी पुष्टिकरण की आवश्यकता नहीं है। इसके साथ कोर्ट ने आरोपियों की अपील खारिज कर दी। डिवीजन बेंच ने आरोपियों को विधिक सेवा प्राधिकरण समिति की मदद से सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की छूट जरूर दी है । हाई कोर्ट ने 6 साल की मासूम बच्ची की गवाही को पर्याप्त साक्ष्य माना।

पितृत्व विवाद में हाईकोर्ट का सख्त रुख महिला वकील के आरोपों पर सीनियर एडवोकेट को कराना होगा डीएनए टेस्ट

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक बेहद संवेदनशील और चर्चित मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कोरबा निवासी सीनियर एडवोकेट श्यामल मल्लिक की उस अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने डीएनए टेस्ट कराने के फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। यह मामला उस समय चर्चा में आया था जब 37 वर्षीय महिला वकील ने अपने सीनियर एडवोकेट पर जूनियर के रूप में काम करने के दौरान शारीरिक शोषण का आरोप लगाया। महिला का दावा है कि इस संबंध के परिणामस्वरूप उसने एक बच्चे को जन्म दिया और अब वह बच्चे के जैविक पिता की पुष्टि के लिए डीएनए परीक्षण चाहती है।

> ■ सीनियर एडवोकेट पर जूनियर के रूप में काम करने के दौरान शारीरिक शोषण का आरोप

महिला की याचिका पर फैमिली कोर्ट ने 8 अक्टूबर 2024 को डीएनए जांच की अनुमति दे दी थी। इसके खिलाफ एडवोकेट मल्लिक ने हाईकोर्ट में दो अलग-अलग याचिकाएं दाखिल कर इस आदेश को चुनौती दी थी। पहले चरण में हाईकोर्ट ने आंशिक राहत देते हुए कहा था कि डीएनए टेस्ट का निर्णय दोनों पक्षों के साक्ष्य दर्ज होने के बाद किया जाए। हालांकि, याचिकाकर्ता ने बाद में एक नई याचिका दाखिल कर फिर से फैमिली कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाया, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह अधिकार क्षेत्र पहले ही तय हो चुका है और फैमिली कोर्ट इस मामले में पूर्ण रूप से सक्षम है।

ब्लड सैंपल देकर जांच प्रक्रिया स्वीकारी

हाईकोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि याचिकाकर्ता ने स्वयं 4 जुलाई 2024 को डीएनए जांच के लिए ब्लड सैंपल दिया था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उन्होंने जांच की प्रक्रिया को स्वीकार किया था। इसके बावजूद तथ्यों को छुपाकर दोबारा याचिका दाखिल करना न्यायालय की प्रक्रिया के दुरुपयोग के रूप में देखा गया। हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि याचिकाकर्ता के सभी मुद्दे पहले ही तय हो चुके हैं और कोई नया कानूनी आधार प्रस्तुत नहीं किया गया है, इसलिए याचिका को खारिज किया जाता है। इसके साथ ही पहले दी गई अंतरिम राहत को भी समाप्त कर दिया गया है।

बॉयोलॉजिकल पिता की जानकारी होना जरूरी

दरअसल, महिला ने फैमिली कोर्ट में यह तर्क दिया कि उसकी बच्ची नाबालिग है, इसलिए उसके बॉयोलॉजिकल पिता की जानकारी होना जरूरी है। ताकि, उसके पिता का अधिकार मिल सके। महिला का यह भी आरोप है कि जूनियर के तौर पर काम करने के दौरान एडवोकेट ने उनका यौन शोषण किया। कोर्ट में सुनवाई के दौरान यह बात भी सामने आई कि यह मामला केवल एक विवादित पितृत्व का नहीं, बल्कि न्यायिक पेशे की मर्यादा, महिला वकीलों की गरिमा और नैतिक जिम्मेदारियों का भी प्रश्न है। जहां एक ओर महिला वकील अपने अधिकार और बच्चे के भविष्य के लिए संघर्ष कर रही है।

एसपी महासमुंद को हाई कोर्ट ने जारी किया अवमानना नोटिस

बिलासपुर। न्यायालयीन आदेश की अवहेलना के मामले में महासमुंद एसपी आशुतोष सिंह को हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अभिषेक पांडेय ने न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने के आरोप में एसपी आशुतोष सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

आदेश की अवहेलना के आरोप में 6 महीने की सजा व दो हजार रुपए जुर्माने का प्रावधान है। या फिर दोनों सजा साथ साथ भुगतनी पड सकती है। पार्वती नगर, गुढ़ियारी, रायपुर निवासी नरेन्द्र यादव जिला-महासमुन्द को पुलिस विभाग में आरक्षक के पद पर रहते हुए सेवा से पृथक कर दिया गया था। आदेश के ख़िलाफ़ कांस्टेबल ने हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की थी। मामले कि सुनवाई के हाईकोर्ट ने राज्य शासन के आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ता को सेवा में बहाल करने का आदेश जारी किया था। 90 दिनों से अधिक का समय बीत जाने के पश्चात भी एसपी महासमुन्द ने याचिकाकर्ता को जिला-महासमुन्द में आरक्षक पद पर ज्वाईनिंग नहीं दी। न्यायालयीन आदेशों की अवहेलना की शिकायत करते हुए कांस्टेबल नरेन्द्र यादव ने अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं स्वाति कुमारी के माध्यम से हाईकोर्ट बिलासपुर के समक्ष अवमानना याचिका दायर की। मामले की सुनवाई जस्टिस रवींद्र अग्रवाल के सिंगल बेंच में हुई। इसमें कहा गया कि मैरिट पर आदेश पारित किए जाने के बावजूद भी छत्तीसगढ़ राज्य के आईएएस एवं आईपीएस अधिकारी निर्धारित समय में हाईकोर्ट के आदेश का पालन ना कर पीड़ित पक्षकार को लगातार प्रताड़ित एवं परेशान कर रहे हैं। इसके साथ ही न्यायालय के आदेशों की लगातार अवमानना की जा रही है। कोर्ट मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी महासमुन्द आशुतोष सिंह को अवमानना नोटिस जारी कर तत्काल जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है ।

74 विद्यार्थियों को राहत, आरटीई के तहत फिर से पढ़ने की मिली अनुमति

बिलासपुर। हाईकोर्ट के डिविजन बेंच ने एक ऐतिहासिक निर्णय सुनाते हुए यह आदेश पारित किया कि डीपीएस रिसाली, शंकराचार्य विद्यालय सेक्टर-10, एवं डीएवी हुडको माइलस्टोन से निष्कासित किए गए 74 विद्यार्थियों को आरटीई के तहत तत्काल प्रभाव से विद्यालय में पुनः अध्ययन की अनुमति दी जाए। इस फैसले के साथ ही कोर्ट ने जिला शिक्षा अधिकारी दुर्ग के आदेश को निरस्त कर दिया है। जिला शिक्षा अधिकारी, दुर्ग द्वारा 3 जुलाई 2025 को इन विद्यालयों को आदेशित करते हुए शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत नामांकित विद्यार्थियों को विद्यालय से निष्कासित करने की कार्रवाई की गई। इस निर्णय से बच्चों का भविष्य अधर में लटक गया था और पालकों में गहरा आक्रोश एवं निराशा थी। अभिभावकों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता टी.के. झा एवं अधिवक्ता सौरभ चौबे के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि शिक्षा का अधिकार संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार है तथा इसे किसी भी परिस्थिति में छीना नहीं जा सकता। न्यायालय ने विद्यार्थियों को वर्ष पर्यंत नियमित शिक्षा देने का निर्देश देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी के निष्कासन आदेश को अस्थायी रूप से निरस्त कर दिया।

राष्ट्रीय ध्वज के इस्तेमाल पर 14 जुलाई को सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 14 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज के इस्तेमाल संबंधी याचिका पर सुनवाई करेगा। इसमें केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी राजनीतिक दल या धार्मिक संगठन द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के "राजनीतिक या धार्मिक उद्देश्यों के लिए उपयोग पर प्रभावी रोक लगाने के कदम उठाएं।

टैटू (गोदना)
मिटाये नई तकनीक लेजर द्वारा
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.ग.)
9827143060/8871003060
छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
Ajay Advt.

सुयश हॉस्पिटल
(NABH से मान्यता प्राप्त)
किडनी रोग विभाग
- किडनी फेलयर (ARF/CRF)
- डायलिसीस
- बच्चों की किडनी की समस्त प्रकार की बीमारी
- नेफ्रोटिक सिंड्रोम
- हाई बीपी (HIGH BP)
- PCNL
- AV FISTULA

24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग
विशेषज्ञ सर्जनों की अत्यधिक अनुभवी टीम
डॉ. यूसुफ मेमन MBBS, MS, FSOG, FIAGES, FMAS निदेशक एवं वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ. अर्पण चतुरमोहता MS, MCh, FIAGES HOD, सर्जिकल डायरेक्टर, वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ. मौ रॉय MBBS, MS, MCh क्लिनिकल डायरेक्टर, वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ विवेक पटेल MBBS, MS, MCh वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ कल्याण पांडेय MBBS, MS, MCh वरिष्ठ कैंसर सर्जन
डॉ. विकास अग्रवाल MBBS, DNBN, PDF, FMAS, FISCP, MNAMS वरिष्ठ कैंसर सर्जन
मरीजों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए पूर्ण NABH से मान्यता प्राप्त
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर, 7389905010, 04010, +917714081010, 4061010

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध
रायपुर में
भिलाई में
VARIAN HALCYON
VARIAN UNIQUE
Deepak Ad./101
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से निःशुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर
अवंति बाई चौक, पंडरी
9343079151, 91313 99570
भिलाई
टी.आई. मॉल के पास
7722880844, 0788-2294440

BALCO Medical Centre
बालको मेडिकल सेंटर
मध्यभारत का अत्याधुनिक व विश्वसनीय कैंसर हॉस्पिटल
NABH व NABL से मान्यता प्राप्त
- सभी प्रकार की कैंसर सर्जरी
- पैट, स्पैक्ट स्कैन, HDT, LDT थेरेपी
- अत्याधुनिक टू-बीम लिनक एवं हैल्सीऑन मशीन द्वारा रेडिएशन थेरेपी व ब्रैकिथेरेपी की सुविधा
- कीमोथेरेपी, टारगेटेड थेरेपी, इम्युनोथेरेपी
- रक्त-सम्बन्धी सभी बीमारियाँ एवं बोन मेरो ट्रांसप्लांट
- आधुनिक रेडियोलॉजी, लेबोरेटरी एवं ब्लड सेंटर
आयुष्मान भारत योजना से निःशुल्क ईलाज एवं सभी PSUs व बीमा कम्पनियों से अनुबंधित
सिटी सेंटर - बीएमसी कैंसर डेकेयर- कलर्स मॉल के बाजू, धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.) 9201966330
मेन हॉस्पिटल - सेक्टर 36, नया रायपुर, छ.ग. 8282823333/4444

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com